जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 275 प्रभात कोटा, शनिवार 19 जुलाई, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

छत्तीसगढ़ के पूर्व मु.मंत्री भूपेश बघेल के पुत्र को ईडी ने गिरफ्तार क्यों किया?

क्या गिरफ्तारी का कारण पुत्र की पंजाब के प्रभारी के रूप में नियुक्ति तो नहीं?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जुलाई। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे को आज सुबह रायपुर स्थित उनके घर से एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) ने शराब घोटाले में कथित संलिप्तता के चलते हिरासत में लिया है।

सूत्रों का कहना है कि यह तो बस शुरुआत है। भूपेश बघेल के करीबी सहयोगी विनोद वर्मा अगला निशाना हैं। उसके बाद बारी खुद भूपेश बघेल की हो सकती है।

बघेल और उनके परिवार की शराब घोटाले में भूमिका की जांच काफी समय से सुर्खियों में है, लेकिन अब जाकर कार्रवाई क्यों हो रही है? यही असली सवाल है।

बघेल के बेटे इस समय पंजाब कांग्रेस के प्रभारी और एआईसीसी महासचिव हैं।

उच्चस्तरीय सूत्रों का कहना है कि उन्हें पंजाब का प्रभारी बनवाने में भाजपा नेतृत्व की सक्रिय भूमिका थी।

समझा जाता है कि बघेल को पंजाब का प्रभारी बनाने के पीछे के. सी. वेणुगोपाल का हाथ था।

स्थिति बहुत ही ज्यादा दिलचस्प है।

पिछले 6 महीनों से भूपेश बघेल, ईडी की पूछताछ, बेटे की परेशानियों, अपने करीबी स्टाफ पर जांच और खुद के कानूनी जोखिमों में उलझे रहे हैं।

एक वरिष्ठ नेता, जो पंजाब के हालात से पूरी तरह वाकिफ हैं, का कहना है कि यह स्थिति अगले 6 महीनों तक बनी रहेगी।

पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर है, और पार्टी के सांसदों को इस बात की गंभीर चिंता है कि वे अगला लोकसभा चुनाव जीत भी पाएंगे या नहीं।

बघेल का प्रदर्शन शून्य रहा है, और निकट भविष्य में कोई खास बदलाव की उम्मीद भी नहीं है।

ऐसी आशंका जताई जा रही है कि जैसे-जैसे पंजाब चुनाव नजदीक आएंगे,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- बघेल पुत्र पिछले छः महीने की तरह कम से कम अगले छः महीने ईडी की रेड से संबंधित मुकदमों में व्यस्त रहेंगे तथा प्रभारी होने के बावजूद, पंजाब की चुनाव की तैयारी व उम्मीदवार के चयन की प्रक्रिया में कुछ खास नहीं कर पायेंगे और कांग्रेस के टिकट के बारे में निर्णय भाजपा लेगी।
- ऐसा होना कोई अनहोनी बात नहीं, कई और राज्यों में भी कांग्रेस के प्रभारी ईडी की कार्यवाही में इतने फंसा दिये जाते हैं कि टिकटार्थियों का चयन परोक्ष रूप से भाजपा के हाथ में चला जाता है।
- पंजाब के मामले में स्थिति इससे भी ज्यादा संगीन व सुनियोजित इसलिए लगती है, क्योंकि बघेल पुत्र के प्रभारी के रूप में चयन में के.सी. वेणुगोपाल की निर्णायक भूमिका रही थी।
- राहुल गांधी ने कांग्रेस में भाजपा के ''स्लीपर सैल'' होने की बात कही थी। पर, विचारणीय विषय तो यह है कि राहुल की नाक के नीचे उनके नवरत्नों में कितने लोग भाजपा के ''स्लीपर सैल'' हैं।

छात्रा की उत्तर पुस्तिका में छेड़छाड़ पर सीबीएसई से जवाब माँगा

जयपुर, 18 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने कक्षा 12 के वाणिज्य वर्ग की एक छात्रा के एक विषय की उत्तर पुस्तिका से छेड़छाड़ करने के मामले में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली और उसके अजमेर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने ये आदेश इफरा शेख की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने बोर्ड को पाबंद किया है कि वह संबंधित उत्तर पुस्तिका से जुड़ा रिकॉर्ड नष्ट न करे और उसे सुरक्षित रखा जाए।

- छात्रा के, अकाउन्टैंसी विषय में पुनर्मूल्यांकन में सामने आया कि उत्तर पुस्तिका के अंदर के पेजों पर किसी अन्य की लिखावट है।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को अकाउंटेंसी विषय में बोर्ड ने सिर्फ 26 अंक ही दिए हैं, जबकि अन्य विषयों में उसके बेहतरीन अंक आए हैं। इस पर उसने इस विषय का पुनर्मूल्यांकन कराया। पुनर्मूल्यांकन के बाद प्राप्त उत्तर पुस्तिका में सामने आया कि उत्तर पुस्तिका के केवल पहले पेज की लिखावट ही उसकी थी। वहीं, भीतर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या एक अमेरिकी नागरिक की नागरिकता खत्म की जा सकती है?

यह विवाद अब न्यायालय तक पहुँच गया है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप एलन मस्क, ज़ोहरान ममदानी व रोज़ी ओ'डॉनेल को उनकी नागरिकता रद्द करके उन्हें उनके पुराने वतन भेजने की धमकी सार्वजनिक रूप से देने लग गये हैं

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-

वॉशिंगटन, 18 जुलाई। संयुक्त राज्य अमेरिका में ''नागरिकता समाप्ति'' (डीनैचुरलाइज़ेशन) पर एक नई बहस आकार ले रही है। यह बहस इस मुद्दे के इर्द-गिर्द घूम रही है कि क्या किसी अमेरिकी को उसकी नागरिकता से वंचित किया जा सकता है।

इसमें, अमेरिका में जन्मे देश के स्वाभाविक नागरिक की नागरिकता समाप्त करने की बात भी शामिल है। रोज़ी ओ'डॉनेल, जिन पर अब नागरिकता समाप्त होने का खतरा मंडरा रहा है, एक प्रसिद्ध हास्य कलाकार हैं, जिन्होंने ट्रंप की तीखी आलोचना की थी।

डॉनल्ड ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान संकेत दिया कि वे एलन मस्क, ज़ोहरान ममदानी और रोज़ी ओ'डॉनेल को देश से निष्कासित करने पर विचार कर सकते हैं।

ममदानी, जो न्यूयॉर्क के मेयर बनने की दौड़ में हैं, के ऊपर कम्युनिस्ट होने का आरोप लगाया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- एलन मस्क, कुछ समय पूर्व तक ट्रंप के घनिष्ठ मित्रों की सूची में प्रमुखता से शामिल थे, पर, जब से उन्होंने ''बिग व ब्यूटिफुल'' विधेयक का विरोध किया, ट्रंप ने उनको अमेरिका से बाहर उनकी जन्म स्थली वापस भेजने की इच्छा जाहिर की है।
- ट्रंप रोज़ी ओ'डॉनेल व न्यूयॉर्क का मेयर बनने की महत्वाकांक्षा रखने वाले ज़ोहरान ममदानी को भी उनकी मातृभूमि भेजना चाहते हैं, इन दोनों पर आरोप लगाया गया है कि अमेरिका की नागरिकता प्राप्त करने के लिए उन्होंने जो दस्तावेज़ दिये थे, वे झूठे थे।
- इस मुद्दे पर, कानूनी राय यह है कि जब तक उन पर यह आरोप न्यायालय में साबित नहीं होता, तब तक उन्हें उनकी नागरिकता से वंचित नहीं रखा जा सकता है। रोज़ी और ज़ोहरान दो प्रभावशाली व्यक्ति हैं। रोज़ी जानी-मानी कॉमेडियन हैं और ट्रंप पर व्यंग्य करने के लिए जानी जाती हैं, दूसरे हैं ज़ोहरान, जो न्यूयॉर्क के मेयर बन सकते हैं।

ईडी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मु.मंत्री बघेल के पुत्र को ''दारू काण्ड'' के तहत गिरफ्तार किया

चैतन्य बघेल, अपने पिता पूर्व मु.मंत्री के साथ रहते हैं तथा इस बात से काफी क्रुद्ध थे कि उनके जन्म दिवस पर ईडी ने उन्हें यह सौगात दी, क्योंक गत वर्ष भी पूर्व मु.मंत्री, उनके पिता के यहाँ भी उनके जन्म दिन पर ईडी ने ''रेड'' की थी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जुलाई। लगातार सुर्खियों में बने हुये एनफोसमैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) ने आज छत्तीसगढ़ के पूर्व कांग्रेस मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को दुर्ग जिले के भिलाई कस्बे में स्थित उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया।

चैतन्य को मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्डरिंग एक्ट- पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई उनके निवास पर की गई ताज़ा छापेमारी के बाद हुई। चैतन्य अपने पिता भूपेश बघेल के साथ इस घर में रहते हैं।

इससे पहले इसी सप्ताह, ईडी ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था, जिसमें उन्हें अचल संपत्तियों से जुड़े मामलों में आरोपी बताया गया है।

कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने कहा, ''हम न डरेंगे और न झुकेंगे। भूपेश बघेल डरेगा नहीं। हम सच्चाई की लड़ाई लड़ेंगे।''

उन्होंने अपने भिलाई स्थित आवास से बाहर पत्रकारों से कहा, ''एक तरफ बिहार में मतदाताओं के नाम चुनाव आयोग की मदद से मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं...लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है, और दूसरी तरफ ईडी, आईटी, सीबीआई, डीआरआई जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग विपक्षी नेताओं को दबाने के लिए किया जा रहा है। लेकिन अब देश की जनता सब समझ चुकी है और पूरी तरह सचेत है।''

बघेल ने कहा, ''ईडी पहले भी मेरे घर आई थी और 33 लाख रु. बरामद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- चैतन्य बघेल ने न्यायालय परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए यह भी कहा कि उद्योगपति अडानी, माइनिंग करना चाहते हैं तथा इसके लिए व जंगल काटना चाहते हैं, तथा कांग्रेस पार्टी उनकी इस नाजायज़ गतिविधि में कानूनी रोड़े अटकाती है तथा अब ईडी की रेड उनके घर पर इस घटनाक्रम के संदर्भ में है।

पेपर लीक में कटारा के चालक का पुत्र गिरफ्तार

जयपुर, 18 जुलाई। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की टीम ने एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए, पूर्व आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा के तत्कालीन चालक नादान सिंह के बेटे अजय प्रताप सिंह को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) एसओजी वीके सिंह ने बताया कि एसआई भर्ती परीक्षा 2021 की जांच कर रही टीम को कुछ इनपुट मिले, जिनके आधार पर टीम ने जांच करना शुरू किया। जांच में तथ्य सही मिलने पर एसओजी की टीम ने बाबूलाल कटारा के तत्कालीन चालक नादान सिंह के पुत्र अजय प्रताप सिंह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- एसओजी ने जाँच में सही तथ्य मिलने पर आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा के चालक नादान सिंह के पुत्र अजय प्रताप सिंह राठौड़ को गिरफ्तार किया।

प्र.मंत्री मोदी का बिहार में लालू के ''जंगल राज'' के मुद्दे पर आक्रामक प्रचार अभियान

इसी बीच सुप्रीम कोर्ट से लालू को बड़ा झटका लगा है, इससे भी एनडीए गठबंधन की हिम्मत बढ़ी है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और एनडीए के अन्य नेताओं द्वारा बिहार के महागठबंधन के जंगलराज के खिलाफ आक्रामक प्रचार अभियान छेड़े जाने के बीच, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को एक झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने ''लैंड फॉर जॉब्स'' मामले में ट्रायल पर रोक लगाने के लिए दायर की गई उनकी याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है।

न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने आज इस प्रकरण की सुनवाई करते हुए कहा कि लालू यादव को अपनी मुख्य याचिका, जिसमें उन्होंने सीबीआई की चार्जशीट को रद्द करने की मांग की है, दिल्ली हाईकोर्ट में दलील के साथ प्रस्तुत करनी चाहिए, जहाँ यह मामला पहले से विचाराधीन है।

हालाँकि, राहत की बात यह रही कि सर्वोच्च न्यायालय ने यह कह दिया कि, विशेष परिस्थितियों को देखते हुए, लालू यादव को ट्रायल कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से छूट दी जा सकती है।

यह मामला सीबीआई ने मई, 2022 में दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप है कि पश्चिम मध्य रेलवे में ग्रुप-डी की नियुक्तियाँ, लालू यादव के परिवार और नज़दीकी लोगों को जमीन देने के बदले में की गई थीं।

इस बीच, भाजपा ने एक बार फिर अपने पुराने प्रचार-अभियान को दोहराया है कि आरजेडी और कांग्रेस ने बिहार को लूटा और राज्य के विकास को रोक दिया।

आज मोतीहारी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज की पीढ़ी को यह समझना जरूरी है कि दो दशक पहले बिहार किस तरह गहरी निराशा में डूबा हुआ था। उन्होंने कहा, ''जो लोग सत्ता में थे, उनका ध्यान केवल इस बात पर था कि गरीबों के लिए आए पैसे को कैसे लूटा जाए। गरीबों के लिए पक्के मकान बनवाना असंभव था और लोग अपने घरों पर रंग-रोगन तक करवाने से डरते थे।''

प्रधानमंत्री ने 7200 करोड़ रूपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कहा कि यूपीए और राजद सरकारों के दौरान, बिहार के लिये 10 वर्षों में मात्र 2 लाख करोड़ रूपए की योजनाएँ मंजूर हुईं, जबकि 2014 के बाद से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, देशभर में 4 करोड़ से अधिक मकान गरीबों के लिए बनाए गए हैं और इसके साथ ही, बिहार को भी सार्वजनिक कल्याण और विकास कार्यों के लिए पर्याप्त धनराशि दी गई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने ''लैंड फॉर जॉब'' मामले में ट्रायल कार्यवाही पर रोक लगाने संबंधी लालू की याचिका को सुनने से मना कर दिया और कहा, वे दिल्ली हाई कोर्ट जाएं, जहाँ यह मामला विचाराधीन है, सुप्रीम कोर्ट ने लालू को व्यक्तिशः उपस्थिति से अवश्य छूट दी।
- प्रधानमंत्री मोदी ने मोतिहारी में एक सभा में लालू यादव के जंगल राज की याद दिलाई। प्र.मंत्री ने यात्रा के दौरान 7200 करोड़ रूपए की विकास योजनाओं का भी उद्घाटन किया।

आप पार्टी ने इंडिया गठबंधन छोड़ा

नई दिल्ली, 18 जुलाई। आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को 'इंडिया' गठबंधन से अपनी दूरी बनाते हुए कहा कि वह अब विपक्षी गठजोड़ का हिस्सा नहीं है और इसका नेतृत्व करने में कांग्रेस पार्टी की भूमिका पर सवाल उठाया। राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने देश में मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा के लिए शनिवार शाम 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की डिजिटल माध्यम से होने वाली बैठक से एक दिन पहले यह टिप्पणी की।

कांग्रेस की आलोचना करते हुए संजय सिंह ने विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने में उसकी भूमिका पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, यह बच्चों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- आप के नेता संजय सिंह ने यह घोषणा करते हुए कांग्रेस को इंडिया गठबंधन में दरार के लिए दोषी ठहराया।

जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट की इन हाउस कमेटी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की

जूडिशिएरी के इतिहास में यह अभूतपूर्व घटना है, एक सिटिंग जज ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज की है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जुलाई। राज्यसभा में मानसून सत्र के दौरान महाभियोग के ज़रिए हटाए जाने की संभावनाओं के बीच, इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा ने ''घर में नकदी'' मामले में इन-हाउस जांच रिपोर्ट को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

इस रिट याचिका में उन्होंने उस जाँच को चुनौती दी है, जिसमें दिल्ली में उनके सरकारी आवास से नकदी मिलने के बाद उन्हें दोषी ठहराया गया था, उस समय वे दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश थे।

साथ ही, उन्होंने भारत के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश को भी चुनौती दी है।

यह एक अभूतपूर्व मामला है, जहाँ एक कार्यरत न्यायाधीश ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, ताकि उसके खिलाफ की गई जांच रिपोर्ट को रद्द किया जा सके। याचिका 17 जुलाई की दोपहर को दाखिल की गई थी। इसमें भारत संघ और सुप्रीम कोर्ट को प्रतिवादी बनाया गया है।

न्यायमूर्ति वर्मा का कहना है कि इन-हाउस जांच समिति ने उन्हें जवाब देने का उचित अवसर दिए बिना ही निष्कर्ष निकाल लिए। उन्होंने आरोप लगाया कि समिति पहले से तय सोच के साथ आगे बढ़ी। ठोस साक्ष्य के अभाव में सिर्फ अनुमान और पूर्वाग्रह के आधार पर प्रतिकूल निष्कर्ष निकाले गए, वह भी सबूत उलटकर।

याचिका में कहा गया है कि ''समिति ने याचिकाकर्ता को अपनी निर्धारित कार्यप्रणाली की कोई जानकारी नहीं दी, उनसे एकत्र किए जाने वाले साक्ष्यों पर प्रतिक्रिया देने का कोई अवसर नहीं दिया, उनकी अनुपस्थिति में गवाहों से पूछताछ की और उपलब्ध होने के बावजूद, वीडियो रिकॉर्डिंग के स्थान पर केवल संक्षिप्त किए गए बयान उपलब्ध कराए। समिति ने केवल ''अभियोग लगाने योग्य'' सामग्री का चयनात्मक रूप से खुलासा किया, और सीसीटीवी फुटेज जैसे प्रासंगिक व याचिकाकर्ता को दोषमुक्त करने वाले साक्ष्यों की उपेक्षा की और उन्हें एकत्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- संभावना है कि जल्दी ही जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरु की जा सकती है।
- जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास पर आग लगने के बाद उसे बुझाने गए दमकल कर्मियों को भारी मात्रा में नकदी मिली थी, इसलिए उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने जाँच कमेटी गठित की थी, कमेटी ने जाँच में जस्टिस वर्मा को दोषी माना।
- जस्टिस वर्मा ने कमेटी की जाँच की वैधता को चुनौती दी और आरोप लगाया कि उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया।
- जाँच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना को दी थी। खन्ना ने महाभियोग की अनुशंसा के साथ रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दी थी क्योंकि जस्टिस वर्मा ने पद त्याग करने की सीजेआई की सलाह नहीं मानी थी।
- कमेटी का कहना था कि सरकारी आवास में नकदी कहाँ से आई, यह बताना जस्टिस वर्मा की जिम्मेवारी है, पर, वे कोई स्पष्टीकरण नहीं दे पाए, पूछताछ में या तो उन्होंने सपाट इन्कार किया या फिर साजिश रचने का आरोप लगाया।

अमेरिका ने ''द रैज़िस्टैंट फ्रंट'' को आतंकी संगठन घोषित किया

वाशिंगटन, 18 जुलाई। अमेरिका ने एक बड़ा कदम उठाते हुये, पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी समूह की एक शाखा, द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को एक विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) घोषित किया है। यह संगठन 22 अप्रैल को हुए भयावह पहलगाम आतंकवादी हमले के लिए ज़िम्मेदार है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रुबियो ने एक बयान में कहा कि टीआरएफ को एक विदेशी आतंकवादी संगठन और एक विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- लश्करे तैयबा से जुड़े इस आतंकी संगठन ने ही कथित रुप से 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले को अंजाम दिया था।

विचार बिन्दु

प्रकृति ईश्वर का प्रकट रूप है, कला मानुष्य का। –लांगफैलो

''प्लास्टिक में लिपटता-सिमटता राजस्थान''

राजस्थान आज एक ऐसे जहर की चपेट में है जो उसकी शान को प्लास्टिक की थैलियों में लपेटकर कचरे के ढेर में बदल रहा है। प्लास्टिक-वही अनजाना मेहमान, जो 1907 में लियो बैकलैंड की प्रयोगशाला में एक भूल का नतीजा था, अब हमारे खून, सांस और थाली में घुस चुका है। लियो ने कहा था, धर्म और विज्ञान में समानता है; अगर ये गलत हाथों में पड जाएं, तो आदर्श पीछे छूट जाते हैं, और मानवता का नुकसान होता है। आज उनका यह कथन राजस्थान में साकार हो रहा है, जहां प्लास्टिक दुख, अपराध और पीडा का पर्याय बन गया है। आज कोई ऐसा स्थान शेष नहीं बचा है जहां प्लास्टिक का साम्राज्य न हो स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, रेल-बस, मंदिर-मस्जिद, मनोरंजन पार्क, ऑफिस, हवाई अड्डे, सेना, पुलिस, न्यायालय, दुकान और घर सभी क्षेत्रों में यह फैला-पसरा है।

सुजैन फ्रिकेल ने इसे जहरीली प्रेम कथा कहा था, उसने कहा कि–मैंने एक दिन में 196 प्लास्टिक की चीजों का स्पर्श किया जबकि गैर प्लास्टिक की केवल 106, इसलिए सचमुच, यह प्रेम इतना जहरीला हो गया है कि हमारी हवा, पानी, और डीएनए तक इसके जहर से अछूते नहीं। सरकार की कागजी शेर बन कर रह गई है। सरकार और नागरिकों की सुस्ती ने इस राक्षस को बेलगाम कर दिया है। इस त्रासदी पर अब व्यंग्य नहीं निकलता। आज प्लास्टिक हमारा नया बादशाह बन चुका है।

जयपुर की चहल-पहल भरी गलियों से लेकर जैसलमेर के सुदूर गांवों तक, प्लास्टिक ने ऐसा साम्राज्य कायम किया है कि कोई कोना बाकी नहीं। स्कूलों में बच्चों की किताबें प्लास्टिक कवर में लिपटी हैं, कॉलेजों में नोटबुक्स प्लास्टिक की फाइलों में कैद हैं। अस्पतालों में सलाइन की बोतलें, सिरिंज, और दवाइयों की पैकिंग सब प्लास्टिक। रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों पर चाय-नाश्ता प्लास्टिक के गिलास और थालियों में। मंदिरों में प्रसाद प्लास्टिक की थैलियों में, मस्जिदों में दान के लिए प्लास्टिक के डिब्बे। मनोरंजन पार्क में बच्चों के खिलौने, ऑफिसों में पेन, फाइलें, और कुर्सियां सब प्लास्टिक। हवाई अड्डों पर पानी की बोतल से लेकर सामान की पैकिंग तक, सेना के कैंपों में राशन की पैकिंग, पुलिस थानों में फाइलें, और न्यायालयों में दस्तावेजों की फाइलें सब प्लास्टिक। दुकानों में हर सामान प्लास्टिक में लिपटा, और घरों में रसोई से लेकर बाथरूम तक, प्लास्टिक का बोलबाला। तो बात हुई कि हमने प्लास्टिक को अपना नया बादशाह चुन लिया है और हर जगह उसका राजतिलक कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 तक सिंगल-यूज प्लास्टिक को खत्म करने का वादा किया था, लेकिन राजस्थान में यह कागजी वादा धूल में बदल गया। 2021 में मुख्य सचिव ने वैकल्पिक सामग्रियों की बात की थी और 2025 में सुधांश पंत ने इसे जनस्वास्थ्य का दुश्मन बताया भी। लेकिन जमीनी हकीकत सबको पता है। स्थानीय निकायों में कचरा प्रबंधन का ढांचा इतना जर्जर है कि लगता है, सरकार ने प्लास्टिक कचरे को भी स्वच्छ भारत के बैनर तले छोड दिया। राज्य में रीसाइक्लिंग इकाइयां गिनती की हैं, और जो हैं, वो संसाधनों की भूखी हैं और दम तोड़ रही हैं। प्लास्टिक उद्योगों पर सख्ती करें? अरे साहब वह सब तो दूर की कौडी! छोटे-मझोले कारखाने बिना किसी नियमन के प्लास्टिक की बरसात कर रहे हैं, और सरकार आंखें मूंदे ताली बजा रही है। यह तो वही बात हुई कि हमने रेगिस्तान में बारिश का इंतजार छोडकर, प्लास्टिक की बौछारों को ही मानसून मान लिया।

आज राजस्थान की सुनहरी रेत पर प्लास्टिक कचरे का साया मंडरा रहा है। राजस्थान का रेगिस्तान, जो कभी कवियों की प्रेरणा था, आज प्लास्टिक के कचरे का कब्रिस्तान बन रहा है। नदियां, नाले, और तालाब प्लास्टिक से अटे पडे हैं। जयपुर में मानसून आता है, तो सडकें नदियां बन जाती हैं, क्योंकि नाले प्लास्टिक के बोझ तले दम तोड़ चुके हैं। माइक्रोप्लास्टिक मिट्टी और पानी में घुसकर खाद्य श्रृंखला को जहर दे रहा है। गाय-भैंसें सड़कों पर बिखरे प्लास्टिक को चबाकर अपनी जान गंवा रही हैं। पशुपालक रो रहे हैं, लेकिन हमारी नींद नहीं टूट रही। प्लास्टिक जलाने से निकलने वाली डाइऑक्सिन और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें हवा को और जहरीली बना रही हैं। राजस्थान, जहां गर्मी पहले ही जान लेती है, अब इन गैसों के कारण ग्लोबल वार्मिंग की मार और झेल रहा है। 2023 में सूखे ने फसलों को तबाह किया था और प्लास्टिक ने मिट्टी की उर्वरता को और चोट पहुंचाई। उदयपुर की फतेहसागर झील, जो कभी पर्यटकों का दिल थी, आज प्लास्टिक की बोतलों और थैलियों से दम तोड़ रही है। यह तो वही बात हुई कि हमने अपने रेगिस्तान को प्लास्टिक का कैनवास बना दिया, जहां हर रंग जहर भरा है।

स्वास्थ्य के मोर्चे पर तो यह जहर का घूंट है और हर घूंट में प्लास्टिक का जहर अब हमारे खून में बह रहा है। शोध चीख-चीखकर कह रहे हैं कि प्लास्टिक में 16,000 रसायन होते हैं, जिनमें 26% तो सीधे धरती और मानव जीवन को तबाह करने के लिए पर्याप्त है। फेथलेट्स और बिस्फेनॉल ए जैसे रसायन कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, और प्रजनन समस्याओं का न्योता दे रहे हैं। जयपुर के कैंसर अस्पताल की निदेशक अनीला कोठारी चिल्ला रही हैं कि प्लास्टिक कैंसर के मामलों को बढ़ा रहा है। डॉ. देवेंद्र सोनी और डॉ. एकलव्य बोहरा ने चेताया कि गर्म पदार्थ प्लास्टिक में रखने से रसायन हमारे डीएनए तक को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

माइक्रोप्लास्टिक अब हवा, पानी, और खाने में घुस चुका है। एक व्यक्ति हर हफ्ते इतना माइक्रोप्लास्टिक निगल लेता है, जितने से एक क्रेडिट कार्ड बन जाए। तो हम तो जैसे प्लास्टिक के क्रेडिट कार्ड से अपनी सेहत का कर्ज चुका रहे हैं! ग्रामीण राजस्थान की तस्वीर इससे भिन्न नहीं है जहां स्वच्छता और कचरा प्रबंधन की व्यवस्था पूरी तरह लचर है, लोग अनजाने में नहीं जानबूझकर प्लास्टिक में लिपटा खाना खा रहे हैं। भारत में, जहां सोना पहना और खाया जाता है, अब लोग प्लास्टिक खा रहे हैं। यह तो वही बात हुई कि हमने सोने की थाली छोडकर, प्लास्टिक की थाली में जहर परोस लिया हो।

यूरोपीय संघ की तरह, भारत में सिंगल-यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध को सख्ती से लागू करना होगा। राजस्थान में स्थानीय निकायों को जवाबदेह बनाकर और दुकानदारों पर भारी जुर्माना लगाकर इसे लागू किया जा सकता है। कनाडा की EPR नीति को अपनाकर, कंपनियों को अपने प्लास्टिक कचरे के संग्रह और रीसाइक्लिंग के लिए जिम्मेदार बनाया जा सकता है।

कचरे का वारिस प्लास्टिक बन गया है और सबसे बड़ा पाप हम यह कर रहे हैं कि हम हमारी भावी पीढ़ियों को कचरे का वारिस भी बना रहे हैं। यह सैकड़ों साल तक नहीं सडता, यानी आज का कचरा कल के बच्चों के लिए अभिशाप बनेगा ही। राजस्थान में, जहां कृषि और पशुपालन जीवन का आधार हैं, प्लास्टिक मिट्टी को बंजर और पशुओं को कब्रिस्तान भेज रहा है। खेत बंजर हो रहे हैं, फसलें मर रही हैं, और पशुपालक अपनी आजीविका खो रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण अनियमित मानसून और बढ़ता तापमान पहले ही किसानों की कमर तोड़ रहा है, और प्लास्टिक इस आग में घी डाल रहा है। जोधपुर के खेतों में, जहां कभी बाजरे की लहलहाती फसलें थीं, अब प्लास्टिक की शीट्स मिट्टी को दफना रही हैं। राज्य में पशुपालक अपनी गायों को प्लास्टिक खाने से रोक नहीं पा रहे। यह तो वही बात हुई कि हमने अपने बच्चों के लिए सुनहरी रेत की बजाय प्लास्टिक का ढेर छोड़ दिया हो। कल का राजस्थान अगर प्लास्टिक के कचरे में दफन हो गया, तो हमारी पीढ़ी को इतिहास कभी माफ नहीं करेगा। हमारी भावी पीढ़ियां पूछेंगी, क्यों छोड़ा तुमने हमें यह जहरीला वारिस हमारे लिए? और हमारे पास जवाब के नाम पर सिर्फ खामोशी होगी। यह जहर का कारोबार प्लास्टिक उद्योग राजस्थान में बेलगाम घोड़ा बन चुका है। छोटे-मझोले कारखाने बिना किसी नियमन के प्लास्टिक की बरसात कर रहे हैं। गुणवत्ता मानकों की धज्जियां उड़ रही हैं, और पर्यावरण नियम तो जैसे कागज के टुकडे बनकर हवा में उड़ रहे हैं।

प्लास्टिक कचरा और राजस्थान में बरसात की त्रासदी

राजस्थान, अपनी रंग-बिरंगी संस्कृति और मरुस्थलीय सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध, आज प्लास्टिक कचरे की समस्या से जूझ रहा है। बरसात, जो इस शुष्क प्रदेश में जल संरक्षण और खेती के लिए वरदान है, अब प्लास्टिक कचरे की वजह से शहरों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा कर रही है। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर जैसे प्रमुख शहरों में नालियाँ और नाले प्लास्टिक कचरे से अवरुद्ध हो रहे हैं, जिससे बारिश का पानी सड़कों पर ठहर जाता है, जनजीवन अस्त-व्यस्त होता है और बीमारियों का खतरा बढ़ता है। भारत में प्रतिदिन लगभग 26,000 टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसमें से केवल 8% ही रीसाइकिल होता है। राजस्थान में भी स्थिति गंभीर है, जहाँ शहरी क्षेत्रों में अपर्याप्त कचरा प्रबंधन और जागरूकता की कमी के कारण प्लास्टिक कचरा नालियों को जाम कर देता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार, भारत में प्रति वर्ष लगभग 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसमें से 40% अनसंग्रहित रहता है। राजस्थान के शहरों में यह अनसंग्रहित कचरा बरसात के दौरान नालियों में बहकर जल निकासी को रोक कर सडकों पर जलभराव और बाढ़ जैसे हालात बना रहा है, पर प्रवाह किसे है।

प्लास्टिक कचरे की समस्या केवल जल निकासी तक सीमित नहीं है। यह पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को भी गंभीर नुकसान पहुँचा रहा है। नालियों में जमा प्लास्टिक मच्छरों के प्रजनन का कारण बन रहा है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियाँ फैल रही है अस्पताल में मरीजों की भीड बेकाबू है। इससे निपटने का मूर्खता पूर्ण कारनामा ये है कि प्लास्टिक को खुले में जला कर निस्तारण किया जा रहा है और इस प्लास्टिक से डाइऑक्सिन और फ्यूरान जैसे हानिकारक रसायन निकल रहे हैं, जो वायु प्रदूषण और श्वसन संबंधी रोगों का कारण बन रहे हैं। राजस्थान के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में, विशेष रूप से एकल-उपयोग प्लास्टिक (सिंगल-यूज प्लास्टिक) का उपयोग व्यापक है, जो इस समस्या को और बढ़ाता है।

इस त्रासदी से निपटने के लिए तत्काल और ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। भारत सरकार ने 2016 और 2021 में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम लागू किए, जिनमें एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध और विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (EPR) जैसे प्रावधान शामिल हैं। हालांकि, राजस्थान सहित कई राज्यों में इन नियमों का कार्यान्वयन कमजोर है। उदाहरण के लिए, 2023 में 775,577 किलोग्राम प्रतिबंधित एकल-उपयोग प्लास्टिक जब्त किया गया, लेकिन बाजार में इसकी उपलब्धता अभी भी बनी हुई है। समाधान के लिए, स्थानीय निकायों को कचरा पृथक्करण और रीसाइक्लिंग सुविधाओं को मजबूत करना होगा। राजस्थान के कलडवास पंचायत में दरवाजे-दरवाजे कचरा संग्रहण की सफल प्रणाली एक मॉडल हो सकती है। साथ ही, जन जागरूकता अभियान और स्कूलों में पर्यावरण शिक्षा पर जोर देना होगा। कपड़े की थैलियों और बायोडिग्रेडेबल विकल्पों को प्रोत्साहन देना भी आवश्यक है। राजस्थान की यह धरती, जो कभी स्वच्छता की मिसाल थी, आज हमसे सामूहिक जिम्मेदारी माँग रही है। यदि हम अभी नहीं जागे, तो हर बरसात यही कहानी दोहराएगी। प्लास्टिक कचरे को नियंत्रित कर, हम अपने शहरों को बाढ़ से बचा सकते हैं और इस धरती को फिर से हरियाली से सजा सकते हैं।

सरकार की चुप्पी इस बात का सबूत है कि आर्थिक लाभ को जनस्वास्थ्य और पर्यावरण से ऊपर रखा जा रहा है। भारत में सिर्फ 25% प्लास्टिक कचरे की रीसाइक्लिंग होती है, और राजस्थान में यह आंकड़ा और भी शर्मनाक है। मात्र 10 प्रतिशत प्लास्टिक कचरे की ही रिसाइक्लिंग हो रही है बाकी कचरा या तो लैंडफिल में दफन हो रहा है या खेतों-नदियों में बिखर रहा है। यह तो वही बात हुई कि हमने जहर का कारोबार शुरू कर दिया, और ग्राहक हमारी सेहत और पर्यावरण हैं। प्लास्टिक से निपटने के लिए कपड़े का थैला या रीसाइक्लिंग बढ़ाओ जैसे पुराने नुस्खे अब बेकार हैं। हमें आधुनिक विज्ञान की शरण लेनी होगी। बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर और एंजाइम-आधारित प्लास्टिक विघटन तकनीकें इस दिशा में क्रांति ला सकती हैं। फ्रांस में विकसित एक एंजाइम, जो पीईटी प्लास्टिक को घंटों में विघटित कर देता है, राजस्थान में लागू हो सकता है। सरकार को अनुसंधान संस्थानों और स्टार्टअप्स के साथ मिलकर ऐसी तकनीकों को बढ़ावा देना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इस जंग में हमारा सबसे बड़ा हथियार हो सकता है। स्मार्ट डस्टबिन, जो कचरे को स्वचालित रूप से छांट सकें, और ड्रोन, जो कचरे के ढेर को ट्रैक करें, जयपुर और उदयपुर जैसे शहरों में गेम-चेंजर साबित हो सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा, (साहित्यकार, चिन्तक एवं शिक्षाविद्)

यूरिया खाद की किल्लत, प्रागपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति में किसानों की भीड़ लगी

एक घंटे में यूरिया की गाड़ी खाली हुई, पुलिस निगरानी में खाद वितरित किया

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति कार्यालय पर शुक्रवार को यूरिया खाद की गाड़ी आने की सूचना पर किसानों की लंबी कतार लग गई। क्षेत्र में बारिश होते ही यूरिया की मांग बढ़ गई है, जिसकी वजह से किसान घरेलू कामकाज भी छोड़कर सुबह से खाद बिक्री केंद्र पर पहुंचने शुरू हो जाते हैं। इनमें महिला किसान भी शामिल हैं, जो घर का कार्य छोड़कर यूरिया के लिए लाइनों में लगने को मजबूर हैं।

अकेले प्रागपुरा की आबादी करीब 25 हजार है और आसपास के क्षेत्र के लोग भी यहां खाद लेने पहुंच रहे हैं। जिसके चलते अभी और भी ज्यादा यूरिया खाद की कमी है। वर्तमान में खेतों में उग रही बाजरे की फसल के लिए किसानों को खाद की जरूरत है, लेकिन यूरिया की कई दिनों से किल्लत चल रही है।

प्रागपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति कार्यालय पर यूरिया खाद की गाड़ी आने की सूचना पर किसानों की लंबी कतार लग गई।

- **किसान घरेलू कामकाज भी छोड़कर सुबह से खाद बिक्री केंद्र पर पहुंचने शुरू हो जाते हैं, इनमें महिला किसान भी शामिल हैं**

प्रागपुरा जीएसएस अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि शुक्रवार की सुबह करीब दस बजे यूरिया खाद की एक गाड़ी आई, जिसमें यूरिया खाद के 900 कट्टे थे। उन्होंने बताया कि प्रागपुरा सहकारी समिति में इस खरीफ सीजन में 7000 कट्टे डीएपी बाजरा बुवाई के लिए व इसी खरीफ फसल के लिए यूरिया खाद के अभी तक 19500 कट्टे उपलब्ध करवाये गये हैं। उपेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि किसान हित में समिति द्वारा अधिकारियों से सम्पर्क कर क्षेत्रवासियों की आपूर्ति के लिए निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यूरिया खाद सरकारी दर 266.50 पर उपलब्ध करवाया जा रहा है।

मुख्य कार्यकारी कैलाश चंद स्वामी ने बताया कि खाद केंद्र पर खाद की सीमित उपलब्धता और किसानों की अधिक भीड़ के कारण एक आधार कार्ड से केवल दो बैग यूरिया के दिए गए, जिस कारण उन किसानों को सबसे अधिक समस्या का सामना करना पड़ा, जिन्हें दो से अधिक यूरिया बैग की आवश्यकता थी।

किसानों ने बताया कि यूरिया खाद की कमी के कारण उन्हें काफी परेशानी हो रही है। वे सुबह से लाइनों में लगकर खाद लेने के लिए आते हैं, लेकिन कई बार उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है।

उपेन्द्र सिंह शेखावत ने किसानों की समस्याओं को समझते हुए कहा कि वे अधिकारियों से बात कर खाद की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास करेंगे, ताकि किसानों को परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि समिति का प्रयास है कि किसानों को समय पर खाद मिले और उनकी फसल अच्छी हो। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रागपुरा थाना पुलिस तैनात रही जिनकी निगरानी में खाद का वितरण सुबह शुरू हुआ। पुलिसकर्मी व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार मशक्कत करते रहे लेकिन फिर भी कई किसानों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

'सरकारी जागरूकता व जन भागीदारी के बिना स्वच्छता को जन आंदोलन बनाना संभव नहीं'

के.के. गुप्ता ने राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार पांचवीं बार पुरस्कार जीतने के लिए डूंगरपुर नगर परिषद की टीम और डूंगरपुर शहर वासियों को शुभकामनाएं दी

उदयपुर/ डूंगरपुर, (निसं)। राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार पांचवीं बार पुरस्कार जीतकर और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन का शहर बन दक्षिण राजस्थान के आदिवासी अंचल का ऐतिहासिक डूंगरपुर नगर पूरे भारत में चर्चित हो रहा है। राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन (ग्रामीण) के राजस्थान प्रदेश समन्वयक और डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व सभापति के.के. गुप्ता ने राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार पांचवीं बार पुरस्कार जीतने के लिए डूंगरपुर नगर परिषद की टीम और डूंगरपुर शहर वासियों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में नगरवासियों के सहयोग से उन्होंने स्वच्छता का जो पोधा रौपा था, आज वह वटवृक्ष बनकर फल दे रहा है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में सुपर लीग सिटी पुरस्कार से सम्मानित किया है। गुप्ता ने कहा कि डूंगरपुर और इंदौर की तरह स्वच्छता के लिए हर शहरवासियों को स्वच्छता को जन आंदोलन बनाना चाहिए। शहर का कोई व्यक्ति खुले में कचरा ना डालें, 365 दिन नियमित गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग टाइम बाउंड उठना चाहिए तथा शहर का छोटा हो या बड़ा व्यक्ति को स्वच्छता की ताकत को समझना चाहिए वह स्वयं तो कचरा न डाले परंतु आमजन को भी खुले में कचरा ना डालने दें, यह विजन पैदा करने की आवश्यकता है। यह कार्य डूंगरपुर वासियों एवं शहर में पढ़ने वाले 22373 बच्चों ने पूरे देश को करके दिखाया है। यहां यह भी आवश्यक है कि जनसंख्या

के.के. गुप्ता

स्वच्छता को प्रभावित नहीं करती है। आज राजस्थान में डूंगरपुर से भी छोटी निकाय एवं मध्य प्रदेश की इंदौर निकाय जिसकी जनसंख्या 28.71 लाख होने के बाद भी देश के लिए लगातार स्वच्छता सर्वेक्षण में अव्वल आना कोई साधारण बात नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बार-बार स्वच्छता का संदेश तथा ताकत का वर्णन करना किसी विकसित देश के हर नागरिक को सोचने को मजबूर करता है। 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की जयंती पर राजघाट पर यह करना कि देश का हर नागरिक सोच ले कि मुझे हिंदुस्तान को स्वच्छ बनाना है तो दुनिया की कोई ताकत देश को गंदा नहीं कर सकती। न गंदगी करेंगे नहीं करने देंगे तथा इसे राष्ट्रव्यापी आंदोलन बनाना है। उन्होंने हर सप्ताह 2 घंटे तथा प्रतिवर्ष 100 घंटा स्वच्छता के लिए कार्य करने का आग्रह किया। शौचालयों के निर्माण करवाने तथा व्यवहार भी बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा महिलाओं को दिया सम्मान उन्हें सुरक्षा और गरिमा मिलने लगी।

गुप्ता ने कहा है कि जो शहर स्वच्छता में सम्मानित हुए हैं उनके अंदर भारी उत्साह एवं उमंग है और कुछ शहरों में स्वच्छता सर्वेक्षण में आगे आने का उत्साह है। आज की परिस्थितियों में वास्तव में देखा जाए तो एक बात सत्य है अधिकारी सोचता है मैं क्यों मेहनत करूं मेरा पता नहीं कब ट्रांसफर हो जाए, जनप्रतिनिधि सोचता है मैं 5 साल के लिए हूं बाद में मेरा क्या ठिकाना में क्यों मेहनत करूं। परंतु वह यह भूल जाता है कि स्वच्छता की ताकत को कभी नजरअंदाज नहीं जा सकता, परन्तु यह वह सत्य है स्वच्छता को जीवन भर याद रखा जाता है। गुप्ता ने कहा कि भारत में स्वच्छता में इमरजेंसी को लागू करने की भी आवश्यकता है।

स्कूल में बच्चों से मजदूरी कराने का मामला सामने आया

भीलवाड़ा, (निसं)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पुरावतों का आकोला में स्कूल में बच्चों से मजदूरी कराने का मामला सामने आया है। मजदूरी करते बच्चों का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि तीन बच्चे मजदूरी कर रहे हैं सरकारी स्कूल की बच्चे यूनिफॉर्म पहने है और आम सड़क पर छोटे-छोटे बच्चों से मिस्त्री और मजदूरी का काम करवाया जा रहा है। आकोला विद्यालय में पढ़ाई के समय स्कूल के यह बच्चे पढ़ने-लिखने के बजाय कुदाल और फावड़ा

- **मजदूरी करते बच्चों का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ**

लेकर सीमेंट से मसाला तैयार कर मजदूरी कर रहे हैं। ग्रामीणों ने जब बच्चों से बात की तो उन्होंने बताया कि हम घर से पढ़ने के लिए स्कूल आए थे फिर प्रार्थना के बाद मिस्त्री के साथ तीन बच्चों को भेज दिया बोला कि इन काम में हैल्प करो तभी से इनके साथ काम में लगे हैं।

मामला सामने आने के बाद प्रधानाध्यापक महेंद्र सिंह ने बताया कि हमारे एक जुलाई से पानी की समस्या बनी हुई है और हमारे विद्यालय में 201 बच्चों का नामांकन है और पानी नहीं होने से इन बच्चों का खाना बनाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने बताया कि इसमें से एक बच्चा खुद मित्री का हो सकता है, इसलिए उसे बुलाया हो और बाकी उसके साथ काम में सहायता के लिए गए हो।

5 स्कूल के बच्चे पढ़ने-लिखने के बजाय कुदाल और फावड़ा लेकर सीमेंट से मसाला तैयार कर मजदूरी कर रहे हैं।

समदरिया गांव के बच्चों को नदी पार कर जाना पड़ता है स्कूल

पाली, (निसं)। पाली जिले के सोजत उपखंड के गुढ़ा कल्ला के समदरिया गांव और डांडिया मगरी गांव के बीच बहने वाली नदी हर साल बारिश में इन गांवों के लिए एक बड़ी रुकावट बन जाती है।

- **हर साल बारिश में इन गांवों के लिए एक बड़ी रुकावट बन जाती है नदी**

लोगों के अनुसार स्कूल जाने का एकमात्र रास्ता इसी नदी से होकर गुजरता है। जब नदी पूरे उफान पर होती है, तो बच्चों का स्कूल जाना तो दूर, आम लोगों का आना-जाना भी खतरनाक हो जाता है। यही वजह है कि बरसात के दिनों में अक्सर बच्चों को स्कूल से छुट्टी करनी पड़ती है, जिससे उनकी पढ़ाई पर बुरा असर पड़ रहा है। यह कोई नई समस्या नहीं है। सालों से स्थानीय ग्रामीण, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से पुल बनाने की गुहार लगा रहे हैं। सांसद, विधायक और अधिकारी सभी इस स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ हैं, लेकिन उनकी अपीलें और वादे सिर्फ कागजों तक ही सिमट कर रह गए हैं। लोगों के अनुसार हर साल बारिश आती है, नदी उफनती है, बच्चे अपनी जान जोखिम में डालते हैं, और फिर बारिश के साथ यह मुद्दा भी कहीं दब जाता है।

राशिफल शनिवार 19 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र रात्रि 12:37 तक, शूल योग रात्रि 12:35 तक, गर करण दिन 2:43 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क चन्द्रमा-मेष, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा रात्रि 1:28 से आरम्भ होगी। महापात योग दिन 2:16 से सायं 7:10 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:29 से 9:10 तक, चर 12:33 से 2:14 तक, लाभ-अमृत 2:14 से 7:36 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:48, सूर्यास्त 7:18

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आज महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

वृष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

मकर
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यावसायिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। सुख-सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। परिजनों/मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

राष्ट्रीय मेला दशहरा-2025 के आयोजन हेतु मेला समिति की द्वितीय बैठक सम्पन्न

कोटा, (निसं)। राष्ट्रीय दशहरा मेला 2025 के आयोजन की विधिवत तैयारी 30 मई 2025 को गणेश स्थापना के साथ प्रारंभ कर दी गई है। इस वर्ष मेले में दशहरा मैदान फैज-2 में गरबा कार्यक्रम आयोजित करवाया जाएगा, इस हेतु दशहरा मैदान फैज- 2 की शीघ्र लेवलिंग करवाई जायेगी। यह निर्णय शुक्रवार को अध्यक्ष विवेक राजवंशी की अध्यक्षता में हुई मेला समिति की बैठक में लिए गए। मेला समिति अध्यक्ष विवेक राजवंशी ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दशहरा मेला 2025 को पहले से अधिक भव्य बनाने के निर्देश दिए है। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने एकमत से लोकसभा अध्यक्ष की भावना को साकार करने का संकल्प लिया। राजवंशी ने बताया कि मेला आयोजन के दोरान राम बारात को और अधिक भव्य बनाया जाएगा इसके लिए जनसहभागिता बढ़ाते हुऐ शहर के विभिन्न मंदिरो को इसमें जोड़ा जाएगा।

मेला दशहरा परिसर एवं उसके आस-पास के अतिक्रमण अभियान चलाकर शीघ्र हटाए जाऐंगे। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेला दशहरा का बीमा करवाया जाएगा। मेला दशहरा के लिए लाईट, साउण्ड, एलईडी, ड्रॉन-शो एवं लाईट एण्ड साउण्ड-शो की निविदा शीघ्र जारी की जाएगी। साईकिल स्टैण्ड की निविदा शीघ्र जारी की जाएगी एवं टिकट का प्रफोर्मा निगम तय करेगा, जिससें संवेदक द्वारा अधिक वसूली नहीं की जा सके। पार्किंग स्थल पर लाईट एवं सीसीटीवी केमरों की व्यास्था की जाएगी। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्यक्रमों की जानकारी एवं आमंत्रण हेतु मोबाईल पर संदेश भेजे जाऐंगे। गत वर्ष यू-ट्यूब के माध्यम से लाईव प्रसारण किया गया था, इसमें सुधार करते हुए केमरो की संख्या बढ़ाई जाएगी ताकि हर ऐंगल से लाईव किया जा सके।

नन्दगांव आवासीय एवं व्यावसायिक योजना की लॉटरी का विक्रय प्रारंभ

कोटा, (निसं)। आमजन को आवासीय व व्यावसायिक भूखण्ड उपलब्ध कराने के लिए कोटा विकास प्राधिकरण द्वारा शुक्रवार को बड़गांव में नन्दगांव आवासीय व व्यावसायिक योजना की आवेदन पुस्तिका का विक्रय प्रारम्भ किया गया। केडीए अध्यक्ष राजेंद्र सिंह शेखावत एवं आयुक्त हरफूल यादव ने इस योजना की लॉन्चिंग की। योजना की जानकारी देने के लिए प्रचार वाहन भी रवाना किया गया। केडीए अध्यक्ष एवं आयुक्त ने बताया कि योजना में कुल 58 भूखंडों की लॉटरी प्रस्तावित हैं। उक्त योजना में आवेदन जमा किये जाने की अन्तिम 14 अगस्त निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र पंजाब नेशनल बैंक कोटा की समस्त शाखा तथा राजस्थान के अन्य जिला मुख्यालय पर स्थित नोडल शाखा से एवं केडीए परिसर के काउन्टर से भी प्राप्त एवं जमा किये जा सकते है।

उन्होंने बताया कि योजना न्यू ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, चम्बल रिवर फ्रन्ट के समीप स्थित है। उक्त योजना में सीवरेज लाईन, पार्क, पेयजल, निर्मित सड़क आदि मूलभूत सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के लिए पीएनबी द्वारा प्रचार वाहन रवाना किया गया है। इस अवसर पर वित्त डॉ. नीतू सिंह, पंजाब नेशनल बैंक स्टाफ एवं प्राधिकरण के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्ति पर समारोह आयोजित

भवानीमंडी, (निसं)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सुनेल के प्रधानाचार्य डॉ. श्यामलाल वर्मा की सेवाीनिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया। समारोह की अध्यक्षता रामकंबर नागर प्रधानाचार्या रा उ.मा.वि. कचहरी चौक सुनेल ने की।

समारोह में बालमुकुन्द मेघवाल जिला उपाध्यक्ष राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ झालावाड़ एवं भागीरथ वर्मा सेवा निवृत्त व.अ. भी उपस्थिति थे।

कार्यालय नगर निगम, कोटा-उत्तर

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, कोटा
email : nnkota@gmail.com, websites : www.kotamc.org, Ph.: 0744-501903

क्रमांकः ननिको(उ)/निर्माण/2025/4258-71 दिनांकः 17.07.2025

-:निविदा संशोधन सूचना:-

नगर निगम कोटा उत्तर द्वारा जारी ई-निविदा सूचना संख्या 09/2025-26 निविदा क्रमांक 4078-91 दिनांक 04.07.2025 एवं निविदा संख्या 10/2025-26 निविदा क्रमांक 4188-4201 दिनांक 15.07.2025 में श्रीमान् आयुक्त महोदय कार्यालय आदेश क्रमांक 9214-28 दिनांक 16.07.2025 के अनुसार जारी निविदाओं में धरोहर राशि/प्रोसेसिंग फीस/निविदा शुल्क ऑनलाईन एवं जरिये डी.डी. जमा करवाई जा सकती है।

शेष यथावत रहेगीं।

अधीक्षण अभियन्ता
नगर निगम, कोटा-उत्तर

राज.संवाद/सी/25/6449

कारगिल दिवस पर दौड़ 26 जुलाई को

■ कारगिल विजय दिवस और ऑपरेशन सिंदूर की जीत का जश्न मनाया जायेगा

कोटा, (निसं)। कारगिल युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर की जीत का जश्न मनाने के लिए कारगिल विजय दिवस पर 26 जुलाई को श्रीनाथपुरम स्टेडियम में दौड़ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कोटा सहित अन्य जगह के कई धावक हिस्सा ले रहे हैं। इस अनोखी दौड़ को लेकर कोटा शहरवासियों में काफी उत्साह हैं।

एलन कारगिर विक्ट्री रन 2025 का आयोजन 26 एवं 27 जुलाई को किया जा रहा है। रोटरी क्लब कोटा सेंट्रल के अध्यक्ष सीए विपुल अग्रवाल ने बताया कि यह रन 26 जुलाई शाम 5 बजे से 27 जुलाई सुबह 10 बजे तक होगी जिसमें 527 धावक शामिल होंगे और प्रत्येक धावक 3.8 किलोमीटर की दौड़ को पूरा करेगा।

सचिव नवजोत भसीन ने बताया कि देश के वीर सपूतों को इस दौड़ के माध्यम से सच्ची श्रद्धांजलि दी जाएगी वहीं सेना के पराक्रम पर सभी गौरांवित हो सकेंगे। इस आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही है। पहले आओ पहले पाओ के आधार पर सीमित सीटें हैं, जिनका रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है।

प्रतिभागी को आवंटित समय पर अपनी रन बटालियन के साथ दौड़ना होगा, एक ग्रुप में 22 सदस्य एक बार में दौड़ेंगे और उसके बाद दूसरा ग्रुप दौड़ेगा, एक ग्रुप करीब 35 मिनट में 3.8 किलोमीटर दौड़ेगा और इस तरह 14 घंटे में 1999 किलोमीटर की दौड़ पूरी होगी। इस दौड़ के माध्यम से एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाएगा। 527 धावक इस दौड़ के माध्यम से कारगिल व ऑपरेशन सिंदूर युद्ध शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे।

इस दौड़ के लिए 14 घंटे का समय निर्धारित किया गया। इस आयोजन में धावक ही नहीं जो भी शामिल होना चाहता है वह भी भाग ले सकते हैं, एशिया बुक ऑफ रिकॉड्र्स से टी-शर्ट, मेडल और प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते है। एक भाग्यशाही एक स्पोर्ट्स साइकिल जीत सकता है। इस आयोजन में शहर की कई संस्थाएं भी शामिल हैं। कारगिल में शहीद हुए 527 शहीदों को यह दौड़ समर्पित की जा रही है।

5 साल के बच्चे से लेकर महिला, पुरुष व ट्रांसजेंडर भी दौड़ेंगे:- राहुल सेठी ने बताया कि इस दौड़ में पांच साल का बच्चा भी दौड़ेगा साथ ही महिलाएं, पुरुष के साथ ही दो ट्रांसजेंडर का भी रजिस्ट्रेशन हुआ है। वहीं एक बच्चा कश्मीर पुलवामा से भी आ रहा है जो लगातार 14 घंटे तक दौड़ेगा। इस अवसर पर रो.नितिन सैनी, रो. राहुल सेठी, रो. विपुल अग्रवाल, प्रेसिडेंट रोटरी क्लब कोटा सेंट्रल, रोटरी डीजी प्रज्ञा मेहता, सुरेंद्र अग्रवाल रो. शक्ति सिंह रो.रोहित सुखवानी, नवजोत भसीन, सेक्रेटरी, उपहार प्रयोजक छाबड़िया साईकिल से हेमंत छाबड़िया सहित कई लोगों की इस सफल आयोजन में मुख्य भूमिका रहेगी।

आयोजन से प्राप्त लाभ का उपयोग समाज में सामाजिक सरोकार के कार्यो के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर सदस्य कपिल टुटेजा, तरूण गंभीर, सुखविंदर जग्गी, अनुपम जैन, प्रिया अरोड़ा, रजनीत कौर, सुनीता काबरा, पवनीत सिंह, यादवेंद्र सिंह, रजनीश, मृगेश गुप्ता, राहुल जैन सहित कई लोग उपस्थित रहे।

प्रचार वाहन को रवाना किया

कोटा, (निसं)। कोटा विकास प्राधिकरण एवं पंजाब नैशनल बैंक के संयुक्त प्रयास से नंदगाँव आवासीय एवं व्यावसायिक योजना के अंतर्गत आमजन को किफायती आवास योजनाओं की जानकारी देने आवास ऋण उपलब्ध कराने हेतु एक विशेष प्रचार वाहन शुक्रवार को आज हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह वाहन कोटा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों को आवास ऋण योजनाओं की जानकारी देगा। इस अवसर पर कोटा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह शेखावत, आयुक्त हरफूल सिंह यादव, वित्त निदेशक नीतू सिंह एवं पंजाब नैशनल बैंक के मंडल प्रमुख आशुतोष दुबे, सेनपाल मीना, मुख्य प्रबंधक महेश मीना, मार्केटिंग हेड संदीप, मुख्य प्रबंधक सी पी मीना, विनोद सैनी, परमानंद गोयल, राजस्व सलाहकार मोहर सिंह सहित कोटा शहर के सभी शाखा प्रबंधक एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कोटा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह शेवावत ने बताया कि शहर में आवास की आवश्यकता को देखते हुए यह अभियान नागरिकों को अधिक से अधिक लाभान्वित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक-346 नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना दिनांक 18.7.2025

नगर विकास न्यास कोटा की विनोबा भावे नगर निर्धन को आंगन योजना के भूखण्ड/आवास संख्या 1676 का आवंटन/हस्तान्तरण/रजि. न्यास के पत्र दिनांक 24.04.2010 को श्री बालकिशन पुत्र श्री बाबू लाल जी को किया गया था। आवंटी श्री चेतराज की मृत्यु दिनांक 09.11.2024 को हो चुकी है। मृत्यु उपरान्त आवंटी के विधिक वारिसान हकदार द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजो में मृत्यु प्रमाण पत्र, रिलीज डीड, वारिसान शपथ पत्र, शपथ पत्र, आई.डी. इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड/आवास अपने नामहस्तान्तरण करने की स्वीकृति नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अतः प्राप्त विधिक राय अनुसार जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 1676 विनोबा भावे नगर निर्धन को आंगन योजना का नाम हस्तान्तरण श्री पवन कुमार पारेता पुत्र स्व.श्री बालकिशन पारेता के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-345 नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना दिनांक:-18.7.25

नगर विकास न्यास कोटा की विनोबा भावे नगर "निर्धन को आंगन" योजना के भूखंड/आवास संख्या 381 का आवंटन/हस्तान्तरण/रजि. न्यास के पत्र दिनांक 24.04.2010 को श्री पुण्डरीक बागला पुत्र श्री मथुरेश बागला को किया गया था। आवंटी द्वारा उक्त भूखंड/आवास का जर्ये मुख्तारआम श्री बबलू पारेता पुत्र श्री मोहनलाल पारेता द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 09.10.2024 को डेजी रानी वर्मा पुत्री श्री रामेश्वर दयाल शर्मा को विक्रय कर दिया गया है। क्रेता द्वारा उक्त भूखंड/आवास का अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 381 योजना विनोबा भावे नगर "निर्धन को आंगन" का नाम हस्तान्तरण डेजी रानी वर्मा पुत्री श्री रामेश्वर दयाल शर्मा के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

SIWAL G INFRA LLP

REG. OFFICE: H. NO. 227, ANANTPURA YOJNA MAHAVEER NAGAR, KOTA, RAJASTHAN-324005
PH. NO.: 8441947078; E MAIL: accounts@siwalginfra.com, LLPIN: ABC-9346

FORM NO. URC-2
कंपनी अधिनियम, 2013 के अध्याय XXI के भाग I के अंतर्गत पंजीकरण की सूचना देने वाला विज्ञापन
[कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 374(b) और कम्पनिस (औथोराइजड टू रजिस्टर) रूल्स, 2014 के नियम 4(1) के अनुसार]

1. नोटिस दिया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 366 की उप-धारा (2) के अनुसरण में, जयपुर स्थित रजिस्ट्रार को आज से पंद्रह दिन बाद परन्तु इसके बाद तीस दिन की अवधि समाप्त होने से पूर्व एक आवेदन प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है कि SIWAL G INFRA LLP, एक लिमिटेड लाइबिलिटी पार्टनरशिप (LLP), को कंपनी अधिनियम, 2013 के अध्याय XXI के भाग I के अंतर्गत शेयरों द्वारा सीमित कंपनी के रूप में पंजीकृत किया जाए।
2. कंपनी के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं: बिल्डर्स, रियल एस्टेट डेवलपर्स, ठेकेदारी, उप-ठेकेदारों, डीलर आदि का व्यवसाय चलाना, शहर और क्षेत्र स्तर पर शहरी बुनियादी ढाँचा को सुविधाएँ प्रदान करना, सभी प्रकार की निर्माण गतिविधियाँ संचालित करना और सलाहकार, सिविल ठेकेदार और इसी प्रकार की अन्य गतिविधियाँ करना।
3. प्रस्तावित कंपनी के ड्राफ्ट मेमोरेंडम और आर्टिकल ऑफ असोसिएशन की एक प्रति का निरीक्षण हाउस संख्या 227, अनंतपुरा योजना, महावीर नगर, कोटा, राजस्थान, भारत, 324005 स्थित कार्यालय में किया जा सकता है।
4. नोटिस दिया जाता है कि इस आवेदन पर आपत्ति करने वाला कोई भी व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से इक्कीस दिनों के भीतर सेन्ट्रल रजिस्ट्रेशन सेंटर (सीआरसी), इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ कोर्पोरेट अफेयर्स (आईआईसीए), प्लॉट संख्या 6,7,8, सेक्टर 5, आईएमटी मानेसर, जिला गुड़गांव (हरियाणा) पिन कोड- 122050 के रजिस्ट्रार को लिखित रूप में अपनी आपत्ति प्रेषित कर सकता है, जिसकी एक प्रति LLP को उसके पंजीकृत कार्यालय में भी भेजी जा सकती है।

डेसिगनेटेड पार्टनर्स के आदेशानुसार
SIWAL G INFRA LLP के लिए एवं उसकी ओर से

Sd/- राहुल सिवाल, डेसिगनेटेड पार्टनर, DPIN : 09782122
Sd/- राकेश सिवाल, डेसिगनेटेड पार्टनर, DPIN : 10026690

दिनांक : 19 जुलाई 2025
स्थान : कोटा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

CAD सर्किल के पास कोटा
फोन नं. 0744-2500539, वेबसाइटः-https://lsg.rajasthan.gov.in/uitkota/#/home/dptHome
Udhonline.rajasthan.gov.in (Helpline for online support-01412560211)

एफ 11/नीलामी/2025/8140 दिनांकः-17.07.2025

ई-ऑक्शन के माध्यम से भूखण्ड खरीदने का अवसर

प्राधिकरण कोटा में S.S.O. आईडी के माध्यम से भूखण्डों का ई-ऑक्शन प्रारम्भ किया जा रहा है। ई-ऑक्शन में भाग लेने के लिए S.S.O. आईडी के माध्यम से लॉगइन करना होगा। ई-ऑक्शन में भाग लेने हेतु पंजीयन शुल्क/ईएमडी ऑनलाईन जमा करवाना होगा। नीलामी की विस्तृत शर्तें कोटा विकास प्राधिकरण की वेबसाईट https://lsg.rajasthan.gov.in/uitkota/#/home/dptHome पर देखी जा सकती है। ई-नीलामी से क्रय किये गये भूखण्ड की 15 प्रतिशत राशि नीलामी तिथी को सम्मिलित करते हुए 3 कार्य दिवसों में जमा होने व नही होने की समस्त जिम्मेदारी स्वयं क्रेता की ही होगी।

नोटः 1. सभी नीलामी कार्यक्रम प्रारम्भ होने का समय प्रातः 10:00 बजे एवं समाप्ति समय प्रातः 11:00 बजे रहेगा।

-: दैनिक नीलामी कार्यक्रम का विवरण:-

क्र सं	योजना का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड की साईज	आरक्षित दर (नगरीय कर की गणना हेतु) प्र.व.मी.	प्रारम्भिक दर प्र.व.फी./प्र.व.मी.	धरोहर राशि (EMD)	सम्बन्धित कनि. अभियन्ता एवं सहायक अभियंता का मोबाईल नम्बर
1	2	3	4	6	7	8	9
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 25.07.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 29.07.2025							
1.	मुकुन्दरा विहार विस्तार आवासीय योजना	338	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	2600/— प्र.व.फी.	141000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
2.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	261	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	3500/— प्र.व.फी.	190000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
3.	बालाजी मार्केट व्यावसायिक योजना	बी-525	7.5×10.50=78.75व.मी. =847.35 व.फी.	18000/— प्र.व.मी.	6000/— प्र.व.फी.	102000/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 28.07.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 30.07.2025							
4.	मुकुन्दरा विहार विस्तार आवासीय योजना	339	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	2600/— प्र.व.फी.	141000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
5.	शिवाजी पार्क के पास कार बाजार के बाहर डीसीएम रोड़ पर स्थित व्यावसायिक भूखण्ड	सी-11	7.5×18.60=139.50 व.मी. =1501.02 व.फी.	6000/— प्र.व.मी.	5000/— प्र.व.फी.	151000/—	श्री विनोद मण्डावत 7597166233 श्रीएल0सी0मटोरिया 7976143540
6.	बालाजी मार्केट व्यावसायिक योजना	बी-526	7.5×10.50=78.75व.मी. =847.35 व.फी.	18000/— प्र.व.मी.	6000/— प्र.व.फी.	102000/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 29.07.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 31.07.2025							
7.	मुकुन्दरा विहार विस्तार आवासीय योजना	341	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	2600/— प्र.व.फी.	141000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
8.	शिवाजी पार्क के पास कार बाजार के बाहर डीसीएम रोड़ पर स्थित व्यावसायिक भूखण्ड	सी-10	7.5×18.60=139.50 व.मी. =1501.02 व.फी.	6000/— प्र.व.मी.	5000/— प्र.व.फी.	151000/—	श्री विनोद मण्डावत 7597166233 श्रीएल0सी0मटोरिया 7976143540
9.	बालाजी मार्केट व्यावसायिक योजना	बी-527	7.5×10.50=78.75 व.मी. =847.35 व.फी.	18000/— प्र.व.मी.	6000/— प्र.व.फी.	102000/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 30.07.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 01.08.2025							
10.	मुकुन्दरा विहार विस्तार आवासीय योजना	337 कॉर्नर	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	2860/— प्र.व.फी.	155500/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
11.	शिवाजी पार्क के पास कार बाजार के बाहर डीसीएम रोड़ पर स्थित व्यावसायिक भूखण्ड	सी-09	7.5×18.60=139.50 व.मी. =1501.02 व.फी.	6000/— प्र.व.मी.	5000/— प्र.व.फी.	151000/—	श्री विनोद मण्डावत 7597166233 श्रीएल0सी0मटोरिया 7976143540
12.	श्रीनाथपुरम-ई आवासीय योजना	133 कॉर्नर	14.70+14.50/2×21 =306.60 व.मी. =3299.01 व.फी.	14000/— प्र.व.मी.	5280/— प्र.व.फी.	349000/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 31.07.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 04.08.2025							
13.	मुकुन्दरा विहार विस्तार आवासीय योजना	501	4.5×9=40.5 व.मी. =435.78 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	2600/— प्र.व.फी.	23000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
14.	शिवाजी पार्क के पास कार बाजार के बाहर डीसीएम रोड़ पर स्थित व्यावसायिक भूखण्ड	सी-08	7.5×18.60=139.50 व.मी. =1501.02 व.फी.	6000/— प्र.व.मी.	5000/— प्र.व.फी.	151000/—	श्री विनोद मण्डावत 7597166233 श्रीएल0सी0मटोरिया 7976143540
15.	श्रीनाथसेवा परिसर निर्मित व्यावसायिक दूकान	53	3×3=9 व.मी. =96.84 व.फी.	20000/— प्र.व.मी.	23500/— प्र.व.फी.	46000/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 01.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 05.08.2025							
16.	मुकुन्दरा विहार विस्तार आवासीय योजना	502	4.5×9=40.5 व.मी. =435.78 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	2600/— प्र.व.फी.	23000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
17.	शिवाजी पार्क के पास कार बाजार के बाहर डीसीएम रोड़ पर स्थित व्यावसायिक भूखण्ड	सी-06	7.5×18.60=139.50 व.मी. =1501.02 व.फी.	6000/— प्र.व.मी.	5000/— प्र.व.फी.	151000/—	श्री विनोद मण्डावत 7597166233 श्रीएल0सी0मटोरिया 7976143540
18.	स्टोनमण्डी अनंतपुरा आवासीय योजना	स्पे-97	29'+47'.3"/2×45'.3' =1725.15 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	4500/— प्र.व.फी.	156000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 04.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 06.08.2025							
19.	मुकुन्दरा विहार विस्तार आवासीय योजना	503	4.5×9=40.5 व.मी. =435.78 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	2600/— प्र.व.फी.	23000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
20.	शिवाजी पार्क के पास कार बाजार के बाहर डीसीएम रोड़ पर स्थित व्यावसायिक भूखण्ड	सी-04	7.5×18.60=139.50 व.मी. =1501.02 व.फी.	6000/— प्र.व.मी.	5000/— प्र.व.फी.	151000/—	श्री विनोद मण्डावत 7597166233 श्रीएल0सी0मटोरिया 7976143540
21.	राजीव गांधी नगर मधुश्री होटल के पास व्यावसायिक भूखण्ड	08	3×4.5=13.5 व.मी. =145.26 व.फी.	15000/— प्र.व.मी.	16050/— प्र.व.फी.	47000/—	श्री सतीश तोमर 8619367564
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 05.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 07.08.2025							
22.	मुकुन्दरा विहार आवासीय योजना	29-सी कॉर्नर	29×57.30=1661.70 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	3630/— प्र.व.फी.	121000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
23.	शिवाजी पार्क के पास कार बाजार के बाहर डीसीएम रोड़ पर स्थित व्यावसायिक भूखण्ड	सी-03	7.5×18.60=139.50 व.मी. =1501.02 व.फी.	6000/— प्र.व.मी.	5000/— प्र.व.फी.	151000/—	श्री विनोद मण्डावत 7597166233 श्रीएल0सी0मटोरिया 7976143540
24.	गणेश नगर आवासीय योजना मुख्य सड़क के पीछे	243	7.5×15=112.50 व.मी. =1210.50 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	5500/— प्र.व.फी.	133500/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 06.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 08.08.2025							
25.	मुकुन्दरा विहार आवासीय योजना	78-सी कॉर्नर	9×18=162 व.मी. =1743.12 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	3630/— प्र.व.फी.	127000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
26.	शिवाजी पार्क के पास कार बाजार के बाहर डीसीएम रोड़ पर स्थित व्यावसायिक भूखण्ड	सी-01	7.5×18.60=139.50 व.मी. =1501.02 व.फी.	6000/— प्र.व.मी.	5000/— प्र.व.फी.	151000/—	श्री विनोद मण्डावत 7597166233 श्रीएल0सी0मटोरिया 7976143540
27.	विनोबा भावे नगर आवासीय योजना	707 कॉर्नर	8.10×9=72.9 व.मी. =784.40 व.फी.	7500/— प्र.व.मी.	5170/— प्र.व.फी.	81500/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 07.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 11.08.2025							
28.	मुकुन्दरा विहार आवासीय योजना	97-सी कॉर्नर	9×18=162 व.मी. =1743.12 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	3630/— प्र.व.फी.	127000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
29.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	166 कॉर्नर	10.5×21=220.5 व.मी. =2372.58 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	6160/— प्र.व.फी.	293000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
30.	विनोबा भावे नगर आवासीय योजना	1527 कॉर्नर	6.90×9=62.10 व.मी. =668.19 व.फी.	7500/— प्र.व.मी.	4620/— प्र.व.फी.	62000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 08.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 12.08.2025							
31.	मुकुन्दरा विहार आवासीय योजना	98-सी कॉर्नर	9×18=162 व.मी. =1743.12 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	3630/— प्र.व.फी.	127000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
32.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	173	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	5600/— प्र.व.फी.	304000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
33.	विनोबा भावे नगर आवासीय योजना	1565 कॉर्नर	7.5×9=67.5 व.मी. =726.3 व.फी.	7500/— प्र.व.मी.	4400/— प्र.व.फी.	64000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
34.	मुकुन्दरा विहार आवासीय योजना	117-सी कॉर्नर	9×18=162 व.मी. =1743.12 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	3630/— प्र.व.फी.	127000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
35.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	165 कॉर्नर	10.5×21=220.5 व.मी. =2372.58 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	6160/— प्र.व.फी.	293000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
36.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	3	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	3500/— प्र.व.फी.	190000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 12.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 14.08.2025							
37.	मुकुन्दरा विहार आवासीय योजना	123	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	3300/— प्र.व.फी.	80000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
38.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	49	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	5600/— प्र.व.फी.	136000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
39.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	2	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	3500/— प्र.व.फी.	190000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 13.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 18.08.2025							
40.	मुकुन्दरा विहार आवासीय योजना	127	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	3300/— प्र.व.फी.	80000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
41.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	233	4.5×9=40.5 व.मी. =435.78 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	5600/— प्र.व.फी.	49000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
42.	ट्रांसपोर्ट नगर विस्तार व्यावसायिक योजना	101 कॉर्नर	10×15=150 व.फी.	15000/— प्र.व.मी.	11000/— प्र.व.फी.	33000/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 14.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 19.08.2025							
43.	मुकुन्दरा विहार आवासीय योजना	129	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	3300/— प्र.व.फी.	80000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
44.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	220	11.2+7.5/2×21 =196.35 व.मी. =2112.72 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	5600/— प्र.व.फी.	237000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
45.	ट्रांसपोर्ट नगर विस्तार व्यावसायिक योजना	105	10×15=150 व.फी.	15000/— प्र.व.मी.	10000/— प्र.व.फी.	30000/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 18.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 20.08.2025							
46.	मुकुन्दरा विहार आवासीय योजना	130	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	3300/— प्र.व.फी.	80000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
47.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	20	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	5600/— प्र.व.फी.	136000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
48.	ट्रांसपोर्ट नगर विस्तार व्यावसायिक योजना	106	10×15=150 व.फी.	15000/— प्र.व.मी.	10000/— प्र.व.फी.	30000/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 19.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 21.08.2025							
49.	मुकुन्दरा विहार आवासीय योजना	246 कॉर्नर	6×12=72 व.मी. =774.72 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	3630/— प्र.व.फी.	56500/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
50.	कर्णेश्वर व्यावसायिक योजना	52	2.28×3=6.84 व.मी. =73.60 व.फी.	8000/— प्र.व.मी.	8800/— प्र.व.फी.	13000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
51.	स्केप एंड टिम्बर फर्नीचर मार्केटव्यावसायिक योजना	111 कॉर्नर	12×20=240 व.फी.	18000/— प्र.व.मी.	4400/— प्र.व.फी.	21500/—	श्री अमित मीणा 9351344506
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 20.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 22.08.2025							
52.	मुकुन्दरा विहार आवासीय योजना	276 कॉर्नर	6×12=72 व.मी. =774.72 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	3630/— प्र.व.फी.	56500/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
53.	कर्णेश्वर व्यावसायिक योजना	56	2.28×3=6.84 व.मी. =73.60 व.फी.	8000/— प्र.व.मी.	8800/— प्र.व.फी.	13000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
54.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	7	19×21=399 व.मी. =4293.24 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	3500/— प्र.व.फी.	301000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 21.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 25.08.2025							
55.	मुकुन्दरा विहार व्यावसायिक योजना	9	30×28=840 व.मी.	12000/— प्र.व.मी.	35500/— प्र.व.फी.	596500/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
56.	कर्णेश्वर व्यावसायिक योजना	53	2.28×3=6.84 व.मी. =73.60 व.फी.	8000/— प्र.व.मी.	8800/— प्र.व.फी.	13000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
57.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	66 कॉर्नर	9×19.50=175.5 व.मी. =1888.38 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	3850/— प्र.व.फी.	145500/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 22.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 26.08.2025							
58.	मुकुन्दरा विहार व्यावसायिक योजना	10	30×28=840 व.मी.	12000/— प्र.व.मी.	20000/— प्र.व.फी.	336000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
59.	कर्णेश्वर व्यावसायिक योजना	01 कॉर्नर	2.4×3=7.2 व.मी. =77.47 व.फी.	8000/— प्र.व.मी.	9700/— प्र.व.फी.	15500/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
60.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	12	10.5×21=220.5 व.मी. =2372.58 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	3500/— प्र.व.फी.	166500/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 25.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 27.08.2025							
61.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	6	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	3500/— प्र.व.फी.	190000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
62.	ट्रांसपोर्ट नगर विस्तार व्यावसायिक योजना	122 कॉर्नर	10×15=150 व.फी.	15000/— प्र.व.मी.	11000/— प्र.व.फी.	33000/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
63.	विवेकानंद नगर आवासीय योजना	167	9×19.5=175.5 व.मी. =1888.38 व.फी.	7500/— प्र.व.मी.	4700/— प्र.व.फी.	178000/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 26.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 28.08.2025							
64.	मुकुन्दरा विहार विस्तार आवासीय योजना	157	6×12=72 व.मी. =774.72 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	2600/— प्र.व.फी.	41000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
65.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	120 कॉर्नर	9×19.50=175.5 व.मी. =1888.38 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	3850/— प्र.व.फी.	146000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
66.	विश्वकर्मा नगर स्पेशल व्यावसायिक योजना	226-ए	14×15=210 व.फी.	15000/— प्र.व.मी.	8000/— प्र.व.फी.	34000/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 27.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 29.08.2025							
67.	मुकुन्दरा विहार विस्तार आवासीय योजना	158	6×12=72 व.मी. =774.72 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	2600/— प्र.व.फी.	41000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
68.	श्रीरामकृष्णपुरम, श्रीनाथपुरम आवासीय योजना	124 कॉर्नर	9.60×12= 115.20 व.मी. =1239.55 व.फी.	8000/— प्र.व.मी.	6050/— प्र.व.फी.	150000/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
69.	विश्वकर्मा नगर ऑटोमोबाईल नगर व्यावसायिक योजना	91	20×40=800 व.फी.	15000/— प्र.व.मी.	8000/— प्र.व.फी.	128000/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 28.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 01.09.2025							
70.	मुकुन्दरा विहार विस्तार आवासीय योजना	159	6×12=72 व.मी. =774.72 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	2600/— प्र.व.फी.	41000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
71.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	170 कॉर्नर	9×19.50=175.5 व.मी. =1888.38 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	3850/— प्र.व.फी.	146000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
72.	विश्वकर्मा नगर व्यावसायिक योजना	41 कॉर्नर	3×3=9 व.मी. =96.84 व.फी.	15000/— प्र.व.मी.	8800/— प्र.व.फी.	17500/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 29.08.2025 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 03.09.2025							
73.	मुकुन्दरा विहार विस्तार आवासीय योजना	162	6×12=72 व.मी. =774.72 व.फी.	12000/— प्र.व.मी.	2600/— प्र.व.फी.	41000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
74.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	260	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	10000/— प्र.व.मी.	3500/— प्र.व.फी.	190000/—	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमति नीलम व्यास 9587250588
75.	ट्रांसपोर्ट नगर विस्तार व्यावसायिक योजना	121 कॉर्नर	10×15=150 व.फी.	15000/— प्र.व.मी.	11000/— प्र.व.फी.	33000/—	श्री अनुराग शर्मा 9166880055 श्री नितिन नागर 9251030303

1 All E-auctionwill be strated at 10:00 AM and closed at 11:00 AM on mentioned date in programme.
2 KDA Kota Not Responsible for any networking problems.
3 Note:- Rajeev Gandhi Nagar Special Awasiya Yojana Rera No RAJ/P/2019/1151, Website:http://rera.rajasthan.gov.in
4 For further detail please log on https://lsg.rajasthan.gov.in/uitkota/#/home/dptHome ,Udhonline.rajasthan.gov.in (Helpline foronline support 01412560211)

सचिव, कोटा विकास प्राधिकरण

बुजुर्ग महिला की हत्या का खुलासा, नौ आरोपी गिरफ्तार

चोरी और लूट की नीयत से घर में घुसे बदमाशों ने महिला की गला दबाकर हत्या कर दी थी

मेड़ता सिटी, (निसं)। मेड़ता समीपवर्ती ग्राम कुरडाया गांव में हुई बुजुर्ग महिला की हत्या के मामले में नागौर पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। मामले में पुलिस ने नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरी और लूट की नीयत से घर में घुसे बदमाशों ने महिला के जागने पर उसका गला दबाकर हत्या कर दी थी। नागौर पुलिस अधीक्षक नारायण टोंगस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस हत्याकांड का खुलासा किया।

ग्राम कुरडाया में हुई बुजुर्ग महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- बुजुर्ग महिला ब्याज का काम करती थी और गांव में यह चर्चा थी कि उसके पास बड़ी राशि रखी हुई है

एसपी ने बताया कि इस मामले में मेड़ता सिटी डीएसटी और मेड़ता थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और पहले भी अपराधिक मामलों में लिप्त रह चुके हैं। नागौर एसपी ने बताया तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और लोकल इंटेलिजेंस के आधार पर इन आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया कि बुजुर्ग महिला ब्याज का काम करती थी और गांव में यह चर्चा थी कि उसके पास बड़ी राशि रखी हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए गांव के कुछ युवकों ने जोधपुर से अपराधियों को बुलाकर चोरी और लूट की योजना बनाई। वारदात वाली रात बदमाशों ने योजना के अनुसार घर में घुसकर महिला से पैसे लूटने की कोशिश की, लेकिन महिला के जागने पर आरोपियों ने बुजुर्ग महिला का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

नागौर पुलिस अधीक्षक ने इस सफल खुलासे के लिए मेड़ता डीएसटी और थाना पुलिस टीम की सराहना की है और कहा कि इस केस में आगे की पूछताछ के बाद और भी महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। डीएसटी और मेड़ता पुलिस को बड़ी सफलता मिलने पर मेड़ता नागरिकों द्वारा नागौर पुलिस अधीक्षक नारायण राम टांगेस, मेड़ता वृताधिकारी रामकरण मलिंडा, मेड़ता थानाधिकारी धर्मेश दायमा के साथ महेंद्र, अनीश, अशोक, नरेश, कालू राम, कमल, नरसी राम किलक सहित पुलिस के सिपाहियों और अधिकारियों का माला पहनाकर अभिनंदन किया।

डोडा-पोस्त केस में तीन को कठोर कारावास

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र के बहुचर्चित डोडा-पोस्त तस्करी प्रकरण में न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाते हुए तीन आरोपियों को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास एवं एक-एक लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। यह कार्रवाई वर्ष 2016 में झड़वासा गांव के पास हाइवे पर की गई नाकाबंदी के दौरान पकड़े गए बड़े मादक पदार्थ के जखीरे के संबंध में हुई।

- चौथे आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए न्यायालय ने बरी किया

प्रकरण के अनुसार, प्रशिक्षु आईपीएस तेजस्विनी गौतम ने सदर थाना पुलिस टीम के साथ नाकाबंदी के दौरान एक कार और ट्रक को रुकवाकर तलाशी ली थी। तलाशी के दौरान दोनों वाहनों से कुल 904 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया गया था। मौके से हरियाणा निवासी भजनलाल, सुखविंदर और जितेंद्र को गिरफ्तार किया गया था। मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में चालान पेश किया। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 21 गवाहों और 41 दस्तावेजों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अपर लोक अभियोजक महेंद्र चौधरी द्वारा प्रस्तुत सशक्त तर्कों से सहमत होते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवीन मीणा ने तीनों आरोपियों भजनलाल, सुखविंदर और जितेंद्र को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास तथा एक-एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। वहीं, चौथे आरोपी लाल सिंह को संदेह का लाभ देते हुए न्यायालय ने दोषमुक्त कर बरी कर दिया। यह निर्णय मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध सख्त कानूनी रुख का उदाहरण है और क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संदेश भी देता है कि ऐसे अपराधों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्य सूची जारी

अजमेर, (कासं)। आयोग द्वारा पुस्तकालय अध्यक्ष ग्रेड- द्वितीय (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन उपरांत मुख्य सूची जारी कर दी है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षांतर्गत 8 अप्रेल को जारी विचारित सूची में अस्थाई रूप से सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्य किया गया।

एम्स अस्पताल में बच्चे के परिजन ने डॉक्टर को थप्पड़ जड़ा

आरोपी के खिलाफ केस दर्ज, पुलिस ने गिरफ्तार किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के एम्स चिकित्सालय में कार्यरत जूनियर रेजीडेंट के साथ हाथपाई और मारपीट किए जाने का प्रकरण सामने आया है। आरोपी डॉक्टर से उलझा और मारपीट करने के साथ जूनियर रेजीडेंट को थप्पड़ जड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मरीज के परिजन को शांतिभंग में गिरफ्तार किए जाने के साथ उसके खिलाफ राजकार्य में बाधा उत्पन्न किए जाने का प्रकरण दर्ज किया है।

बासनी थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि नागौर जिले के कुचेरा स्थित करमसोत का रहने वाला धनराज पुत्र चंपालाल अपने बच्चे के इलाज के लिए एम्स चिकित्सालय आया था। 16 जुलाई की रात में वह एक्स-रे की लाइन में खड़ा था और काफी देर तक नंबर नहीं आने पर वह बीच में घुसने का प्रयास करने लगा था, साथ ही वहां ड्यूटी पर कार्यरत जूनियर रेजीडेंट डॉक्टर निखिल से उलझने लगा और मारपीट पर उतारू हो गया। जूनियर रेजीडेंट का आरोप है कि मरीज के परिजन ने उसे थप्पड़ जड़ दिया। थानाधिकरी दवे ने बताया कि आरोपी के खिलाफ जूनियर रेजीडेंट डॉक्टर निखिल ने राजकार्य में बाधा डालने की रिपोर्ट दी है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच एएसआइ धन्नाराम की तरफ से की जा रही है।

आर.ए.एस. भर्ती-2023 के साक्षात्कार का सातवां चरण चार से

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा शुक्रवार को राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं भर्ती-2023 साक्षात्कार के सातवें चरण एवं सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) भर्ती, 2023 के अंतर्गत गणित विषय के द्वितीय चरण का साक्षात्कार कार्यक्रम जारी किया गया है।

आयोग सचिव ने बताया कि राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं भर्ती, 2023 के तहत सातवें चरण के साक्षात्कार का आयोजन 4 से 21 अगस्त 2025 तक निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया जाएगा। इस भर्ती हेतु साक्षात्कार में उपस्थित होने वाले समस्त अभ्यर्थी ऑनलाइन भरे गए विस्तृत आवेदन-पत्र डाउनलोड कर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियों सहित आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें।

सहायक आचार्य गणित के साक्षात्कार का द्वितीय चरण- सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) परीक्षा-2023 के अन्तर्गत गणित विषय के पदों हेतु द्वितीय चरण के साक्षात्कार का आयोजन भी 4 से 21 अगस्त 2025 तक किया जाएगा। ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग को प्रस्तुत नहीं किए हैं, वे अभ्यर्थी विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग वेबसाइट से डाउनलोड कर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियों सहित आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें। उक्त भर्तियों के तहत संबंधित अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे। साक्षात्कार के समय अभ्यर्थी स्वयं का नवीनतम पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो, नवीनतम स्पष्ट फोटो युक्त मूल पहचान पत्र एवं समस्त मूल प्रमाण-पत्र मय फोटो प्रति के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

नाबालिग बेटी से दुष्कर्म मामले में पिता गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक पिता द्वारा अपनी ही नाबालिग बेटी का शारीरिक शोषण का मामला सामने आया है। पीड़ित किशोरी की मां की ओर से पंजाब के एक शहर में पुलिस को दिए गए परिवाद पर दर्ज जीरो नंबरी एफआईआर थाने पहुंची तो मामले का खुलासा हुआ।

- पीड़ित किशोरी की मां की ओर से पंजाब के एक शहर में पुलिस को दिए गए परिवाद पर दर्ज जीरो नंबरी एफआईआर थाने पहुंची तो मामले का खुलासा हुआ

सदर एसएचओ सुभाषचंद्र ने पीड़िता किशोरी के बयान, मेडिकल जांच और मजिस्ट्रेट बयानों के बाद आरोपी पिता को गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया। एसएचओ सुभाष चंद्र ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी आरोपी ने दो शादियां की हुई हैं। यह पीड़िता पहली पत्नी से जन्मी हुई है। पीड़िता के एक बड़ी बहन भी है जिसकी शादी की हुई है। पीड़िता की मां ने आरोपी को तलाक दे रखा है और पंजाब के एक शहर में रहती है। पीड़िता किशोरी 15 साल 10 माह की है। उसने बयानों में बताया कि 25-26 जून की रात को उसके पिता ने शराब के नशे में उसके साथ दुष्कर्म किया। उस रात घर में इनके अलावा कोई नहीं था। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने एफआईआर और बयानों में बताया कि रात को उसके पिता ने दूध में कोई नशा मिलाया हुआ था। दूध में कड़वाहट थी। दूध पीने के आधे से पौने घंटे बाद पीड़िता अचेत हो गई। सुबह उठने पर पता चला कि उसके साथ रात में गलत हुआ है। पिता ने धमकाया तो पीड़िता डर के मारे घबराकर चुप रह गई। अपनी बुआ को आपबीती बताई तो मामले का खुलासा हुआ।

पीड़िता की मां पंजाब से श्रीगंगानगर आई और अपनी बेटी को साथ लेकर अपने ससुराल चली गई। वहां पीड़िता को उसकी मां बाल कल्याण समिति के ऑफिस लेकर गई। समिति की महिला सदस्यों ने किशोरी से बातचीत कर जानकारी जुटाई। इसके बाद पंजाब के शहर के थाने में भेजकर मुकदमा दर्ज करवाया गया। पंजाब के थाने से जीरो नंबरी एफआईआर एसपी ऑफिस होते हुए थाने पहुंची। यहां तत्काल मुकदमा दर्ज किया गया। पीड़िता और उसकी मां को थाने बुलाकर पूछताछ कर बयान दर्ज किए गए। आरोपी पिता पर आरोप प्रमाणित पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया।

परीक्षा का कार्यक्रम जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने शुक्रवार को वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा, 2024 (माध्यमिक शिक्षा विभाग) का विषयवार विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षाएं 7 सितंबर से शुरू होकर 12 सितंबर 2025 तक चलेंगी। आयोग सचिव ने बताया कि परीक्षा के सुगम संचालन के दृष्टिगत 8 विषयों को 4 ग्रुपों में बांटा गया है। ग्रुप-ए में सामाजिक विज्ञान, ग्रुप-बी में हिंदी, गुप-सी में विज्ञान, संस्कृत एवं उर्दू तथा ग्रुप-डी के अन्तर्गत गणित, अंग्रेजी एवं पंजाबी विषयों की परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। ग्रुप-ए 7 सितंबर को प्रात: 10 से 12 बजे तक सामान्य ज्ञान तथा दोपहर 3 से 5.30 बजे तक सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा तो वहीं ग्रुप-बी 8 सितंबर 2025 को प्रात: 10 से 12 बजे तक सामान्य ज्ञान तथा दोपहर 3 से 5.30 बजे तक हिंदी विषय की परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार ग्रुप- सी 9 सितंबर को प्रात: 10 से 12 बजे तक सामान्य ज्ञान तथा दोपहर 3 से 5.30 बजे तक विज्ञान विषय की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। 10 सितंबर को प्रात: 10 से 12.30 बजे तक संस्कृत एवं 3 से 5.30 बजे तक उर्दू विषय की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा और इसी तरह ग्रुप डी, 11 सितंबर को सामान्य ज्ञान तथा गणित विषय की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

अजमेर में शुक्रवार को हुई मूसलाधार बरसात से बाढ़ जैसे हालात हो गए। बरसात से शहर की कई कॉलोनियां, सड़क मार्ग जलमग्न हो गये तो वहीं ख्वाजा साहब की दरगाह परिसर में पानी भर गया। तेज बरसात के बाद स्टेशन रोड पर पानी भर गया।

सीकर जिले में 94356 व्यक्तियों ने खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोड़ा

सीकर। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरन्तर वंचित वर्गों के उत्थान के लिये कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाये ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सके।

खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के संबंध में निर्धारित मापदण्ड: परिवार जिसमें कोई आयकर दाता हो, परिवार जिसका कोई सदस्य सरकारी, अद्धसरकारी, स्वायत्तशासी संस्थाओं में कर्मचारी हो, एक लाख रूपये से अधिक वार्षिक पारिवारिक आय हो एवं परिवार में किसी सदस्य के पास चार पहिया वाहन हो (ट्रेक्टर आदि जीवीकोपार्जन में प्रयुक्त वाहन को छोड़कर) निष्कासन सूची में शामिल है। जिला रसद अधिकारी सीकर विजेंद्र पाल ने बताया कि 1 नवम्बर 2024 से प्रारम्भ गिव अप अभियान में आज तक सीकर जिले में 94356 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोड़ा है।

छात्रा को सोशल मीडिया पर मैसेज भेजने पर सरकारी टीचर एपीओ

आसींद/भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद विधानसभा क्षेत्र में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मालासेरी में सरकारी शिक्षक द्वारा कक्षा दसवीं की छात्रा को वीडियो कॉल पर बात करने के मैसेज भेजे गए। लगातार सरकारी शिक्षक द्वारा परेशान करने पर पीड़ित छात्रा ने अभिभावकों को शिकायत की। शिक्षक की करतूत सुनकर छात्रा के परिजन स्कूल पहुंचे और प्रिंसिपल को शिकायत की। इस पर प्रिंसिपल ने गंभीरता दिखाते हुए तत्काल मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी आसींद को घटना से अवगत कराया। सीबीईओ ने इस मामले को गंभीर मानते हुए उच्च अधिकारियों से शिकायत की। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और प्रिंसिपल की शिकायत पर संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा अजमेर संभाग अजमेर अनिल कुमार शर्मा ने तत्काल प्रभाव से शिक्षक लखनलाल शर्मा को आदेशों की प्रतीक्षा में (एपीओ) करते हुए मुख्यालय जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक विद्यालय भीलवाड़ा कर दिया और इस संबंध में जांच प्रारंभ कर दी है।

शिक्षक लखनलाल शर्मा।

- मैसेज में लिखा कि प्लीज समझा करो एक बार वीडियो कॉल कर दो
- लगातार सरकारी शिक्षक द्वारा परेशान करने पर पीड़ित छात्रा ने अभिभावकों को शिकायत की

छात्रा ने बताया कि विद्यालय के शिक्षक लखनलाल शर्मा जो मूलत: चूरू जिले के निवासी हैं, के द्वारा व्हाट्सएप पर बात करने के मैसेज किए गए और लिखा कि एक बार प्लीज वीडियो कॉल करो तथा इंस्टाग्राम पर बात करने जैसे मैसेज किया जा रहे हैं। पीड़ित छात्रा ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विभाग की नींद खुली और आरोपी शिक्षक लखन लाल को जिला शिक्षा अधिकारी भीलवाड़ा ने एपीओ करने के आदेश जारी कर दिए।

जानकारी के अनुसार इससे पूर्व भी इसी पीईईओ क्षेत्र में अध्यापक कंवरलाल एवं कर्मचारी लीला द्वारा की गई अश्लील हरकतों की जांच करवाने के संदर्भ में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी भीलवाड़ा की जांच प्रक्रियाधीन है। क्षेत्र में हो रही राजकीय विद्यालयों में इस तरह की अश्लील गतिविधियों तथा घटनाओं के कारण क्षेत्र में रोष है तथा क्षेत्रवासियों ने शिक्षण मंदिर में हो रही इस तरह की घटनाओं पर प्रशासन से कार्रवाई करने का अपील की है।

बरसाती पानी में डूबने से दो बहनों की मौत

बीकानेर, (निसं)। कोलायत में बरसाती पानी में डूबने से दो बहनों की मौत हो गई। तीसरी बहन ने बचाने की कोशिश की, लेकिन बचा नहीं सकी। घटना देर रात की है। कोलायत हॉस्पिटल में शवों का पोस्टमॉर्टम हुआ।

एएसआई जय सिंह के अनुसार चक कन्या बंधा निवासी भंवरदान चारण की तीन बेटियां शाम को बरसात के बाद गांव के पास पानी में खेलते हुए नहा रही थी। खेलते-खेलते सरला (9) और अवनी (6) गहरे पानी में फिसल गई। गड्ढा इतना गहरा था कि दोनों डूबने लगी। तीसरी बहन ने बचाने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। उसी ने दौड़कर गांव वालों को सूचना दी। ग्रामीणों और परिजनों ने मौके पर पहुंचकर दोनों को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थी। घटना की सूचना पर तहसीलदार पूनम कंवर, जिला परिषद सदस्य मोहनदान चारण, मंडल सरपंच प्रतिनिधि शिव मेघवाल, छैलूदान, जेठूदान, लखनदान सहित कई लोग पहुंचे। मर्ग दर्ज होने के बाद मामले की जांच की जा रही है। हादसे की पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी को सूचना मिली तो उन्होंने पुलिस से बातचीत की। परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। विधायक अंशुमान सिंह भाटी और पूर्व प्रधान जयवीर सिंह भाटी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया। साथ ही प्रशासन से आवश्यक मदद व दिशा-निर्देश दिए है।

युवती से दुष्कर्म

खाजूवाला, (निसं)। एक चक में 16 साल की युवती से दुष्कर्म और उसका अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता और उसके पिता की तरफ से खाजूवाला थाना पुलिस को रिपोर्ट दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि खाजूवाला निवासी राहुल पूनिया ने युवती के परिजनों को जान से मारने की धमकी दी और उसके साथ दुष्कर्म किया। युवती का अश्लील वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर कई बार दुष्कर्म किया। 14 जुलाई की रात को युवती के घर पहुंचा। वह युवती के साथ जबरदस्ती कर ही रहा था कि तभी घर वालों की आंख खुली तो वह मौके से फरार हो गया। घरवालों ने पीछा किया, लेकिन वह अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला।

Municipal Board Of Bagru (Jaipur)
क्रमांक:- न.पा.ब./2024-25/411 दिनांक :- 18.07.2025
:: E- Notice Inviting Bid ::
Bid for Municipal Board Of Bagru For Works (01) Date 18.07.2025 invited form interested bidders Date 27.07.2025 Upto 6:00 AM Other particulars of the bid may be invited on the procurement portal, http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in of the state.
UBN CODE :- DLB2526WSOB11580
राज.संवाद/सी/24/6469 Executive officer

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN
File No. 1101-1109 Date: 08.07.2025
Notice Inviting Bid
Bid (E-NIT No. 03/2025-26) for "Road, Building Repair & Maintenance Work, Water Tank & Flood Restortion Work" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 21.07.2025 procurement portal (http://eproc.rajsthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 87.52 lacs.
NIB NO. PWD2526A1811
UBN NO. 1. PWD2526WSRC06468, 2. PWD2526WSRC06470, 3. PWD2526WSRC06471, 4. PWD2526WSRC06472, 5. PWD2526WSRC06473, 6. PWD2526WSRC06474, 7. PWD2526WSRC06475
(Lalit Kumar Meena) Executive Engineer PWD Division Hindaun
DIPR/C/9742/2025

कार्यालय नगर निगम जोधपुर- दक्षिण
पोलिटेक्निक कॉलेज परिसर के अन्दर, गौरव पथ, जोधपुर
फोन संख्या :-0291-2651491 हेल्पलाईन :- 0291-2651473 e-mail:ceo_nnj@rediffmail.com
क्रमाकः- सं./एफ-15/कार्य/2025/RL-15992 दिनांकः- 17.07.2025
ई- निविदा सूचना क्रमांक RL-15986 दिनाक 17.07.2025
UBN No. DLB2526WSOB11572
जोधपुर नगर निगम दक्षिण द्वारा इच्छुक कार्यो के अनुभवी/योग्यताधारी, डिजिटल विधुत लाईसेन्सधारी संवेदको, नगर निगम में पंजीकृत नियमानुसार E-EWSD श्रेणी संवेदको, अन्य विभाग में पंजीकृत E-EWSD-I ऑन-लाईन "ई" टेण्डर प्रकिया से निगम शर्तो के अधीन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा के कार्यो, योग्यता, शर्तो की समस्त जानकारी वेबसाईट पर www.eproc.raj.in अथवा www.sppp.raj.nic.in अथवा https://lsg.rajasthan.gov.in/MCJS पर देखी जा सकती है।
आयुक्त नगर निगम जोधपुर (दक्षिण)
राज.संवाद/सी/25/6450

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, वृत बीकानेर
Email ID-sephedbkn@gmail.com Contact No. 0151-2226454
क्रमांक-3841 दिनांक-09.07.2025
बोली सूचना संख्या 04/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु मोरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। इस कार्य का निविदा प्रपत्र वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 10.07.2025 को दोपहर 06.00 बजे से दिनांक 24.07.2025 को सायं 06.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किया जा सकता है तथा दिनांक 25.07.2025 को दोपहर 01.00 बजे उपस्थिति निविदादाता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष ऑनलाईन http://eproc.rajsthan.gov.in पर खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र में शुल्क, धरोहर राशि ई-चालान के रूप में निविदा प्रपत्र मे वर्णित पक्ष में देय हो, जमा करानी होगी। निविदा प्रपत्र विभागीय वेबसाईट "www.sppprajasthan.gov.in" एवं http:/eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। कार्य की राशि 122.54 लाख है। शर्त सहित निविदा मान्य नहीं होगी। डाक द्वारा प्रस्तुत निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
UBN NO. PHE2526WSOB04476
जल सीमित हैं, इसकी बचत करें।
(खेमचन्द सिंगारिया) अधीक्षण अभियंता जन स्वा. अभि विभाग वृत बीकानेर
DIPR/C/9822/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड, बाड़ी
पता-बाईपास किला बाडी-328021 फोन नं. 05647-274684 ई मेल- ee pwdbari@rediffmail.com
क्रमांक-02 दिनांक-10.07.2025
निविदा सूचना संख्या-01/2025-2026
(NIB-PWD2526A1865)
(UBN-PWD2526WSOR06669, PWD2526WSOR06670)
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से बाडी जिला धौलपुर में कुल 2 नं. पर सडक कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान मे पंजीकृत संवेदको, राज्य सरकार के अन्य विभागों मे पंजीकृत "एए", "ए", "बी", "सी" एवं "डी" श्रेणी संवेदको एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको, जो कि राजस्थान सरकार के "एए", "ए", "बी", "सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबधित विवरण वेबसाईट "www.eproc.dipronlineorg" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है।
(पूरन सिंह) अधिशाषी अभियन्ता सा नि वि खण्ड बाडी
DIPR/C/9820/2025

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, अजमेर
मृदंग सिनेमा के सामने, श्रीनगर रोड डिस्पेन्सरी के पास, पाल बीचला, अजमेर
दूरभाष नं. 0145-2424944, ई-मेल- eemhajmer@ymail.com
क्रमांक-ई.ई./अजमेर/25-26/486 दिनांक-11.07.2025
निविदा सूचना संख्या-13/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के राशि 508.60 लाख के आठ (8) कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.Org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता हैं।
UBN NO. 1. NRH2526WSOB00698, 2. NRH2526WSOB00699, 3. NRH2526WSOB00700, 4. NRH2526WSOB00701, 5. NRH2526WSOB00702, 6. NRH2526WSOB00703, 7. NRH2526WSOB00704, 8. NRH2526WSOB00705
अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, अजमेर
DIPR/C/9895/2025

कार्यालय नगरपालिका रामगढ-शेखावाटी जिला सीकर (राज.)
बाईपास न्यू बस स्टेण्ड रोड, Ph-1571240246 ramgarh.jaipur@gmail.com
क्रमांकः- न.पा.रा./25-26/2245 दिनांक : - 17.07.2025
निविदा सूचना 08/2024-25
नगरपालिका रामगढ शेखावाटी द्वारा सक्षम श्रेणी मे पंजिकृत संवेदको से मोहर बन्द निविदाये (ई-प्रोक्यूरमेन्ट) ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है। टेण्डर ऑनलाईन http://eproc.rajasthan.gov.in पर प्राप्त किये जाकर ऑन लाईन ही जमा कराने होगें। निविदा सम्बन्धित सम्पूर्ण विवरण राज्य लोक उपापन पोर्टल (http://sppp.raj.nic.in), http://eproc.rajasthan.gov.in पर NIB Code DLB2526A3619 Bid Title / (UBN) DLB2526WSOB11473, DLB2526WSOB11474, DLB2526WSOB11475, DLB2526WSOB11476, DLB2526WSOB11478, DLB2526WSOB11481, DLB2526WSOB11485, DLB2526WSOB11488, DLB2526WSOB11490, DLB2526WSOB11493, DLB2526WSOB11500, DLB2526WSOB11502, DLB2526WSOB11503, DLB2526WSOB11504, DLB2526WSOB11507, DLB2526WSOB11509, DLB2526WSOB11514, DLB2526WSOB11518 पर देखी जा सकती है।
नोटः- निविदा में RTPP Act 2012 & Rules 2013 के नियम लागु होगे।
अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रामगढ (सीकर)
राज.संवाद/सी/25/6393

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल-कोटा
email :nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142
क्रमांक :-ननिको/दक्षिण/निर्माण/2025/507-521 दिनांक :-16.07.2025
ई-निविदा सूचना संख्या : 27/2025-26
नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों सेनिम्नांकित कार्य हेतु कुल राशि 97.48 लाख रूपये की ऑन लाईन निविदायें दिनांक 21.07.2025 से दिनांक 31.07.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्तें इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 71 तलवण्डी एवं इन्द्रा विहार में विभिन्न स्थानो पर फैन्सिंग एवं फैब्रिकेशन का कार्य।	48.48
2	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 71 तलवण्डी क्षेत्र के सेक्टर 01 व 02 एवं इन्द्रा विहार में विभिन्न स्थानो पर रोड़ के दोनो तरफ इन्टरलॉकिंग, सी.सी. एवं अन्य निर्माण/मरम्मत कार्य।	49.00

NIB Code No.DLB2526A3611
UBN No.DLB2526WSOB11444 UBN No. DLB2526WSOB11445
राज.संवाद/सी/25/6441 अधिशाषी अभियन्ता

शिक्षा का भगवाकरण में ही भारत का प्रकटीकरण है : डॉ. सुधांशु त्रिवेदी

'मोदी सरकार में तंत्र भी हुआ स्वयं का, अब मिली स्वतंत्रता'

जयपुर। भाजपा प्रदेश मीडिया कार्यशाला को संबोधित करते हुए सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस शासन में गुलामी की मानसिकता को स्वीकार करने एवं उसे पुष्पित-पल्लवित करने का काम हुआ वहीं भाजपा की सरकारों में भारतीय विचार से प्रेरित स्व का तंत्र स्थापित कर देश का गौरव बढ़ाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद स्थापना से लेकर प्रेरणा तक भारतीय होने वाली भाजपा के शासन को विदेशी समाचार पत्र संडे गार्जियन ने भी भारत का नियति से दूसरी बार साक्षात्कार बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कुशल नेतृत्व ही है कि भारत आज अर्थव्यवस्था और स्टॉक एक्सेंज में चौथे नंबर पर है, आटोमोबाइल एवं एयरलाइंस में तीसरे नंबर पर है, मोबाइल निर्माण पर दूसरे नंबर पर है और डिजिटल पेमेंट के मामले में केवल पहले नंबर पर ही नहीं है, बल्कि दूनिया का 48 प्रतिशत पेमेंट जो अमेरिका तथा चीन को मिलाकर भी ज्यादा होता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील भार्गव (बांये) ने भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी (बीच में) को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

- धर्म बदले बिना हज जाकर दिखाए राहुल गांधी, कुंभ में आए थे 60 लाख विदेशी किसी से नहीं पूछा धर्म : डॉ सुधांशु त्रिवेदी

उन्होंने कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि डिस्कवरी आफ इंडिया में गजनी की मथुरा यात्रा का जिक्र करते हुए नेहरू ने उसे कला प्रेमी बता दिया, वहीं महमूद गजनी के दरबारी इतिहासकार अल उतबी ने "तारीख-ए-यामिनी" नामक पुस्तक में लिखा है कि गजनी ने मथुरा की इमारतों एवं मंदिरों की भव्यता को देखकर कहा था कि ये इंसान की बनाई नहीं हो सकती, इसे देवताओं ने बनाया है, इसलिए इन्हें जमीदोज कर दिया जाए। क्यों देश से नेहरू ने यह सच छुपाया और आक्रांताओं का महिमा मंडन किया ? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस नेता हिन्दू धर्म पर असहिष्णुता के आरोप लगाते है, 2001 में जब महाकुंभ हुआ था, तब सोनिया गांधी ने कुंभ में स्नान किया था, केंद्र में अटल की सरकार थी, यूपी में राजनाथ सिंह मुख्यमंत्री थे किसी ने भी उन्हें नहीं रोका था।

भाजपा मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल चुनाव जीतने वाली पार्टी नहीं है, बल्कि यह एक गहरी, सशक्त और स्पष्ट विचारधारा से प्रेरित संगठन है। हमारा संवाद भी केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि सतत अध्ययन, वैचारिक स्पष्टता और भावनात्मक जुड़ाव का परिणाम होना चाहिए। यही हमें दूसरों से अलग करता है और यही हमारी असली ताकत है। जिला मीडिया संयोजक, प्रवक्ता और पैनलिस्ट के रूप में हमारा हर शब्द, हर पोस्ट और हर सार्वजनिक वक्तव्य जनता की नजर में पार्टी की छवि बनाता है।वहीं प्रदेश मंत्री तथा मीडिया, सोशल मीडिया एवं आईटी के प्रभारी पिंकेश पोरवाल मंच पर उपस्थित थे। सूत्रों की माने तो मीडिया की कार्यशाला में प्रदेश भर के जिला मीडिया प्रभारी सभी उपस्थित नहीं हुए न हीं पूरे प्रदेश प्रवक्ता शामिल हुए। जिसके कारण भाजपा कार्यालय में मौजूद अन्य नेताओं को भी मीडिया विभाग के बनाकर उन्हें कार्यशाला में बिठा दिया गया।

भारत की ऐतिहासिक कूटनीतिक सफलता, अमेरिका ने टीआरएफ को किया आतंकवादी संगठन घोषित, किया प्रतिबंधित : - डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक सफलता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार द रेजिस्टेंस फ्रंटको संयुक्त राज्य अमेरिका ने आधिकारिक रूप से आतंकवादी संगठन घोषित कर प्रतिबंधित कर दिया है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि टीआरएफ, कई बड़े आतंकी संगठनों का एक प्रॉक्सी संगठन है और उसे वैश्विक आतंक के नेटवर्क का हिस्सा माना जाता है। यह सफलता भारत की निरंतर और प्रभावशाली कूटनीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने बताया कि पहले क्वाड समिट में आतंकवाद और पहलगाम हमले का विधिवत उल्लेख हुआ था। 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहावुर राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण,हाफिज सईद एवं मसूद अजहर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकी घोषित करवाना और अब अब टीआरएफ पर प्रतिबंध- ये सभी कदम भारत की कूटनीतिक सूझबूझ और वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बढ़ते प्रभाव को दर्शाते हैं। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि जैसे 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत ने अपने सैन्य कौशल का प्रदर्शन किया, उसी तरह अब हमारी सरकार अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में भी पूर्ण दक्षता दिखा रही है।

साइबर ठगों पर पुलिस का शिकंजा : पैसा डबल गैंग के सात सदस्य गिरफ्तार

जयपुर। साइबर अपराधों के खिलाफ सवाई माधोपुर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए मानटाउन थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त अभियान में पैसा डबल करने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले 7 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। इन ठगों के पास से 12 मोबाइल फोन, 6 एटीएम कार्ड, 4 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 क्यू आर मशीन और 2 लाख रुपये नकद जब्त किए गए हैं। पुलिस को इनके बैंक खातों में करोड़ों रुपये के लेन-देन का हिसाब मिलने की उम्मीद है।

पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने बताया कि थानाधिकारी मानटाउन सुनील गुप्ता के नेतृत्व में गठित टीम ने सवाई माधोपुर की बाल मंदिर कॉलोनी में छापा मारकर इन ठगों को धर दबोचा। ये साइबर ठग सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर लोगों को लुभावनी योजनाओं का झांसा देते थे, जिसमें उनके पैसे कई गुना करने का लालच दिया जाता था।

- पुलिस को इनके बैंक खातों में करोड़ों रुपये के लेन-देन का हिसाब मिलने की
- धोखाधड़ी के लिए वे फर्जी या किराए के सिम कार्ड और विभिन्न फर्जी बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे

धोखाधड़ी के लिए वे फर्जी या किराए के सिम कार्ड और विभिन्न फर्जी बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे। पुलिस के अनुसार, इन ठगों ने सोशल मीडिया पर लाखों ग्राहक बनाए हुए थे। मामले में पुलिस ने आरोपी मनीष मीना निवासी नींदड़दा थाना सूरवाल, हरिमोहन मीना निवासी बंधा थाना सूरवाल, युवराज सिंह मीना, सचिन मीना व बलराम सैनी निवासी मलारना चौड़ थाना मलारना डूंगर, जितेंद्र मीना निवासी झोगदा थाना सूरवाल और धर्मेन्द्र मीना निवासी अजनोटी थाना सूरवाल को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है, जिससे इस बड़े साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क के अन्य पहलुओं का भी खुलासा होने की उम्मीद है। इस सराहनीय कार्रवाई में डीएसटी प्रभारी श्याम सुंदर और उनकी टीम तथा मानटाउन थाना से सहायक उपनिरीक्षक प्रहलाद, कांस्टेबल हरिसिंह, अशोक, महेंद्र, शैतान और सुरेंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

श्रीराम के वनगमन प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन

जयपुर। कांस्टीट्यूशनल क्लब में चल रही श्रीराम कथा के दूसरे दिवस पर श्रोताओं को उस मार्मिक क्षण का स्मरण हुआ, जब भगवान श्रीराम वनगमन के लिए माता कौशल्या से विदा लेने पहुंचे। शास्त्री कोसलेंद्रदास ने कहा कि उस घड़ी एक माता ने पुत्र से न गद्दी मांगी, न लौटने का वचन। बस इतना कहा कि पुत्र राम! वनवास से अमृत लेकर लौटना।यह अमृत क्या है? शास्त्री ने स्पष्ट किया कि यह कोई दिव्य औषधि नहीं बल्कि चरित्र, धर्म, सत्य, मर्यादा और आचरण का अमृत है, जो राम ने अपने जीवन से समाज को दिया। माता कौशल्या जानती थीं कि राम की यह यात्रा केवल वनवास नहीं बल्कि मानवता के लिए मर्यादा का पाठ पढ़ाने वाले अवतार की यात्रा है।शास्त्री ने कहा कि आज के समय में जब जीवन-मूल्य, परिवार और दांपत्य की गरिमा क्षीण हो रही है।

राजस्थान पुलिस में पदोन्नित का बड़ा अवसर

जयपुर। राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा में कार्यरत उप निरीक्षकों के लिए एक बड़ा अवसर सामने आया है। पुलिस मुख्यालय भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड के आईजी सत्येंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस निरीक्षक (एपी/सीपी) के 605 रिक्त पदों को पदोन्नित के माध्यम से भरने के लिए योग्यात्मक परीक्षा वर्ष 2022-23 का आयोजन किया जा रहा है।

इन पदों में अनुसूचित जाति के लिए 95, अनुसूचित जनजाति के लिए 66 और सामान्य वर्ग के लिए 444 पद शामिल हैं।

पुलिस अधीक्षक सीआईडी (सीबी) और सदस्य सचिव, चयन बोर्ड लक्ष्मण दास ने बताया कि इस पदोन्नित परीक्षा में शामिल होने के लिए योग्य उप निरीक्षकों से 1 अगस्त 2025 की शाम 5 बजे तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं।

राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम, 1989 के नियम 26 की अनुसूची 01 के कॉलम-6 में वर्णित प्रावधानों के अनुसार:

प्रॉपर्टी डीलर का अपहरण, बिजनेस पार्टनर ने ही साथियों के साथ मिलकर दिया वारदात को अंजाम

जयपुर। आदर्श नगर थाना इलाके में एक प्रॉपर्टी कारोबारी का अपहरण करने का मामला सामने आया है।बताया जा रहा है की पीड़ित अपने दोस्तों के साथ एक रेस्टोरेंट पर बैठा हुआ था। इसी दौरान उसका पूर्व पार्टनर अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचा और मारपीट करते हुए उसका अपहरण कर ले गया।

दोस्तों ने मामले की जानकारी पीड़ित के परिजनों को दी। परिजनों के बाद करने पर आरोपी पक्ष ने 50 लाख रुपए की फिरौती की मांग की। सूचना मिलने पर पुलिस ने नाकाबंदी कराई लेकिन आरोपियों का कुछ पता नहीं चला। लोकेशन ट्रेस करते हुए पुलिस आरोपी तक पहुंच गई और अपहरणकर्ताओं के चंगुल से प्रॉपर्टी कारोबारी को मुक्त करवाया।

पुलिस के बताए अनुसार सोनू शर्मा निवासी लालसोट जिला दौसा हाल जयपुर में रहकर प्रॉपर्टी का कारोबार करता है और महारानी फार्म दुर्गापुरा में परिवार सहित रहता है।

बुधवार शाम सोनू अपने दोस्त हनी के साथ राजा पार्क गली-4 स्थित एक रेस्टोरेंट पर बैठा हुआ था और अपने दोस्तों से बातचीत कर रहा था। इसी दौरान उसका पूर्व पार्टनर प्रकाश चंद अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचा मारपीट करते हुए सोनू को कार में डालकर ले गया।

बताया जा रहा है कि आरोपियों ने चलती कार में उसके साथ जमकर मारपीट की। मारपीट करते हुए आरोपी उसे लालसोट स्थित रामगढ़ में सुनसान जगह ले गए,वहां भी आरोपियों ने लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट करते हुए 50 लाख रुपए की डिमांड की।

सोनू के अपहरण होने के बाद दोस्त हनी ने मामले की जानकारी सबसे पहले उसके परिवार वालों को दी। जिसके बाद परिजनों ने आदर्श नगर थाने पहुंच पुलिस को इस मामले के बारे में बताया। जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने आसपास के इलाके में नाकाबंदी कराई। लेकिन आरोपियों का कोई सुराग पुलिस के हाथ नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस ने सोनू के मोबाइल फोन को ट्रेस कर आरोपियों तक पहुंच गई। लेकिन पुलिस को आरोपी सोनू को घायल अवस्था में छोड़कर फरार हो गए। पुलिस पीड़ित सोनू को रामगढ़ से जयपुर ले आई। पीड़ित के बयानों के आधार पर पुलिन ने अपहरण को मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

देवनानी ने सीए स्टूडेंट टैलेंट सर्च ग्रैंड फिनाले का किया शुभारंभ

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि चार्टर्ड अकाउंटेंट समाज के महत्वपूर्ण अंग होते हैं। देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट ही होते है। जीएसटी आने के बाद उद्योगपति समूह में सीए की आवश्यकता प्रतिपादित हुई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुदृढ़ आर्थिक नीतियों के कारण भारत विश्व में आर्थिक शक्ति के रूप में चौथे नंबर आ गया है। निकट भविष्य में भारत विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बनेगा। देवनानी का मानना था कि जब देश के सभी सीए मिलकर नेशन फर्स्ट की भावना के साथ कार्य करेंगे तो 2040 तक विश्व की अर्थव्यवस्था में भारत का पहला स्थान होगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शुक्रवार को यहां राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में जयपुर में पहली बार हो रहे सीए स्टूडेंट टैलेंट सर्च ग्रैंड फिनाले-2025 "समर्थ" का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। समारोह में देवनानी का सीए एसोसिएशन द्वारा दुपट्टा पहनाकर, स्मृति चिन्ह और पौधा भेट कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर देवनानी ने देश के विभिन्न भागों से आये सीए को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिभा को मंच मिलना ही भविष्य निर्माण की पहली सीढ़ी है। सीए जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में रचनात्मकता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का यह संगम निश्चित ही प्रेरणादायी है। संख्या और संस्कृति जब मिलती हैं, तब व्यक्तित्व संपूर्ण बनता है। प्रतिभा केवल अंकपत्रों में नहीं होती, वह आत्मा की भाषा होती है। इस मंच से निकलने वाली युवा प्रतिभाओं की ऊर्जा भविष्य के भारत को नया आकार देगी।देवनानी ने कहा कि उनका जीवन का अधिकांश समय विधार्थियों के साथ निकला है। उनके मन में भी सीए बनने की चाहत थी। देशभर से आये सीए विधार्थियों का देवनानी ने गुलाबी नगर जयपुर में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सीए अपनी प्रतिभा का उपयोग राष्ट्रहित में करें। जैसा चल रहा है, वैसा ही चलता रहेगा ऐसी सोच वाली प्रवृति ठीक नहीं है। सभी आगे बढ़े, तरीके से आगे बढ़े, मिलकर आगे बढ़े और सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्रहित में अपनी प्रतिभा का उपयोग करें। देवनानी ने कहा कि भारत की सुदृढ़ आर्थिक नीतियों के कारण विश्व में राष्ट्र की धाक जमने लगी है। हमें इस प्रगति को निरंतर बनाये रखने में योगदान देना है।

- देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है चार्टर्ड अकाउंटेंट
- प्रतिभा का उपयोग राष्ट्र हित में हो : देवनानी

उन्होंने कहा कि विश्व का कोई देश नहीं चाहता कि भारत सिरमोर बनें। इसलिये देश को आगे बढ़ाने में राष्ट्र का प्रत्येक व्यक्ति अपने प्रोफेशन के साथ-साथ राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने में योगदान करें। राष्ट्र के लिये अपनी प्रतिभा का विस्तार करें और उसका उपयोग करें। देवनानी ने कहा कि अनुभव और मेहनत से सफलता मिलती है। सफलता के लिये समय प्रबंधन के साथ अपनी प्रतिभा का सदुपयोग किया जाना आवश्यक है।

समारोह को शिव कुमार शर्मा, रोहित रुवाटिया, अंकुर गुप्ता, कमल जैन, विकास यादव और सीए विधि ने भी संबोधित किया।

विद्युत चोरी से संचालित हो रहे थे पी.जी. हॉस्टल

जयपुर। जयपुर विद्युत वितरण निगम की सतर्कता शाखा ने शुक्रवार को चौमू, शाहपुरा, भांकरोटा एवं आदर्श नगर क्षेत्र में सतर्कता जांच के दौरान पी.जी. हॉस्टल, लाइब्रेरी, पोल्ट्री फार्म, आरओ मिनरल प्लांट व आवासीय परिसर सहित कुल 8 जगहों पर विद्युत चोरी पकड़ी। इन प्रकरणों में 20 लाख 66 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

अधीक्षण अभियंता (सतर्कता) बी.एल.शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि ग्राम जाटावाली महादेव नगर-प्रथम स्थित एक पी.जी. हॉस्टल में विद्युत चोरी पाये जाने पर करीब 95 हजार का जुर्माना लगाया गया।

वहीं शाहपुरा के जोधपुरा स्थित एक लाइब्रेरी की जांच में विद्युत चोरी पाये जाने पर करीब 2 लाख 20 हजार का जुर्माना लगाया गया। हनुतपुरा में एक फेज को डायरेक्ट करके विद्युत चोरी से पोल्ट्री फार्म का संचालन पाये जाने पर करीब 7 लाख 53 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

जगतपुरा व अमलोदा में दो घरेलू उपभोक्ता परिसर में अवैध तार जोडकर विद्युत चोरी करते पाये गये, जिस पर करीब 1 लाख 21 हजार व करीब 1 लाख 60 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

- लाइब्रेरी, पोल्ट्री फार्म एवं आरओ प्लांट
- 8 मामलों में लगाया 20 लाख 66 हजार का जुर्माना

इसी प्रकार भांकरोटा एवं आदर्श नगर में 3 उपभोक्ताओं के परिसर में विद्युत चोरी पकड़ी गई, जिनमें से एक अघरेलू कनेक्शन आर.ओ. मिनरल प्लांट में विद्युत मीटर को टेम्पर करके विद्युत चोरी पाई गयी जिस पर 3 लाख 60 हजार का जुर्माना लगाया गया। यहां तीनों मामलों में कुल 7.15 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

सभी प्रकरणों में वीसीआर भरी गई है। विद्युत कनेक्शन काटकर राजस्व वसूली की कार्यवाही जारी है, यदि उपभोक्ता द्वारा जुर्माना राशि निर्धारित समयावधि में जमा नहीं करवायी जाती है तो उनके विरूद्ध विद्युत् चोरी निरोधक पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया जावेगा।

सोशल मीडिया पर का इस्तेमाल कर की जा रही है ठगी

जयपुर। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने आमजन को साइबर अपराधों की बढ़ती और बदलती प्रकृति के प्रति आगाह किया है। पुलिस ने एक नई तरह की धोखाधड़ी के संबंध में चेतावनी जारी की है, जिसमें साइबर अपराधी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर नामचीन व्यक्तियों, परिचितों, या किसी फर्म,कंपनी के प्रमुख की तस्वीर लगाकर लोगों को ठग रहे हैं। एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि साइबर ठग अक्सर विभागों के प्रमुखों, नामचीन व्यक्तियों, या किसी कंपनी के चेयरमैन,मालिक की प्रोफाइल तस्वीर का इस्तेमाल करते हैं। वे या तो खुद को वह व्यक्ति बताते हैं या खुद को उनके अधीन काम करने वाला बताकर अपने मोबाइल नंबर से मैसेज या कॉल करते हैं। धोखेबाज स्वयं को या उस व्यक्ति को किसी बैठक में व्यस्त या आपात स्थिति में होने का बहाना बनाते हैं, और तत्काल पैसों की मांग करते हैं। वे प्रोजेक्ट से संबंधित खर्च, आपातकालीन स्थिति या सरकारी खर्च का बहाना बनाकर आमजन, कनिष्ठ अधिकारियों या कर्मचारियों को फोन,वीडियो कॉल करते हैं और यूपीआई के माध्यम से तुरंत पैसे ट्रांसफर करने का निर्देश देते हैं।

कैडर पुनर्गठन की मांग को लेकर कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर, अदालतों में कामकाज ठप

जयपुर । राजधानी सहित प्रदेश की करीब 1600 से अधिक अधीनस्थ अदालतों में आज से न्यायिक कामकाज पूरी तरह से ठप हो गया है। राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ के आव्हान पर प्रदेश के करीब 21 हजार न्यायिक कर्मचारी शुक्रवार से सामूहिक रूप से अवकाश पर चले गए हैं। वहीं बीते पांच दिनों ने सेशन कोर्ट परिसर में धरना व भूख हड़ताल की जा रही है। राज्य सरकार की ओर से किसी तरह की सुनवाई नहीं होने पर कर्मचारी संघ ने अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर रहने का निर्णय लिया है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेन्द्र नारायण जोशी ने बताया कि न्यायिक कर्मचारियों में मंत्रालयिक और स्टेनोग्राफर कैडर के पुनर्गठन की मांग पिछले दो साल से लंबित है। इस बाबत हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ ने 6 मई 2023 को प्रस्ताव पास करके राज्य सरकार को भिजवा दिया था, लेकिन सरकार ने दो साल बाद भी इसे लागू नहीं किया। इससे न्यायिक कर्मचारियों को प्रमोशन के कम मौके मिल रहे हैं और उनका आर्थिक नुकसान भी हो रहा हैं। राज्य सरकार ने दूसरे सरकारी विभागों के कर्मचारियों में इन दोनों संवर्गों का पुनर्गठन तुरंत ही कर दिया गया था, लेकिन न्यायिक कर्मचारियों के साथ सरकार भेदभाव कर रही है। न्यायिक कर्मचारियों ने मई में भी अनिश्चितकालीन भूख हडताल शुरू की थी, लेकिन भारत-पाक तनाव के बीच आंदोलन को स्थगित कर दिया था। इसके बाद 14 जुलाई से एक बार फिर न्यायिक कर्मचारियों ने आंदोलन का ऐलान कर दिया था।

- प्रदेश के करीब 21 हजार न्यायिक कर्मचारी शुक्रवार से सामूहिक रूप से अवकाश पर चले गए

वहीं जिला न्यायालय कर्मचारी संघ के पूर्व पदाधिकारी बद्रीलाल ने कहा कि गुरुवार को सभी जिला अध्यक्षों की आपात बैठक बुलाई गई थी। जिसमें तय किया गया कि शुक्रवार से सभी कर्मचारी अवकाश पर रहेंगे।

जे.डी.ए. प्रशासन ने महज 3 दिन में बांटें करीब 30 हज़ार पौधे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण प्रशासन ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत बीते बुधवार से शुक्रवार शाम तक मात्र 3 दिन में क़रीब 30 हज़ार पौधे आमजन में वितरित किए है। यह पौधे आमजन को 50 रुपए की रियायती दरों पर दिए जा रहे हैं। जेडीए ने पौधा वितरण के लिए शहर में 13 सेंटर्स बनाए हैं, ताकि मानसून में आमजन को बेवजह परेशान नहीं होना पड़े। अक्टूबर माह के अंत तक 10 फ़ीट ऊंचाई के 30 हज़ार पौधे वितरण का लक्ष्य रखा गया था, जो कि महज 3 दिन में ही पूरा हो गया। परन्तु अब भी लोग जेडीए के वितरण केंद्रों पर पौधे लेने के लिए उमड़ रहे है, क्योकि अगर 10 फ़ीट ऊंचाई का पेड़ अगर बाजार से खरीदा जाये तो करीब 300 से 500 रुपये चुकाने पड़ रहे है।

वरिष्ठ उद्यानविज्ञ नरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि जेडीए आयुक्त आनंदी के निर्देशानुसार शहर में 13 वितरण केंद्रों पर आमजन को 10 फ़ीट ऊंचाई के पेड़ महज 50 रुपए के रियायती शुल्क पर उपलब्ध करवाए जा रहे है। इसके लिए प्रतिव्यक्ति को एक आधार कार्ड की फोटोकॉपी पर 5 पेड़ दिए जा रहे है। आमजन में भी पेड़ों के लिए भरपूर उत्साह देखा जा रहा है।

जयपुर विकास प्राधिकरण प्रशासन ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत क़रीब 30 हज़ार पौधे आमजन में वितरित किए।

जेडीए प्रशासन ने सभी वितरण केंद्रों पर सेल्फी पॉइंट भी बनाये है, जिनकी थीम "एक पौधा मां के नाम" और हरियालो राजस्थान रखी है। जेडीए प्रशासन ने पौधरोपण की मॉनिटरिंग के लिए भी जोनवार प्रभारी नियुक्त किये है। गौरतलब है कि जेडीए की ओर से आमजन को मौलश्री, अशोक, अर्जुन, शीशम, कदम, गूलर, नीम, पिलखन, बॉटलब्रश, गुलमोहर, अमरुद और जामुन के पेड़ उपलब्ध करवाए जा रहे है।वहीं ग्रेटर निगम ने भी करीब 33 हज़ार पौधे बीते 10 दिनों में आमजन के वितरण के लिए भेजे है। उद्यानविज्ञ रविंद्र सिंह के मुताबिक 33 हज़ार पौधे गत 9 जुलाई से अब तक आमजन को मुहैया करवाए जा चुके है। उन्होंने बताया कि वन विभाग से ग्रेटर निगम ने 1 से 4 फ़ीट तक के पौधे लिए है। इनमे से अब तक पार्षदों को 13 हज़ार पौधे पहुचाये जा चुके है।

- ग्रेटर और हैरिटेज निगम भी आमजन में वितरित कर रहा निःशुल्क पौधे

इसके अलावा 8 हज़ार पौधे सार्वजानिक पार्कों में लगवाए है। शेष पौधे ग्रेटर निगम के 7 जोन के माध्यम से आमजन को निःशुल्क वितरित किये जा रहे है।

हेरिटेज निगम की उद्यान उपायुक्त मोनिका सोनी ने बताया कि तमाम 100 पार्षदों की अनुशंसा पर 100-100 पौधे वितरण के लिए उद्यान अधीक्षक छाजूराम को निर्देश दिए है। साथ ही मानसून में सरकारी जमीनों और पार्कों में भी पौधे लगाए जा रहे है। इसके लिए वन विभाग से पौधे मंगवाए गए है।

हैरिटेज निगम द्वारा जिओ टैगिंग के साथ पौधों का वितरण किया जा रहा है, पौधे देने और प्राप्त करने वाले लोगों के भी हस्ताक्षर करवाए जा रहे है, जिसके लिए रसीद नंबर भी रहेगा।

मोबाइल छीनने वाला मोबाइल स्नैचर गिरफ्तार

जयपुर। शिप्रा पथ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल छीनने वाले एक मोबाइल स्नैचर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से छीने गए दो मोबाइल सहित वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपित नशे करने का आदि है और नशा पूर्ति और मौज-मस्ती के लिए चेन स्नेचिंग की वारदात करता है और इससे पहले भी दो बार जेल जा चुका है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) दिगंत आनंद ने बताया कि शिप्रापथ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल छीनने वाले मोबाइल स्नैचर रितिक शर्मा निवासी मथुरा गेट जिला भरतपुर हाल मुहाना को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से छीने गए दो मोबाइल सहित वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन जब्त किया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित नशे करने का आदि है और नशा पूर्ति और मौज-मस्ती के लिए चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देता है और औने-पौने दामों में बेच देता है। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने कई वारदातों को अंजाम देना कबूला है।

कृषक खेती में नवीन तकनिकों का ज्यादा से ज्यादा करें उपयोग : कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने कृषि को पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़ाकर उत्पादकता और कृषकों की आय बढ़ाने के लिए नवीन कृषि पद्धितयों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने पारंपरिक और जैविक खेती पर जोर देते हुए कहा कि कृषक रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम से कम करें, इसके लिए विभागीय अधिकारी ग्रामीण क्षेत्र के कृषकों को ज्यादा से ज्यादा जागृत करें।

- एआई का उपयोग कर के किसान बेहतर तरीके से फसल प्रबंधन, कीट एवं रोग का पता लगाना, मौसम का पुर्वानुमान आदि का समय से ही पता लगा सकते है

डॉ. किरोडी लाल मीणा की अध्यक्षता में शुक्रवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में विभागीय अधिकारियों और कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का अयोजन किया गया। बैठक में कृषि विकास, मृदा की स्थिति, कृषि में एआई का उपयोग, कृषि यंत्रीकरण और बायोफर्टिलाइजर व पेस्टिसाइट के उपयोगों पर कंपनी प्रतिनिधियों द्वारा पीपीटी के माध्यम से प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। एआई का उपयोग कर के किसान बेहतर तरीके से फसल प्रबंधन, कीट एवं रोग का पता लगाना, मौसम का पुर्वानुमान आदि का समय से ही पता लगा सकते हैं। एआई द्वारा फसलों के रोगों की समय पर पहचान कर किसान उचित कीटनाशकों व उर्वरकों का उपयोग कर फसल में होने वाले नुकसान से बच सकते हैं। बैठक में बताया कि मृदा पौधों को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करती है। कृषि, वनस्पति एव जैव विविधता के लिए मृदा की गुणवत्ता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और बार-बार एक ही फसल उगाने से मृदा की उर्वरकता घट जाती है। मृदा की स्थिति सुधारने के लिए रासायनिक उर्वरकों की जगह किसानों को गोबर खाद, कंपोस्ट एवं वर्मीकंपोस्ट का उपयोग करना चाहिए। बायोफर्टिलाइजर ऐसे जीवित सूक्ष्म जीव होते हैं।

डॉ. किरोडी लाल मीणा (दांये से दूसरे) की अध्यक्षता में विभागीय अधिकारियों और कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन किया।

'सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका'

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां ने ''मन की बात'' कार्यक्रम में हरियाणा का देश में अव्वल रहने पर कार्यकर्ताओं की पीठ थपथपाई

चंडीगढ़। भाजपा की शुक्रवार को पंचकूला में संगठनात्मक बैठक हुई। सबसे पहले सीएम आवास में छोटी टोली और उसके बाद पंचकूला स्थित पार्टी प्रदेश कार्यालय पंचकमल में प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। इन बैठकों में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनियां मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री, प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष ने ''मन की बात'' कार्यक्रम में हरियाणा का देश में अव्वल रहने पर कार्यकर्ताओं की पीठ थपथपाई और आगामी कार्यक्रमों के लिए जरूरी दिशा निर्देश दिए। प्रदेश पदाधिकारी, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष और मोर्चा अध्यक्षों के साथ हुई बैठक में प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने जिलों के कार्यों की समीक्षा की।

समीक्षा के बाद सभी नेताओं ने कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की ताकत है। सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में भाजपा कार्यकर्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है कि मन की बात कार्यक्रम को सुनने में हरियाणा नंबर वन रहा। दिनभर चली बैठकों में संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की गई। भाजपा प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष ने मीडिया से बातचीत कर सवालों के जवाब भी दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां आदि मौजूद रहे

मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि सत्ता और संगठन के बेहतर तालमेल के माध्यम से मोदी और नायब सरकार की योजनाओं को लाभार्थियों के घर-घर तक पहुंचाने की रणनीतिक चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट बैंक की राजनीति नहीं करती, बल्कि सरोकारों की राजनीति करती है। भाजपा का यह चरित्र है कि हम चुनावी और वोट बैंक की राजनीति नहीं करते। सतीश पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवाचार पर जोर देते हैं। पीएम मोदी ने जनता से दूर हो गए रेडियो को ''मन की बात'' कार्यक्रम के तहत देश से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सशक्त हो रहा है। मोदी और नायब सरकार की रचनात्मक गतिविधियां लोगों को नजर आ रही है। डबल इंजन की सरकार में हर क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पौधारोपण अभियान में भाजपा के कार्यकर्ता समर्पित होकर काम कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं को 25-25 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया था, लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं ने उससे भी अधिक पेड़ लगाने काम किया हैं। बड़ौली ने कहा कि पिछले दिनों योग दिवस, डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस, मन की बात कार्यक्रम के अलावा अन्य गतिविधियां चलाई गई थी उन सभी की आज समीक्षा की गई।

आगामी कार्यक्रमों के बारे में बड़ौली ने कहा कि 27 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम को सभी बूथों पर सुना जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी संगठनात्मक 27 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हो चुकी है और अब जल्द ही जिला कार्यकारिणी के सदस्यों की नियुक्ति भी कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त के बाद

- **भाजपा प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष ने जिलों के कार्यों की समीक्षा की, आगामी कार्यक्रमों की योजना बनाई**

कार्यशालाओं का आयोजन कर सभी नए पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। आने वाले समय में भाजपा प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, संगठन मंत्री और प्रदेश महामंत्री जिलावार कार्यकर्ताओं की बैठक भी लेंगे।

ईडी द्वारा रॉबर्ट वाड्रा पर हुई कार्रवाई पर बड़ौली ने कहा कि गलत तरीके से जमीन की खरीद फरोख्त करके पैसा कमाना गलत है। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रिया के तहत ही ईडी कार्रवाई कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा परिवार का हर कार्यकर्ता जन सेवा व विकसित भारत, विकसित हरियाणा के संकल्प के साथ समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में संगठन के विस्तार, ''मन की बात'' कार्यक्रम की आगामी रणनीति एवं भविष्य की योजनाओं को लेकर चर्चा हुई और पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

अज्ञात चोरों ने ऑयल मिल को निशाना बनाया

चोरी की वारदात के बाद कार्यालय में सामान बिखरा पड़ा है।

पावटा, (निसं)। कस्बे में दिन-प्रतिदिन चोरी, लूटपाट जैसी वारदातें रुकने का नाम ही नहीं ले रही है। यहां गत दिनों हुई चोरियों का पुलिस अभी खुलासा भी नहीं कर पाई थी कि उससे पहले एक बार फिर चोरों ने दस्तक दी और एक ऑयल मिल को अपना निशाना बनाया। बुधवार रात में अज्ञात चोरों द्वारा पावटा में पुलिया स्थित जय शिव ऑयल मिल का टीनशेड काटकर मिल कार्यालय को अपना निशाना बनाते हुए गल्ले के ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। मिल संचालक जयशिव सोनी का आरोप है कि सोने-चांदी के कीमती जेवरात पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। उन्होंने

- **चोरी की वारदात सीसीटीवी में कैद**

आरोप लगाते हुए बताया कि उन्होंने सुबह मिल खोली तो कार्यालय का सारा सामान इधर-उधर बिखरा था, जिससे चोरी की घटना का पता चला। चोरी की वारदात वहां लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। जय शिव सोनी ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस थाने प्रागपुरा में दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल कर वहां लगे सीसीटीवी व अन्य कैमरों की जांच कर चोरी का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

जानकारी के अनुसार पहले भी प्रागपुरा थाना क्षेत्र में बड़ी चोरियां हुई है, जहां अज्ञात चोरों द्वारा मकानों में नकदी व लाखों के गहने सहित कारखानों व दुकानों से लाखों का सामान चोरी कर लिया गया था, लेकिन अब तक पुलिस इस मामले का खुलासा नहीं कर सकी है, जिससे व्यापारियों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने पुलिस से इलाके में गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर जल्द कार्रवाई करने की मांग की है।

प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह ने बताया कि, पीड़ित की तहरीर पर अपराध दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों की सहायता से अतिशीघ्र घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

काउंसलिंग के बिना ही शिक्षकों को पोस्टिंग मिलेगी

बीकानेर, (निसं)। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में चयनित शिक्षकों के पदस्थापन के बाद सरप्लस हुए शिक्षकों के समायोजन की तैयारी शुरू हो गई है।

प्रदेश में 4800 और बीकानेर जिले में करीब 150 सरप्लस शिक्षकों को अब हिंदी मीडियम स्कूलों के रिक्त पदों पर पोस्टिंग दी जाएगी। गाइडलाइन के मुताबिक सरप्लस शिक्षकों का समायोजन पास के स्कूल में किया जाएगा। पिछली बार की तरह इस बार भी सरप्लस शिक्षकों का पदस्थापन बिना काउंसलिंग के ही किया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट में सरप्लस शिक्षकों के पदस्थापन के लिए 15 बिंदुओं की गाइडलाइन जारी की है। अधिशेष शिक्षकों व कार्मिकों का समायोजन रिक्त पदों पर ही किया जाएगा। यदि इस स्कूल में पद

- **4800 सरप्लस शिक्षकों का अन्य स्कूलों में समायोजन होगा**

रिक्त है तो पहली प्राथमिकता वहीं दी जाएगी। उसके बाद उसी ग्राम पंचायत या ब्लॉक के स्कूल में रिक्त पद पर संबंधित अभिशेष शिक्षक का समायोजन किया जाएगा।

टाइम फ्रेम के मुताबिक इनके पदस्थापन आदेश 22 जुलाई को जारी होंगे। कार्य ग्रहण की तिथि के आधार पर वरिष्ठ कार्मिक का समायोजन उसी स्कूल में करते हुए कनिष्ठ कार्मिक को विद्यालय में अधिशेष माना जाएगा। आदेश में स्पष्ट है कि शहरी क्षेत्र के अधिशेष कार्मिकों का समायोजन शहरी क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्र के कार्मिकों का ग्रामीण क्षेत्र के स्कूल में किया जाएगा। अधिशेष प्रबोधक और शिक्षाकर्मियों का पदस्थापन ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में होगा प्रबोधक और शिक्षाकर्मी सहित पंचायत शिक्षकों के पद माध्यमिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में नहीं होने के कारण इन स्कूलों से अधिशेष होने वाले इन कार्मिकों का समायोजन प्रारंभिक शिक्षा विभाग के ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में किया जाएगा।

अधिशेष शिक्षकों के समायोजन के लिए ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में एक भी पद रिक्त नहीं होने पर अस्थाई रूप से ऐसे कार्मिकों को शहरी क्षेत्र में आवश्यकता के आधार पर लगाया जा सकेगा। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र में पद रिक्त नहीं होने पर शहरी क्षेत्र के कार्मिकों को ग्रामीण क्षेत्र में आवश्यकता अनुसार लगाया जा सकेगा।

पाटन बाईपास पर बसों का मनमाना संचालन यात्रियों की मुसीबत बना

पाटन स्टैंड पर सभी द्रुतगामी (फास्ट) बसों का ठहराव तय होने के बावजूद अधिकतर बसें धांधेला बाईपास से गुजर रही हैं

पाटन, (निसं)। सीकर, जोधपुर, डीडवाना, नागौर, खेतड़ी, अलवर सहित दिल्ली की ओर जाने और आने वाली सभी प्रमुख बसें पाटन स्टैंड को नजरअंदाज करते हुए सीधे बाइपास होकर निकल रही हैं। इससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पाटन स्टैंड पर सभी द्रुतगामी (फास्ट) बसों का ठहराव तय होने के बावजूद, अधिकतर बसें धांधेला बाइपास से गुजर रही हैं और यात्रियों को वहीं उतार दिया जाता है।

यात्रियों को बाइपास से पाटन तक एक से डेढ़ किलोमीटर की दूरी पैदल तय करनी पड़ती है। बुजुर्ग, महिलाएं और छोटे बच्चों के साथ सफर करने वाले यात्री सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय निवासी सुनील सैनी पाटनिया ने बताया कि कई बार यात्रियों द्वारा स्टैंड पर उतारने का निवेदन करने पर चालक और परिचालक बहस, बदसलूकी और कभी-कभी झगड़े पर उतर आते हैं। डर के मारे अधिकांश सवारियां बाईपास पर ही उतरने को मजबूर रहती हैं।इस समस्या को लेकर पूर्व में पाटन ग्राम पंचायत द्वारा सभी डिपो मैनेजरों को पत्र लिखकर अवगत कराया गया था। पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक में भी यह मुद्दा जोर-शोर से उठाया गया था, बावजूद इसके अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। चालक और परिचालक अपनी हठधर्मिता पर अड़े हुए हैं, जिसका खामियाजा आम यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब पाटन स्टैंड पर ठहराव की व्यवस्था पहले से मौजूद है, तो यात्रियों को बाइपास पर क्यों उतारा जा रहा है? यह न सिर्फ यात्रियों के साथ अन्याय है, बल्कि बस प्रबंधन की उदासीनता और जवाबदेही की कमी को भी दर्शाता है। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की है कि सभी डिपो प्रबंधकों को तत्काल प्रभाव से निर्देश जारी करें कि दिल्ली से आने-जाने वाली सभी बसें पाटन स्टैंड पर अनिवार्य रूप से रुकें। साथ ही, नियमों की अवहेलना करने वाले चालक-परिचालकों पर उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि यात्रियों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े।

स्मार्ट मीटर के विरोध में ज्ञापन सौंपा

चिड़ावा। किसान सभा के जिला उपाध्यक्ष बजरंगलाल बराला के नेतृत्व में चिड़ावा उपखंड अधिकारी डॉ. नरेश सोनी द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बिजली विभाग द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर के नाम से लूट को बंद कराने के लिए ज्ञापन भेजा। बराला ने बताया कि यह स्मार्ट मीटर के नाम पर आम उपभोक्ताओं को भ्रमित कर लगा हुआ। चालू मीटर को तोड़ कर स्मार्ट मीटर लगाने का काम कर रहे हैं। यह सरासर गलत है। उस मीटर के पैसे उपभोक्ताओं के लगे हुए हैं। इनको अधिकार ही नहीं है। दूसरी बात जब पहले वाले मीटर सही चल रहे हैं तो स्मार्ट मीटर की आवश्यकता क्यों पड़ी। तीसरी बात स्मार्ट मीटर का 25 हजार रूपए उपभोक्ताओं से वसूल करेगा। चौथा रात को सोते ही कार्ड खत्म हो गया तो पूरी रात अंधेरे में गुजरेगी।

पीएमसीएच में नवीनीकृत ओ.पी.डी. का शुभारंभ

उदयपुर, (निसं)। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल बेदला में चेस्ट एवं टीबी रोग विभाग की नवीनीकृत ओपीडी का शहर के वरिष्ठ व प्रतिष्ठित चेस्ट एवं टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. एस. के. लुहाड़िया, पीएमसीएच के चेयरमैन राहुल अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, ऐक्जिक्यूटिव डॉयरेक्टर अमन अग्रवाल, सीईओ शरद कोठारी, पीएमयू के प्रेसिडेंट डॉ. एम.एम. मंगल, चेस्ट एवं टीबी रोग विभाग के डॉ. सी.एस. पुरोहित, डॉ.अतुल लुहाडिया, डॉ. सुनील कुमार ने शुभारंभ किया।

शुभारंभ के इस अवसर पर चेयरमैन राहुल अग्रवाल ने कहा कि हमारा प्रयास है कि उदयपुर और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को फेफड़ों एवं टीबी से संबंधित किसी भी जटिल बीमारी के लिए अब बड़े शहरों की ओर न जाना पड़े। आधुनिक तकनीकों से युक्त यह ओपीडी हमारे इस उद्देश्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। मुख्य अतिथि डॉ. एस.के. लुहाड़िया ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा यह सुविधा चेस्ट एवं टीबी रोग से पीड़ित मरीजों के लिए वरदान साबित होगी। पीएमसीएच ने चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में नया मानक स्थापित किया है।

इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजिस्ट एवं चेस्ट व टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ.अतुल लुहाड़िया की देखरेख में आधुनिक सुविधाओं से युक्त नई ओपीडी में फेफड़ों से संबंधित समस्त आधुनिक जांच व उपचार अब उदयपुर में ही उपलब्ध होंगे, जिससे मरीजों को इलाज के लिए अहमदाबाद या अन्य बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। नवीनीकृत ओपीडी में ब्रॉन्कोस्कोपी, क्रायो बायोप्सी, थोरोस्कोस्कोपी सहित अन्य एडवांस सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इसके अलावा एक्स-रे, 2डी इको, स्पाइरोमेट्री, डीएलसीओ जैसी सेवाएं भी मरीजों को मुफ्त में दी जा रही हैं।

साक्षात्कार कार्यक्रम जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग) भर्ती-2019 के अंतर्गत द्वितीय चरण का साक्षात्कार कार्यक्रम जारी किया गया है। आयोग सचिव ने बताया कि द्वितीय चरण में साक्षात्कार का आयोजन 4 से 20 अगस्त तक निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया जाएगा। अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे। साक्षात्कार के समय अभ्यर्थी स्वयं का नवीनतम पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो, नवीनतम स्पष्ट फोटो युक्त मूल पहचान पत्र एवं समस्त मूल प्रमाण-पत्र मय फोटो प्रति के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करें अन्यथा साक्षात्कार से वंचित कर दिया जाएगा। ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग को प्रस्तुत नहीं किए हैं, वे अभ्यर्थी विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियों सहित आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें।

धरना 563वें दिन भी जारी

चिड़ावा। लाल चौक पर किसान सभा द्वारा संचालित अनिश्चितकालीन नहर सत्याग्रह आंदोलन का 563वें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता राजेन्द्र सिंह चाहर ने की। क्रमिक अनशन पर महेंद्र भास्कर बैठे। किसान सभा के कार्यकर्ताओं ने अपने संबोधन में जनता को आव्हान किया कि बिजली विभाग स्मार्ट मीटर के नाम की एक नई लूट चालू करी है वो बर्दाश्त से बाहर है। धरने पर कामरेड बजरंगलाल बराला, रणधीर सिंह ओला आदि बैठे।

झुंझुनूं के उत्सव कुमार गोयनका को दस लाख की सहायता राशि मिली

झुंझुनूं। कोविड-19 महामारी में अनाथ हुए बच्चों की सहायतार्थ के लिए केंद्र सरकार द्वारा संचालित पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना अंतर्गत कोरोना महामारी के कारण माता-पिता को खो चुके बच्चों को नियमित अध्ययनरत होने पर प्रत्येक शैक्षिणक सत्र में 20 हजार रूपए की छात्रवृत्ति 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होने तक प्रदान की जा रही है एवं 10 लाख रूपए की सहायता राशि उनके पोस्ट ऑफिस बैंक खाते में जमा की गई है। यह राशि बच्चों के 23 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर उन्हें प्राप्त होगी।

बच्चों के 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के पश्चात राशि प्राप्त होने तक उक्त राशि का ब्याज प्रतिमाह प्रदान किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा संचालित योजना में प्रायोजन भत्ते के रूप में प्रतिमाह राशि चार हजार रूपए 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक प्रदान की जा रही है। उक्त योजना में लाभान्वित बालक उत्सव कुमार गोयनका ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हैं। जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग झुंझुनूं के सहायक निदेशक अरविंद कुमार ओला ने बताया कि कोरोना महामारी के कारण अनाथ हुए नौ बालक-बालिकाएं उक्त योजना में विभाग द्वारा लाभान्वित है। जिसमें बालक उत्सव कुमार गोयनका पुत्र विनोद गोयनका निवासी झुंझुनूं को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 10 लाख रूपए की ब्याज राशि प्राप्ति के लिए 'बचत खाते की पासबुक' प्रदान कर योजना से लाभान्वित किया।

वृद्धा को बंधक बनाकर मारपीट कर लूट, दो आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने दहशत फैलाने और मारपीट कर लूट की वारदात करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर आमजन में पुलिस का विश्वास दिलाने के लिए आरोपियों को मौके पर ले जाकर घटनास्थल की तस्दीक करवाई। इस दौरान पुलिस ने बाजार में आरोपियों का जुलूस भी निकाला। पुलिस ने आरोपियों को शहर के मुख्य बाजारों में पैदल चलाकर लोगों को भय मुक्त रहने का संदेश दिया। शातिर अपराधियों को मुख्य बाजारों में एक पैर पर लड़खड़ाते चलते हुए देखने वालों की भीड़ लग गई।

राजन दुष्यंत उप महानिरीक्षक पुलिस सह जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के सुपरविजन एवं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के नेतृत्व में थाना प्रभारी विराटनगर सोहनलाल मय टीम, कश्मीरसिंह उप निरीक्षक पुलिस चौकी मैड व सायबर सेल कोटपुतली द्वारा 12 जुलाई की रात्रि ग्राम पालड़ी में अज्ञात बदमाशों द्वारा घर में घुसकर वृद्ध महिला को बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट कर घर से सोने-चांदी के जेवरात व नकदी चोरी कर ले जाने की घटना में तीन टीमों का गठन किया। टीमों ने आपस में समन्वय स्थापित करते हुए घटना कारित करने वाले अपराधियों की पहचान कर संभावित स्थानों पर दबिश देते हुए विकास पुत्र ओमप्रकाश निवासी टीबी की ढाणी श्यामपुरा थाना विराटनगर, राकेश पुत्र ख्यालीराम निवासी द्वारिकापुरा थाना प्रागपुरा को गिरफ्तार किया और सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए। आरोपियों से गहनता से अनुसंधान कर अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ जारी है।

पुलिस ने आमजन को संदेश देने के लिए दोनों आरोपियों का बाजार में जुलूस निकाला।

वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि 12 जुलाई को प्रेम देवी (50) पत्नी स्व. रामनाथ कुम्हार निवासी पालड़ी थाना विराटनगर ने थाने में मामला दर्ज करवाया था कि 11 जुलाई की रात्रि करीब दो बजे अज्ञात बदमाशों ने घर में घुसकर मेरे साथ मारपीट की, जिससे कि मेरी आंखों पर सूजन आ गई। उन्होंने मेरे हाथ-पैर बांध दिए जिससे में घबरा गई व उनसे कहा कि मुझे जान से मत मारना। उसके बाद बदमाशों ने मुझसे मारपीट कर घर की चाबियां ले ली व मुझे चारपाई से बांध दिया। चाबियों से संदूक व अलमारियों के ताले खोलकर और उन्हें तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। घटना का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात में संलिप्त विधि से संघर्षरत दो बालक निरुद्ध किये हैं। उक्त वारदात में अज्ञात बदमाशों की पहचान व गिरफ्तार करने में पुष्पेंद्र कांस्टेबल साइबर सेल जिला कोटपुतली बहरोड़, देवीलाल कांस्टेबल पुलिस चौकी मैड थाना विराटनगर की अहम भूमिका रही।

- **वारदात में संलिप्त विधि से संघर्षरत दो बालक निरुद्ध**
- **प्रकरण में चोरी किया हुआ माल सोने व चांदी के जेवरात बरामद**

युवक का शव मिलने के मामले में परिजन एसपी कार्यालय पहुंचे

डीडवाना, (निसं)। जिले के परबतसर उपखण्ड क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम भकरी में उपतहसील कार्यालय के पीछे जंगल में एक युवक का शव मिलने के मामले में परिजनों ने एसपी कार्यालय पहुंचकर एसपी को एक परिवाद पेश किया। परिजनों ने पिलवा पुलिस पर जांच सही नहीं करने का आरोप लगाते हुए एसपी से जांच बदलने की मांग करते हुए मौलासर थानाधिकारी से जांच करवाने की मांग का परिवाद पेश किया है।

गौरतलब है कि भखरी गांव निवासी ओमप्रकाश रेगर ने चार जुलाई को पिलवा थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि मेरा भाई शिवराज चार दिन से लापता था, जिसका जानवरों से नोचा हुआ एक हाथ कटा शव उपतहसील के पीछे कच्ची सड़क के पास पगडंडी से कुछ दूरी पर झाड़ियों में मिला था। परिजनों ने एसपी को हत्या की आशंका जताते हुए जांच बदलने की मांग की है। परिजनों ने दी गई रिपोर्ट में आशंका जताते हुए बताया कि हमारे भाई की हत्या कर उसके शव को तेजाब से जला दिया व बायां हाथ काटा हुआ था, जिसकी सूचना पुलिस थाना, पीलवा में दी थी, परन्तु पुलिस थाना पीलवा ने अभी तक इस प्रकरण में कोई कार्रवाई नहीं की है। परिजनों ने बताया कि हमे जिन लोगों पर हत्या का शक है उनकी सूचना पिलवा थाने में देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। परिजनों ने एसपी से परिवाद मौलासर थाने में भेज कर भाई के हत्यारों को गिरफ्तार कर न्याय दिलवाने की मांग की है।

- **परिजनों ने जांच बदलने व जांच पिलवा थाना से मौलासर थानाधिकारी से करवाने की रखी मांग की**
- **चार दिन से लापता युवक का भकरी के जंगल में शव मिला था, मृतक शिवराज रैगर के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई**

ऑनलाइन संशोधन का मौका 28 तक

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अभियंता (कार्मिक क-4/2 विभाग) संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 में अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि व जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन करने का अवसर दिया गया है। ऑनलाइन संशोधन 22 से 28 जुलाई 2025 तक किए जा सकेंगे। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त भर्ती अंतर्गत सिविल, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल एवं कृषि अभियांत्रिकी के पदों हेतु परीक्षा का आयोजन 28 सितंबर 2025 को किया जाना प्रस्तावित है। परीक्षा हेतु जारी विज्ञापन में उल्लेखित शर्तों अनुसार ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों को दिया गया है। ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों के हितार्थ सुविधा मात्र है।

किराये की दुकान अपनी बताकर बेची

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने किराये की दुकान को अपनी बताकर बेचान करने वाले आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। पीड़ित अभिषेक अग्रवाल ने एडवोकेट आस्था बैरवा व चंदा वर्मा के जरिये अदालत में परिवाद प्रस्तुत कर बताया कि राहुल छाबड़ा नामक युवक ने तेली मोहल्ला स्थित चंद्रप्रभु जैन मंदिर के सामने एक दुकान को स्वयं के स्वामित्व की बताकर 25 लाख रूपये में बेचान कर दिया। इसकी एवज न्यायालय परिसर में विक्रय इकारनामा परिवादी के पक्ष में नोटेरी कराकर निष्पादित कर गवाहों की मौजूदगी में 5 लाख रूपये प्राप्त कर लिये और 14 माह बाद रजिस्ट्री कराने पर सहमति जताई। परिवादी ने तय मियाद मुताबिक रजिस्ट्री कराने के लिये बोला तो आरोपी ने इंकार करते हुए कहा दुकान मेरी नहीं है, में तो किरायेदार हूं। यह वाक्या सुनते ही परिवादी के पैरो तले जमीन खिसक गई। कोई परिणाम सामने नहीं आने पर न्यायालय में परिवाद पेश किया। अदालत ने एडवोकेट आस्था बैरवा व चंदा वर्मा के तर्कों से सहमत होते हुए मदनगंज थाना पुलिस को आरोपी राहुल छाबड़ा के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच के आदेश दिए हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने भारतीय विमेंस टीम की ओपनर प्रतीका रावल पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना के साथ ही एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया है। जबकि इंग्लैंड टीम स्लो ओवर रेट के लिए मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। – प्रतीका रावल

भारतीय विमेंस टीम की खिलाड़ी, मैच फीस पर जुर्माना लगते पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रवि शास्त्री

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री का मानना है कि अगर ऋषभ पंत विकेटकीपिंग के लिए फिट नहीं हैं, तो उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में नहीं खेलना चाहिए। तीसरे टेस्ट के पहले दिन पंत की उंगली में चोट लग गई थी, जिसके बाद ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की। भारत 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से पीछे है, और टीम प्रबंधन पंत को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले चौथे टेस्ट में बतौर बल्लेबाज खिलाने पर विचार कर रहा है। शास्त्री ने टीम मैनेजमेंट के फैसले का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे पंत की चोट खेलने से और गंभीर हो सकती है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट अगस्त 2021 में हुआ था, अब इंग्लैंड ने एक पारी और 76 रनों से बड़ी जीत दर्ज की थी।

इंडियन पोलो डे का इवेंट आज के तहत टूर ऑफ इंग्लैंड

जयपुर ट्रॉफी और इंडिया पोलो शील्ड (18 गोल) के लिए होंगे दो अहम टेलीकॉम, टीम जयपुर और गाड्र्स पोलो क्लब के बीच जयपुर ट्रॉफी का मुकाबला होगा

पद्मनाभ सिंह जयपुर पोलो टीम का नेतृत्व करेंगे

जयपुर, 18 जुलाई। सवाई पद्मनाभ सिंह 19 जुलाई को गाड्र्स पोलो क्लब, यूके में आयोजित इंडियन पोलो डे में जयपुर पोलो टीम का नेतृत्व करेंगे। इस आयोजन में दो प्रमुख समूह शामिल होंगे – पहला, 18 गोल इंडिया पोलो शील्ड फाइनल, जिसमें उच्च स्तर का कार्यक्रम शामिल है, और दूसरा, प्रतिष्ठित जयपुर ट्रॉफी, जिसमें टीम जयपुर और गाड्र्स पोलो क्लब के प्रमुख शामिल होंगे। जयपुर ट्रॉफी का इतिहास भी खास है – इसकी शुरुआत 1968 में हिज हाइनेस सवाई मान सिंह द्वितीय द्वारा की गई थी, जब वे ट्रॉफी गाड्र्स पोलो क्लब के स्टार थे। पहले कॉलेज में प्रिंस फिलिप और युवा प्रिंस चार्ल्स जैसे शाही खिलाड़ी भी शामिल थे। इसके बाद वर्षों तक राजमाता गायत्री देवी यहां यह ट्रॉफी उपलब्ध कराती रही। यह ट्रॉफी आखिरी बार 2011 में रिलीज हुई थी और अब एक दशक बाद हिज हाइनेस सवाई पद्मनाभ सिंह द्वारा इसे दोबारा शुरू किया जा रहा है। जयपुर टीम में एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह के अतिरिक्त, जैसल सिंह, अभिमन्यु पाठक और डैनियल ओटामेंडी शामिल हैं। वहीं, गाड्र्स पोलो क्लब टीम में विल एमर्सन, अलाउदम सिंह राय, डीनो धनखड़ और विश्वरूपे बजाज खेलेंगे। दोनों मैच भारत में लाइव प्रसारित होंगे। दर्शक भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे..पर देख सकते हैं।

प्रतीका रावल और इंग्लैंड टीम पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, 18 जुलाई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने भारतीय विमेंस टीम की ओपनर प्रतीका रावल पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना के साथ ही एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया है। जबकि इंग्लैंड टीम स्लो ओवर रेट के लिए मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। रावल पर यह जुर्माना बुधवार को साउथम्पटन में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पहले वनडे मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए लगा।

उन्हें के अनुच्छेद 2.12 का दोषी पाया गया है। यह नियम खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ, अंपायर, मैच रेफरी या दर्शक के साथ अनुचित व्यवहार शामिल है। रावल पर मैच के दौरान दो अलग – अलग घटनाओं के कारण कार्रवाई हुई रावल पर दो अलग-अलग घटनाओं के कारण यह कार्रवाई हुई। 18वें ओवर में रन लेते समय उन्होंने गेंदबाज लॉरेन फाइलर के साथ अनावश्यक शारीरिक संपर्क किया। इसके बाद, अगले ओवर में आउट होने के बाद पवेलियन लौटते समय उन्होंने गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन के साथ भी ऐसा ही अनुचित संपर्क किया।

इंग्लैंड निर्धारित समय से एक ओवर पीछे थी वहीं, इंग्लैंड महिला टीम पर धीमी ओवर-रेट के लिए 5 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया गया इंग्लैंड की टीम निर्धारित समय में एक ओवर पीछे थी। आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर की कमी के लिए खिलाड़ियों पर 5 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगता है। रावल और इंग्लैंड की कप्तान ने अपनी गलती स्वीकार ली रावल और इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की सदस्य सारा बार्टलेट की ओर से प्रस्तावित सजा को मंजूर कर लिया। इसलिए, औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

क्या कहता है कोड ऑफ कंडक्ट का नियम कोड ऑफ कंडक्ट के मुताबिक, लेवल-1 और लेवल-2 के उल्लंघन पर 1 से 2 डिमेरिट पॉइंट्स के साथ शून्य से 50 फीसदी मैच फीस लगती है। लेवल-3 के उल्लंघन करने पर 6 टेस्ट और 12 वनडे का सस्पेंशन मिलता है। रावल पर 1 डिमेरिट पॉइंट का जुर्माना लगाया गया है। वहीं, अगर कोई खिलाड़ी 24 महीने में चार या ज्यादा डिमेरिट पॉइंट जमा करता है, तो वे सस्पेंशन पॉइंट में बदल जाते हैं, जिसके बाद खिलाड़ी पर एक टेस्ट या दो वनडे या दो टी-20 मैचों का बैन लग सकता है। डिमेरिट पॉइंट 24 महीने तक रिकॉर्ड में रहते हैं, इसके बाद वे हटा दिए जाते हैं।

शमी की पूर्व पत्नी पर हत्या की कोशश का केस

पड़ोसी ने 10 साल की बेटी पर भी मामला दर्ज कराया, जमीन को लेकर हुआ विवाद

पश्चिम बंगाल, 18 जुलाई। मोहम्मद शमी की पूर्व पत्नी हसीन जहां और उनकी 10 साल की बेटी आरशी जहां के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पड़ोसी डालिया खातून ने हसीन और आरशी पर हत्या की कोशिश, साजिश और मारपीट जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।

जमीन को लेकर विवाद

हसीन और पड़ोसी डालिया के बीच विवाद जमीन को लेकर हुआ। बीरभूम जिले में सूरी नगरपालिका के वार्ड नंबर 5 के सोनाटोर इलाके में एक जमीन है, जो आरशी के नाम पर है। डालिया का दावा है कि यह जमीन विवादित है।

डालिया को हॉस्पिटल में भर्ती करना पड़ा

हसीन ने जब उस जमीन में निर्माण शुरू किया, तो दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में हसीन काले टी-शर्ट और जींस में डालिया से भिड़ती दिख रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि झगड़े में डालिया के सिर में चोट लगी और उन्हें सूरी सदर अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। डालिया ने आरोप लगाया कि हसीन और उनकी बेटी ने उनकी हत्या की कोशिश की। सूरी पुलिस स्टेशन में हसीन और आरशी के खिलाफ दर्ज की गई है। हसीन ने भी स्थानीय तृणमूल पार्षद के पति काजी फरजुद्दीन के खिलाफ जवाबी शिकायत दर्ज की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खिलाड़ी प्रतिबंधित दवाओं के सेवन से बचे : डॉ. नीरज कुमार पवन

500 खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों ने भाग लिया सेमीनार में

जयपुर, 18 जुलाई। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के इतिहास में पहली बार एंटी डोपिंग शिक्षा एवं जागरूकता कार्यशाला का आयोजन प्रशिक्षको और खिलाडियों के लिए किया गया। कार्यशाला में भारत सरकार की एंटी डोपिंग की पूरी टीम ने यहा आकर प्रतिबन्धित दवाओं के सेवन से बचने के उपाय बताए और साथ ही इसके दुष्प्रभावों के बारे में भी जानकारी दी। सेमीनार का उद्घाटन डॉ. नीरज कुमार पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग व अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने किया।

इस अवसर पर डॉ. नीरज कुमार पवन ने कहा कि सारे खिलाडियों, सभी प्रशिक्षको को इस सेमीनार में बताया कि प्रतिबन्धित दवाओं का सेवन नहीं करना चाहिए, अगर कोई ऐसा करता है तो उसके क्या-क्या कानूनी प्रावधान है और उसे सजा भी हो सकती है साथ ही राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय पर उसका पदक भी छीना जा सकता है। इससे देश व प्रदेश की बदनामी होती है। इस लिए खिलाडियों को प्रतिबन्धित दवाओं के सेवन से बचना चाहिए। उन्होने बताया कि कोनसी दवाई ले सकते है और कोनसी नहीं इस बारे में नो योअर मेडिसन एप पर जाकर चेक कर सकते है। मंत्री महोदय के प्रयासो से भारत सरकार ने पहली बार यहा खिलाडियों के लिए इस तरह की सेमीनार का आयोजन करने में मदद की है। इस अवसर पर नाडा के डोप कन्ट्रोल ऑफिसर कम एजुकेटर श्री विकास त्यागी ने सेमीनार में उपस्थित करीब 500 प्रशिक्षको व खिलाडियों नाडा के बारे में बताते हुये कहा कि कोनसे सप्लीमेंट्स लेने चाहिए और कोनसे नहीं। सप्लीमेंट्स लेने से पूर्व डॉक्टर, पोषण विशेषज्ञ और चिकित्सा विशेषज्ञ से सलाह ले।

सप्लीमेंट्स लेना पूरी तरह से बंद कर दे यदि उनका कोई विकल्प उपलब्ध है। साथ ही प्रतिबन्धित पदार्थो और तरीको से बचे रहे, अपने नमूने समय पर जमा करवायें। माता व पिता को भी चाहिये कि वे प्रतिबन्धित दवाओं से दूर रहने के लिए अपने बच्चो को जागृत करें । उन्होने खिलाडियों को डोप परीक्षण प्रक्रिया के दौरान अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में भी बताया। डोपिंग नियंत्रण स्टेशन पर खिलाडी अपने पसंद के प्रतिनिधि को नामित करने, नमूना संग्रहण प्रक्रिया के बारे में जानकारी लेने, रिपोर्ट पर देरी होने पर पूछने, जरूरत पडने पर अनुवादक के लिए अनुरोध करने का अधिकार है। साथ ही श्री ओपी शर्मा, डोप कन्ट्रोल ऑफिसर कम एजुकेटर ने भी सेमीनार में अपने विचार व्यक्त किये।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया ने बताया कि नाडा की एप के द्वारा खिलाडी प्रतिबन्धित दवाओं के बारे में जान सकते है। बीमार होने पर चिकित्सक द्वारा लिखि जाने वाली दवाई को भी खिलाडी उस एप के माध्यम से चेक कर सकता है। खिलाडी कई बार ऐसी दवाओं के सेवन से एक बार तो अपनी परफोरमेंस तो बढा सकता है लेकिन बडे लेवल पर परफोरमेंस पर फर्क पडता है। ऐसी दवाओं का असर एक डेढ वर्ष तक रहता है। इस लिए खिलाडियों को अच्छी डाईट और अच्छी टेनिंग से ही अपना प्रदर्शन बढायें। इस मौके पर श्री राजेन्द्र सिंह, सचिव, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद, खेल प्रबन्धक, प्रभारी खेल अधिकारी, नियमित प्रशिक्षक, फिजियाथेरेपिस्ट, एवं एन.आई.एस. डिप्लोमाधारी अल्पकालीन प्रशिक्षक एवं खिलाड़ी आदि मौजूद थे।

बीसीसीआई को 2023-24 में 9742 करोड़ की कमाई हुई बोर्ड के पास 30 हजार करोड़ रिजर्व में

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है और इसकी कुल आय 9742 करोड़ रुपए रही। फर्म रेडिफ्यूजन की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से आया। अकेले 5,761 करोड़ रुपए का योगदान दिया। यानी बोर्ड की कुल कमाई का 59 हिस्सा से आया।

गैर- मीडिया राइट्स से को 361 करोड़ रुपए की आमदनी हुई। अब की सबसे बड़ी आय का सोर्स बन चुका है और रणजी ट्रॉफी समेत घरेलू क्रिकेट के खिलाड़ियों को बड़े मौके भी दे रहा है। पास 30,000 करोड़ रुपए रिजर्व में रेडिफ्यूजन के मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप गोयल ने कहा, के पास रणजी ट्रॉफी, दलीप ट्रॉफी और सीके नायडू ट्रॉफी जैसे डोमेस्टिक टूर्नामेंट को व्यवसायिक बनाने की बड़ी क्षमता है, जिससे गैर- राजस्व बढ़ सकता है। बोर्ड के पास करीब 30,000 करोड़ रुपए रिजर्व में है, जिससे हर साल लगभग 1,000 करोड़ रुपए ब्याज मिलता है।

ऐसे पैसा कमाता है

मीडिया राइट्स : मीडिया और ब्रॉडकास्टिंग राइट्स यानी के मैचों के टेलीकास्ट करने का अधिकार। मैच के लाइव टेलिकास्ट के अलावा हाइलाइट्स तक सिर्फ वही कंपनी दिखा सकती है, जिसके पास मीडिया राइट्स हों। इससे ही को सबसे ज्यादा रेवेन्यू मिलता है।

टाइटल स्पॉन्सरशिप : साल 2008 में टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए सालाना 50 करोड़ दिए गए थे। वहीं, 2023 में ये आंकड़ा सालाना 300 करोड़ से ज्यादा हो गया। टाटा और के बीच दो साल की डील हुई थी, इसके लिए कुल 600 करोड़ दिए गए।

फ्रेंचाइजी फीस : कोई भी नई टीम जब का हिस्सा बनती है, इसके लिए फ्रेंचाइजी फीस देनी होती है। ये पूरा प्रोसेस बोली लगाकर होता है, जिसमें अलग-अलग कंपनियां या ग्रुप टीम खरीदने के लिए बिडिंग प्रोसेस का हिस्सा बनते हैं। साल 2022 में जब गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजायंट्स लीग का हिस्सा बनीं, तो के खाते में 12500 करोड़ जुड़ गए।

लॉस एंजिलिस ओलिंपिक क्वालिफिकेशन तय करने के लिए नया ग्रुप बनेगा

इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की न्यूनतम आयु 15 साल होगी

नई दिल्ली, 18 जुलाई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कई महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के लिए एक वर्किंग ग्रुप बनाने का फैसला किया है। इसमें क्रिकेट के हर फॉर्मेट की संरचना और 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया शामिल है। यह भी तय हुआ कि सीनियर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भाग लेने की न्यूनतम आयु 15 वर्ष रहेगी, लेकिन विशेष मामलों में इसकी समीक्षा की जा सकती है। यह फैसले शुक्रवार (18 जुलाई) को सिंगापुर में हुई मुख्य कार्यकारी समिति की बैठक में लिए गए। शनिवार को एक वर्किंग ग्रुप बनाया जाएगा। इस ग्रुप में और बोर्ड के सदस्य शामिल होंगे। इसका मुख्य काम 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफिकेशन का तरीका सुझाना होगा। का मानना है कि रैंकिंग के आधार पर टीमें चुनी जा सकती हैं, लेकिन जय शाह की अध्यक्षता वाली ने यह निर्णय वर्किंग ग्रुप पर छोड़ दिया है। कुछ लोग क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट कराने का सुझाव दे रहे हैं, लेकिन समय की कमी और व्यस्त फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम के कारण यह मुश्किल है। फिर भी, ग्रुप से सभी संभावित विकल्पों की जांच करने को कहा जाएगा। अगर रैंकिंग के आधार पर क्वालिफिकेशन का सुझाव आता है, तो ग्रुप को रैंकिंग की अंतिम तारीख भी बतानी होगी। नए संजोग गुप्ता की अध्यक्षता वाली बैठक में यह भी बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की न्यूनतम आयु 15 वर्ष रहेगी, जैसा कि की मेडिकल सलाहकार समिति ने सुझाया था। हालांकि, विशेष परिस्थितियों में छूट दी जा सकती है । ओलिंपिक में 6 मेंस और 6 विमेंस टीमें भाग लेंगीओलिंपिक में केवल 6 पुरुष और 6 महिला टीमें भाग लेंगी। टेस्ट क्रिकेट के 2-तैयार सिस्टम पर में कोई चर्चा नहीं हुई, लेकिन माना जा रहा है कि वर्किंग ग्रुप से इस पर सुझाव मांगा जाएगा। साथ ही, ग्रुप से वनडे और टी20 फॉर्मेट में बदलाव के लिए भी सिफारिशें देने को कहा जाएगा। बोर्ड क्रिकेट के भविष्य पर फैसला लेगा। हाल ही में एक नॉर्मलाइजेशन कमेटी ने का दौरा किया और से इस्तीफा देने को कहा, लेकिन के कुछ सदस्यों ने इसका विरोध किया है। चूंकि ओलिंपिक में होने वाले हैं।

खिलाड़ी तनवीर पड़िहार और कोच राहुल भाकर का डीडवाना में स्वागत

तनवीर पड़िहार और मुख्य कोच राहुल भाकर ने अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया है

पेरिस हैंडबॉल वर्ल्ड कप और स्वीडन पार्टिल वर्ल्ड कप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व कर लौटे हैं

डीडवाना, 18 जुलाई। पेरिस हैंडबॉल वर्ल्ड कप और स्वीडन पार्टिल वर्ल्ड कप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व कर लौटे वंडर बॉय के नाम से मशहूर, डीडवाना के लाल तनवीर पड़िहार और मुख्य कोच राहुल भाकर का शहर में ऐतिहासिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर बांगड़ अस्पताल चौराहे से शुरू होकर मुख्य मार्गों से होते हुए सीकेएस अस्पताल तक एक भव्य वाहन रैली निकाली गई, जिसमें दोनों खेल नायक खुली जीप में सवार थे। इस दौरान जगह-जगह पुष्प वर्षा कर लोगों ने उनका स्वागत किया। खिलाड़ी तनवीर पड़िहार, जो भारतीय हैंडबॉल टीम में बतौर गोलकीपर शामिल रहे, ने हाल ही में पेरिस वर्ल्ड कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं, कोच राहुल भाकर ने बतौर मुख्य प्रशिक्षक टीम का नेतृत्व किया।

मीडिया से बातचीत के दौरान राहुल भाकर ने कहा कि आने वाला समय खेलों का है। आज के युवा अगर खेल के प्रति समर्पित रहें, तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं। जरूरी है कि वे नशे से दूर रहें और अनुशासित जीवन अपनाएं। राजस्थान में खेलों की अपार संभावनाएं हैं, बस हमें संसाधन और सही मार्गदर्शन की जरूरत है। गोलकीपर तनवीर पड़िहार ने भी अपनी यात्रा साझा करते हुए कहा कि मैंने 2022 में मारवाड़ स्पोर्ट्स एकेडमी से खेलना शुरू किया था। निरंतर अभ्यास, फिटनेस और कोचिंग की बदौलत आज यह मुकाम हासिल किया है। मैं सभी युवाओं से कहना चाहता हूं कि असफलता से घबराएं नहीं, लगातार प्रयास करते रहें।

मारवाड़ स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष डॉ. सोहन चौधरी ने इस मौके पर कहा कि डीडवाना जैसे कस्बे से निकले खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा साबित कर दी है। अगर सरकार और समाज खिलाड़ियों को आवश्यक संसाधन और सुविधाएं दे, तो ये युवा ओलंपिक जैसे मंचों पर भी देश का झंडा बुलंद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि डीडवाना ने दिखा दिया है कि जब जज़्बा, जुनून और जनसमर्थन मिल जाए, तो एक छोटा शहर भी अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर अपनी छाप छोड़ सकता है।

कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा नेता रामाकिशन खीचड़ ने कहा कि डीडवाना का यह गौरव पूरे जिले के लिए प्रेरणास्पद है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि शहर में इंडोर गेम्स के लिए आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की स्थापना की जाए ताकि और खिलाड़ी उभर सकें। भाजपा नेता श्याम प्रताप सिंह राठौड़ ने कहा कि तनवीर और राहुल ने न केवल खेल में उत्कृष्टता दिखाई, बल्कि युवाओं के लिए एक आदर्श प्रस्तुत किया है। यह साबित करता है कि छोटे शहरों में भी बड़ी प्रतिभाएं जन्म लेती हैं। वहीं युवा समाजसेवी योगेश लाल शर्मा ने कहा कि यह पल डीडवाना के हर नागरिक के लिए गर्व का है। तनवीर और राहुल जैसे युवाओं ने यह दिखा दिया है कि जुनून, मेहनत और मार्गदर्शन के साथ कोई भी युवा देश का नाम रोशन कर सकता है। इस अवसर पर डॉ. बजरंग सिंह राठौड़, अब्दुल रहीम पड़िहार, सरपंच नवाज शरीफ, जुनैद कोटवाल, हुसैन रजा खूनखुना, आनंद अंबापा सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, युवा और समाजसेवी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शिष्टाचार भेंट की।

पचास साल बाद अजमेर में फिर बाढ़ के हालात

दरगाह परिसर में पानी भरा, चौरसियावास तालाब की पाल टूटने से अनेक कॉलोनियों के घरों में पानी भरा

शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे से शुरू हुई मूसलाधार बरसात से अजमेर शहर में बाढ़ जैसे हालात हो गए।

- कोटड़ा में मंगलम अपार्टमैंट की दीवार ढहने से कई कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। पानी की तेज आवक से जर्जर दीवार ढही।
- पुष्कर रोड पर आदर्श विद्या मंदिर, सेंट पॉल स्कूल व सेंट फ्रांसिस स्कूल में पानी भरा।
- पुष्कर सरोवर लबालब भरा। अजमेर जिले में आस्था का केन्द्र, भट बावड़ी गणेश मंदिर पचास साल बाद पानी में डूबा।

अजमेर, 18 जुलाई (निसं)। दिन शुक्रवार, तारीख 18, महीना जुलाई, वर्ष 2025 को अजमेर शहर में एक बार फिर बाढ़ के वही हालात नज़र आए, जो 18 जुलाई 1975 में दिखे थे। वह दौर शहर के पुराने लोगों को आज भी याद है। शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे से शुरू हुई मूसलाधार बरसात से अजमेर शहर में बाढ़ जैसे हालात हो गए। मूसलाधार बरसात से शहर की कई कॉलोनियां और सड़क मार्ग जलमग्न हो गये। ख्वाजा साहब की दरगाह परिसर में पानी भर गया। तेज बरसात से चौरसियावास तालाब की पाल टूटने के बाद फ्रेंड्स कॉलोनी, चौधरी कॉलोनी सहित, आस-पास की कॉलोनियों के घरों में पानी भर गया। अंदरकोट इलाके में पहाड़ी का मलबा एक झोपड़ी पर गिर गया, गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। तारागढ़ नई सड़क पर चट्टान गिरने से मार्ग अवरूद्ध हो गया।

जिला कलेक्टर लोक बंधु, नगर निगम आयुक्त देशल दान ने शहर के उन क्षेत्रों का दौरा किया, जहां पानी भर गया है। एसडीआरएफ की टीम ने इन क्षेत्रों में फंसे लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

मूसलाधार बारिश के कारण बांडी नदी में पानी की तेज आवक होने से नदी उफान पर आ गई। नदी की एक दीवार गिरने से आस पास की कॉलोनियों में खतरा मंडराने लगा। नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंच कर मोर्चा संभाला। टूटी दीवार का मलबा पोकलेन मशीन से बाहर निकाला गया। कोटड़ा स्थित मंगलम अपार्टमेंट की दीवार ढहने से कई कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। पानी की तेज आवक की वजह से जर्जर दीवार ढह गई और यह हादसा हो गया। अपार्टमेंट में रहने वाले लोग दहशत में है।

बांडी नदी के उफान को देखते हुए, नगर निगम प्रशासन ने पुष्कर रोड को बंद कर दिया। फायर ब्रिगेड की गाड़ी सड़क के बीचों बीच लगाकर यातायात को दोनों तरफ से रोक दिया गया। लोगों ने बताया कि बांडी नदी की एक और दीवार क्षतिग्रस्त होकर गिरने की कगार पर है, जिससे पानी सड़क पर आ सकता है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मूसलाधार बारिश के बाद, जिला कलेक्टर, अजमेर विकास प्राधिकरण के आयुक्त और नगर निगम आयुक्त को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कई कॉलोनियों में पम्प लगाकर पानी निकाला गया। फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी गीता देवी ने बताया कि सुबह ऐसा लगा कि हम आंगन में नहीं, तालाब में खड़े थे। फ्रिज से लेकर रसोई के बर्तन तक, सब पानी में डूब गए।

दरगाह बाजार में बाइक सवार दो युवक बह गए, आस पास खड़े लोगों ने उन्हें बचाया। कई जगह लोग अपने वाहनों को धक्का लगाकर सुरक्षित स्थान तक ले जाते देखे गए।

अजमेर जिला कलेक्टर लोक बंधु और नगर निगम आयुक्त देशल दान ने शहर के जल भराव क्षेत्र का जायजा लिया।

कलेक्ट्रेट स्थित कंट्रोल रूम अलर्ट मोड पर है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। स्कूलों में भी छुट्टी कर दी गई है। कई स्कूलों में पानी भर गया। पुष्कर रोड स्थित आदर्श विद्या मंदिर, सेंट पॉल स्कूल, सेंट फ्रांसिस स्कूल में पानी भर गया।

तीर्थ नगरी पुष्कर में अल सुबह से हुई बरसात के चलते, सरोवर में करीब 16 फीट पानी की आवक हुई। लगातार मूसलाधार बरसात से नाग पहाड़ी से झरने फूट पड़े, जिससे सरोवर की तीनों फीडर ने विकराल रूप धारण कर लिया और पुष्कर सरोवर लबालब हो गया। खेतों व नर्सरियों में पानी भरने से किसानों को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही हैं। अजमेर व पुष्कर के लोगों की आस्था का प्रतीक भट बावड़ी गणेश मंदिर पचास साल बाद पानी में डूब गया। मंदिर 6 फीट तक डूबा हुआ है।

जालोर जिले के नदी-नालों में तेजी से पानी आया

जालोर, 18 जुलाई (कासं)। जालोर जिले में शुक्रवार को दिनभर, कभी तेज तो कभी रिमझिम, बारिश का दौर जारी रहने से चारों ओर पानी ही पानी नजर आने लगा है। बारिश के कारण जिले के कई नदी -नालों में पानी की आवक हो रही है।

जालोर में तेज बारिश के कारण

- शहर के हायर सैकण्डरी स्कूल में पानी भरा। बांकली बाँध व वणधर बाँध में पानी बढ़ा। तिलक द्वार, बड़ी पोल, लाल पोल में तेज गति से बहते पानी के कारण भय का वातावरण।

शुक्रवार को शहर के कई इलाकों में पानी बहने लगा। आसमान में बादल छाये रहे और दिनभर कभी रिमझिम तो कभी मूसलाधार बारिश के कारण शहर के तिलकद्वार, बड़ी पोल, लाल पोल से पानी तेज गति से बहने लगा। शहर के पंचायत समिति कार्यालय से गिटको होटल तक पानी भर जाने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जालोर में कई जगह निकासी नही होने से कई कॉलोनियों में पानी भर गया। हायर सैकेण्डरी स्कूल में पानी भर जाने से विधार्थियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। बांकली बांध, वणधर बांध सहित, कई बांधों में पानी की आवक हो रही है। भेटाला, सरत कुडा सहित, कई मार्गों पर पानी भर गया है जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। जिले भर में तेज बारिश के कारण मौसम सुहावना हो गया है।

आप पार्टी ने इंडिया गठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का खेल नहीं है। क्या लोकसभा चुनाव 2024 के बाद उन्होंने कोई बैठक की? क्या इंडिया गठबंधन के विस्तार की कोई पहल हुई? कभी वे अखिलेश यादव की आलोचना करते हैं, कभी उद्धव ठाकरे की, तो कभी ममता बनर्जी की। इंडिया ब्लॉक को एकजुट रहना चाहिए था। कांग्रेस इस गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी है। लेकिन क्या उसने विपक्षी एकता सुनिश्चित करने में कोई भूमिका निभाई?

जोधपुर के अरना-झरना क्षेत्र में एक युवक की डूबने से मौत

जोधपुर व पाली में भारी वर्षा से कॉलोनियों में पानी भरा, बनियावास बाँध ओवरफ्लो हुआ

- जोधपुर में शहर के भीतरी क्षेत्र, महामंदिर, पावटा, बासनी, हैवी इंडस्ट्रीज एरिया, पॉल रोड, आदि में सड़कें जलमग्न हुईं व कॉलोनियों में पानी भरा।
- शुक्रवार को जवाई बाँध में पानी का गेज 24.90 फीट दर्ज हुआ। तख्तगढ़, घाणेराव, सादड़ी में तेज वर्षा रिकॉर्ड हुई।

जोधपुर/पाली, 18 जुलाई (कासं)। जोधपुर में रुक-रुककर बारिश का दौर चल रहा है। शहर के कई इलाकों में शुक्रवार को सुबह मूसलाधार बारिश हुई। शहर के भीतरी क्षेत्र, महामंदिर, पावटा, बासनी, हैवी इंडस्ट्रीज एरिया, पाल रोड सहित, कई इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गईं और कई कॉलोनियों में भी पानी भर गया।

वहीं, मौसम विभाग ने शनिवार को भी बारिश की संभावना जताई है। अरना-झरना क्षेत्र में तीन युवक पानी में फंस गए। इनमें से दो युवकों को तो लोगों ने सकुशल बाहर निकाल लिया, लेकिन एक की पानी में डूबने से मौत हो गई।

राजीव गांधी नगर थानाधिकारी सुरेश पोटलिया ने बताया कि दोपहर करीब दो बजे तीन युवक अरना-झरना क्षेत्र में घूमने गए थे। यहां पानी में नहाने उतरे, लेकिन ये तीनों वहां फंस गए। इनमें से दो को तो लोगों ने निकाल लिया, लेकिन एक को नहीं बचाया जा सका। गोताखोरों की मदद से उसके शव को बाहर निकाला गया। बाद में उसकी पहचान मूलत: बाड़मेर के रावतसर, हाल केरू रोड पर सुनारों की ढाणी निवासी मुरीद खां (23) पुत्र बाबू खां के रूप में हुई है। वह ट्रक ड्राइवर था और दोस्तों के साथ यहां नहाने आया था। फिलहाल, शव को एमडीएमएच मोर्चरी में रखवाकर उसके परिजनों को सूचना दे दी गई है। शहर में जुलाई में अब तक कुल 103.5 एमएम बारिश रिकॉर्ड हो चुकी है, जबकि जुलाई की कुल औसत बारिश का रिकॉर्ड 119.7 एमएम है।

पाली शहर में शुक्रवार को फिर बरसात का दौर शुरू हो गया है। शुक्रवार रात दो बजे पाली शहर में बरसात शुरू हुई और दोपहर दो बजे तक, कभी रिमझिम और कभी तेज, बारिश होती रही, जिससे पाली के निकट बनियावास बांध ओवरफ्लो हो गया। इसका पानी नदी में आने से नदी का प्रवाह भी तेज होगा। जिले के देसूरी, सांडेराव और सादड़ी इलाकों में भी बारिश का दौर जारी है। जवाई बांध का गेज शुक्रवार को 24.90 फीट दर्ज किया गया। रणकपुर मघाई नदी में भी पानी की आवक हुई। शहर की सड़कें बरसाती पानी में डूबी नजर आईं। जिले के अधिकतर हिस्सों में अच्छी बरसात के समाचार हैं।

छत्तीसगढ़ के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बघेल पूरी तरह से समझौता कर सकते हैं और भाजपा द्वारा चुने गए उम्मीदवारों को टिकट दे सकते हैं।

कई कांग्रेस नेताओं को भाजपा द्वारा उनके गलत कामों या चुप्पी के कारण निशाना बनाया गया है, और उन्हें 'समझौते' के लिए मजबूर किया गया है।

इसी कारण पार्टी में ऊंचे पदों पर बैठे कई वरिष्ठ नेता ऐसे फैसले ले रहे हैं, जो न तो तर्कसंगत हैं और न ही जायज़। जब राहुल गांधी कांग्रेस में विभिन्न राज्यों में फैले भाजपा के 'स्लीपर सेल्स' की बात करते हैं, तो उन्हें खुद अपने एआईसीसी मुख्यालय में बैठे 'नवरत्नों' की ओर भी देखना चाहिए, जो दिखने में तो कांग्रेस के हैं, लेकिन शक्ति उन्हीं से पाते हैं, जो असल में सत्ता में हैं। युवाओं की एक नई टीम बनाकर पार्टी को पुनर्गठित करने की कोशिश में राहुल गांधी कहीं इस ऐतिहासिक पार्टी को अपूरणीय क्षति न पहुँचा दें।

प्र.मंत्री मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री ने महिलाओं की भूमिका की विशेष प्रशंसा की और कहा कि राज्य में लखपति दीदियों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा शुरू की गई "जीविका दीदी" योजना ने लाखों दीदियों को आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता खोला है।"

क्या एक अमेरिकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या किसी अमेरिकी नागरिक को उसके राजनीतिक विचारों या विदेश नीति से जुड़ी प्राथमिकताओं के आधार पर नागरिकता से वंचित किया जा सकता है? क्योंकि उपरोक्त तीन में से दो व्यक्तियों, जो अमेरिकी नागरिक बने थे, के ऊपर पर नागरिकता प्राप्त करने के लिए झूठी जानकारी देने और तथ्यों को छुपाने के आरोप लगे हैं।

जहाँ तक रोज़ी ओ'डॉनेल का सवाल है, वे मैनहैटन में जन्मी थीं और उनके माता-पिता अमेरिकी नागरिक थे। वे जन्म से अमेरिकी नागरिक हैं और विशेषज्ञों का कहना है कि जन्मजात अमेरिकी नागरिक की नागरिकता समाप्त करने का कोई प्रावधान नहीं है।

एलन मस्क को 2002 में और ममदानी को 2018 में अमेरिका की नागरिकता मिली थी। अमेरिकी कानून के अनुसार, किसी व्यक्ति की नागरिकता सिर्फ एक संघीय अदालत (फैडरल कोर्ट) के जरिए ही छीनी जा सकती है। इसके लिए सरकार को अदालत में बिना किसी शर्त यह साबित करना होगा कि नागरिकता गलत तरीके से मिली थी।

गलत जानकारी देने या झूठे दावे करने का सबूत देने की ज़िम्मेदारी राज्य सरकार की होती है और इसे अदालत में सिद्ध करना होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के राष्ट्रपति सहित, कोई भी प्रशासनिक अधिकारी किसी की नागरिकता सीधे नहीं छीन सकता।

मस्क की नागरिकता समाप्त करने की धमकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा तब दी गई, जब मस्क ने कुछ राजनीतिक मुद्दों पर ट्रंप की तीखी आलोचना की। मस्क ने ट्रंप के "बिग एण्ड ब्यूटिफुल बिल" का विरोध किया, जो सरकार को अधिक ऋण लेने का अधिकार देता है।

मस्क ने इस कदम का विरोध किया और कहा कि इस कदम से सरकार की वित्तीय स्थिति और असंतुलित हो सकती है। इस बिल से करीब 3.8 ट्रिलियन डॉलर का अतिरिक्त घाटा और सार्वजनिक कर्ज बढ़ने का अनुमान है। मस्क, छोटी सरकार और सरकारी खर्च में कटौती की वकालत कर रहे हैं।

इन मतभेदों के बाद, मस्क ने अपनी राजनीतिक पार्टी शुरू करने का प्रस्ताव दिया, जिससे ट्रंप और उनके संबंध और अधिक खराब हो गए। इसके बाद ट्रंप ने मस्क को दक्षिण अफ्रीका (जहाँ वे जन्मे थे) वापस भेजने की धमकी दी।

रोज़ी ओ'डॉनेल अब आयरलैंड चली गई हैं और वहाँ की नागरिकता लेने की सोच रही हैं।

उन्होंने दावा किया है कि उनके दादा-दादी आयरिश थे।

लेकिन असली सवाल यह उठ रहा है कि क्या राजनीतिक विचारों और मतभेदों को आधार बनाकर लोगों को दंडित किया जा सकता है? और यदि ऐसा हुआ, तो फिर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का क्या होगा?

बिहार में बिजली गिरने से 24 घंटे में 19 की मौत

पटना, 18 जुलाई। बिहार में पिछले 24 घंटों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ऑफिस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, सबसे ज्यादा पांच मौत नालंदा में हुईं, उसके बाद वैशाली (चार), बांका और पटना दो-दो लोगों की मौत हुई।

बयान में बताया गया कि इसके अलावा, शेखपुरा, नवादा, जहानाबाद, औरंगाबाद, जमुई और समस्तीपुर जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

- सबसे ज्यादा 5 मौतें नालंदा में हुईं। प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इन मौतों पर शोक व्यक्त करते हुए, प्रत्येक मृतक के परिजन को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की और लोगों से खराब मौसम के दौरान पर्याप्त सावधानी बरतने का आग्रह किया।

सीएम नीतीश ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें।

छात्रा की उत्तर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के अन्य पेजों की लिखावट किसी अन्य विद्यार्थी की लग रही थी। याचिका के साथ याचिकाकर्ता का हस्तलिखित पत्र पेश कर कहा गया कि उसकी उत्तर पुस्तिका के अंदर के पेज बदल दिए गए हैं, जिसके चलते उसके इतने कम अंक आए हैं। ऐसे में याचिकाकर्ता की मूल उत्तर पुस्तिका की जांच की जाए और उसकी संशोधित अंकतालिका जारी की जाए। याचिका में यह भी गुहार की गई है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी प्रणाली स्थापित की जाए, जिससे किसी विद्यार्थी के साथ अन्याय नहीं हो। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने सीबीएसई के संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करते हुए याचिकाकर्ता की उत्तर पुस्तिका से जुडा रिकॉर्ड सुरक्षित रखने को कहा है।

लड़ाकू विमानों के इंजन बनाने के लिए फ्रांस से डील की भारत ने

6100 करोड़ रु. की लागत की इस डील के तहत अब लड़ाकू विमानों के इंजन भारत में ही बनेंगे

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारत अब लड़ाकू विमानों के इंजन भी खुद बनाएगा। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने फ्रांस के साथ मिलकर एक बड़ा प्रोजेक्ट शुरू करने की सिफारिश की है। कहा जा रहा है कि प्रोजेक्ट की लागत करीब 61,000 करोड़ रुपये होगी। ज्ञातव्य है कि, देश के सभी लड़ाकू विमान अभी विदेशी इंजनों पर निर्भर हैं, जिससे उनकी लागत और मेंटिनैंस काफी महंगे पड़ते हैं। माना जा रहा है कि अगले 10 सालों में भारत को 250 से ज्यादा नए जेट इंजन की जरूरत पड़ेगी।

रक्षा मंत्रालय ने इस दिशा में कई स्तरों पर बातचीत और तकनीकी जांच के बाद फ्रांस के साथ साझेदारी को देशहित में बताया है। यह साझेदारी भारत को अपने खुद के फाइटर जेट इंजन बनाने में मदद करेगी। इस योजना के तहत भारत और फ्रांस मिलकर एक 120 किलोन्यूटन (120 केएन) ताकत वाला फाइटर जेट इंजन बनाएंगे, जो भविष्य के एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) जैसे विमानों में लगेगा। इस प्रोजेक्ट को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का पूरा समर्थन मिला है। प्रोजेक्ट के लिए फ्रांस की कंपनी सैफ्रान और ब्रिटेन की रोल्स रॉयस की ओर से प्रस्ताव मिले थे। लेकिन फ्रांस की कंपनी ने पूरी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की पेशकश की है, जो भारत के लिए बड़ा फायदा हो सकता है। योजना के अनुसार यह फाइटर जेट इंजन भविष्य में बनने वाले लड़ाकू विमानों में इस्तेमाल होंगे, जिसमें एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) भी शामिल है।

ईडी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किए थे। अब फिर से आई है। इसका क्या मतलब है? हम पूरी तरह से सहयोग करेंगे, चाहे वे हम पर भरोसा करें या नहीं, हमें लोकतंत्र और न्यायपालिका पर विश्वास है। वे (भाजपा) एजेंसी का दुरुपयोग कर रहे हैं, लेकिन हम फिर भी सहयोग करेंगे।"

उन्होंने छापेमारी के समय पर भी सवाल उठाये। दरअसल, आज ही चैतन्य का जन्मदिन है।

उन्होंने कहा, "दुनिया के किसी भी लोकतंत्र में कोई भी जन्मदिन का ऐसा तोहफा नहीं दे सकता, जैसा सरकार ने दिया है। मेरे जन्मदिन पर मेरे सलाहकार और दो ओएसडी के घर ईडी भेजी थी। और अब मेरे बेटे चैतन्य के जन्मदिन पर, मेरे घर पर ईडी की टीम ने छापा मारा है। इन तोहफों के लिए धन्यवाद। मैं इन्हें जीवन भर याद रखूंगा।"

चैतन्य को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया।

बघेल ने अदालत परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, "आप सभी जानते हैं कि अडानी खनन करना और जंगल काटना चाहते हैं, और कांग्रेस पार्टी इसके खिलाफ खड़ी है। इस कारण यह कार्रवाई की जा रही है।"

बघेल और विधानसभा में विपक्ष के नेता चरणदास महंत राज्य विधानसभा की कार्यवाही का बहिष्कार करने के बाद अदालत पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्रीय जांच एजेंसियां विपक्षी नेताओं और उनके परिवारों को परेशान करने की कोशिश कर रही हैं।

इससे पहले, जब ईडी ने चैतन्य को गिरफ्तार किया था, उनके घर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था, वहीं कुछ कांग्रेस समर्थक भी इकट्ठा थे।

सूत्रों के अनुसार, विशेष पीएमएलए अदालत ने चैतन्य को पांच दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल इस महीने की शुरुआत में तहसील मुख्यालय गये थे तथा वहां उन्होंने उन स्थानीय ग्रामीणों का समर्थन किया था, जो कोयला खनन परियोजना के लिए पेड़ काटे जाने का विरोध कर रहे थे। यह खदान महाराष्ट्र राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड को आवंटित की गई है, जिसने अडानी समूह के एमडीओ (माइन डेवलपर-कम-ऑपरेटर) को उसका ठेका दिया है।

पेपर लीक में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राठौड़ (27), निवासी गेगल, जिला अजमेर, हाल में निजी सहायक द्वितीय राजस्व मण्डल अजमेर, को गिरफ्तार किया है।

एसओजी की जांच में सामने आया कि उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा के तीनों दिवस की लिखित परीक्षा के प्रश्न- उत्तर परीक्षा से पहले बाबूलाल कटारा के सरकारी आवास पर अजमेर में पढ़वाये गए, जिन्हें पढ़कर एवं तैयारी कर लिखित परीक्षा देकर आरोपित अजय प्रताप सिंह ने हिन्दी विषय में 174.28 एवं सामान्य ज्ञान विषय में 150.2 अंक, कुल 324.48 अंक प्राप्त किये और लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की। मगर फिज़िकल में फेल हो जाने से अजय प्रताप सिंह का अंतिम चयन नहीं हुआ। इस प्रकरण में अब तक 117 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं किया, जबकि याचिकाकर्ता ने इसके लिए अनुरोध भी किया था। समिति ने उन्हें व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर नहीं दिया, उनके समक्ष कोई स्पष्ट या संभावित आरोप नहीं रखा गया, और बिना किसी पूर्व सूचना के अवैध रूप से प्रमाण का भार उलट दिया गया। इन सब कारणों से याचिकाकर्ता को प्रभावी बचाव का कोई अवसर नहीं मिला।"

14 मार्च को दिल्ली में जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास के आउटरूम में आग लगने पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के बाद यह पूरा विवाद शुरू हुआ। यह घटना दमकल विभाग की कार्रवाई के दौरान सामने आई थी। इस पर भारी जनाक्रोश के बाद, तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना ने तीन सदस्यीय इन-हाउस जांच समिति गठित की थी। न्यायमूर्ति शील नागू (तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश, पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट) न्यायमूर्ति जी. एस. संधवालया (तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट) और न्यायमूर्ति अनु शिवरामन (न्यायाधीश, कर्नाटक हाई कोर्ट) इस कमेटी के सदस्य थे।

इसके बाद, न्यायमूर्ति वर्मा को दिल्ली से इलाहाबाद हाई कोर्ट में स्थानांतरित किया गया और उनके न्यायिक कार्य को स्थगित कर दिया गया। समिति ने मई में अपनी रिपोर्ट सीजेआई को सौंप दी थी, जिसे बाद में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजा गया। न्यायमूर्ति वर्मा ने सीजेआई की इस्तीफ़ा देने की सलाह को मानने से इनकार कर दिया था।

जांच समिति ने पाया कि 14 मार्च को आग लगने की घटना, जिसमें नकदी मिली थी, के बाद, न्यायमूर्ति वर्मा का व्यवहार "अप्राकृतिक" था, जिससे संदेह पैदा हुआ। समिति ने 55 गवाहों के बयान दर्ज किए, जिनमें न्यायमूर्ति वर्मा और उनकी बेटी भी शामिल थीं। दमकल विभाग द्वारा लिए गए वीडियो और फोटो साक्ष्यों की भी जाँच की गई।

समिति का निष्कर्ष था कि नकदी उनके आधिकारिक निवास परिसर में बने स्टोर रूम से बरामद हुई और वह स्थान उनके या उनके परिवार के नियंत्रण में था।

नकदी के बारे में संतोषजनक स्पष्टीकरण देने की जिम्मेवारी उनकी ही थी, लेकिन नकदी के बारे में न्यायमूर्ति वर्मा संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे पाए, उन्होंने सिर्फ साफ इनकार किया और षड्यंत्र का आरोप लगाया। इसलिए समिति ने पाया कि उनके खिलाफ कार्यवाही की सिफारिश करने का पर्याप्त आधार है।

दिल्ली के 45 स्कूलों के साथ बैंगलूरु के 50 स्कूलों को भी मिली बम की धमकी

नई दिल्ली/बेंगलुरु, 18 जुलाई। देश की राजधानी दिल्ली और बेंगलुरु में शुक्रवार सुबह अचानक उस वक्त हलचल मच गई जब 80 से अधिक स्कूलों को एक जैसे बम की धमकी वाले ईमेल मिले। दिल्ली के लगभग 45 और बेंगलुरु के 50 स्कूलों को निशाना बनाया गया। इस घटना के बाद स्कूलों को एहतियातन खाली करा लिया गया, और बम निरोधक दस्ते के साथ पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें जांच में जुट गईं।

दिल्ली में इस सप्ताह यह चौथा मामला है, जिससे अभिभावकों और स्कूल प्रशासन में चिंता बढ़ गई है।

- दिल्ली में इस सप्ताह यह चौथा मामला है जब स्कूलों को धमकी दी गई है।
- इन धमकियों से स्कूल प्रशासन व अभिभावकों में भारी चिंता है।

आज जिन स्कूलों को धमकी मिली, उनमें पीतमपुरा, द्वारका, रोहिणी, संगम विहार, पश्चिम विहार जैसे इलाकों के प्रमुख स्कूल शामिल हैं। इसके अलावा दिल्ली यूनिवर्सिटी के तीन कॉलेजों को भी बम की धमकी मिली है।

बेंगलुरु में भी लगभग 50 स्कूलों को एक ही तरह की धमकी मिली है। पुलिस के अनुसार, "रोडकिल333" नामक एक ईमेल यूजर ने सुबह 7:24 बजे ये संदेश भेजे।

अमेरिका ने "द रैज़िस्टैंट फ्रंट" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(एसडीजीटी) घोषित करना, आतंकवाद का मुकाबला करने और पहलगाम हमले के लिए न्याय की राष्ट्रपति ट्रम्प की अपील को लागू करने के लिए ट्रम्प प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बयान में कहा गया , आज, विदेश विभाग द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को एक नामित विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) के रूप में शामिल कर रहा है। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक मुखौटे और प्रॉक्सी, टीआरएफ ने 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908